3 | राजधानी
पहाड़गंज में चला निगम का पंजा

6 | अभिमत
सिविल-सेना संबंधों की पवित्रता

10 | विदेश
अमेरिका में भारतीय परिवार के तीन सदस्य मृत मिले

12 | स्पोर्ट्स
भारत की महिला और पुरुष टीम को स्वर्ण

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 284
नई दिल्ली, सोमवार, 21 अगस्त, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

परिवारवाद की राजनीति जहर है

राष्ट्रीय-11

कांग्रेस की नई कार्य समिति घोषित

वरिष्ठ नेताओं को खास तरजीह, सचिन पायलट, आनंद शर्मा, शशि थरूर के भी नाम

● पांच राज्यों मिजोरम, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव से ऐन पहले किया गया ऐलान

● परंपरा के उलट किसी मुख्यमंत्री को नहीं मिली समिति में जगह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में राजीव गांधी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी

अपने दिग्गज नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जन्मदिन पर कांग्रेस ने अपनी सर्वोच्च निर्णय लेने वाली कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) का पुनर्गठन किया।

पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता इसमें शामिल हैं, तो सचिन पायलट, प्रियंका गांधी वाड्रा और कभी जी23 समूह का प्रमुख चेहरा रहे एवं अध्यक्ष पद के चुनाव में मल्लिकार्जुन खरगे को चुनौती देने वाले शशि थरूर का नाम भी इस महत्वपूर्ण समिति में है। हालांकि पार्टी शासित किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री को इसमें स्थान नहीं दिया गया है। मल्लिकार्जुन खरगे के पार्टी अध्यक्ष बनने के दस महीने बाद कार्यसमिति की घोषणा की गई है। सीडब्ल्यूसी का ऐलान इस साल के अंत में पांच राज्यों मिजोरम, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में होने वाले विधानसभा चुनाव से ऐन पहले किया गया है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस कार्य समिति में 39 सदस्य, 32 स्थाई आमंत्रित सदस्य और 13 विशेष आमंत्रित सदस्य (चार पदेन सदस्यों समेत) शामिल किए गए हैं।

कांग्रेस के चारों अग्रिम संगठनों- युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, महिला कांग्रेस और सेवा दल के प्रमुख कार्यसमिति में पदेन सदस्य होते हैं। कांग्रेस ने इस साल फरवरी में रायपुर के महाधिवेशन में अपने संविधान में संशोधन किया था जिसके अनुसार, कार्यसमिति के सदस्यों की संख्या 23 से बढ़ाकर 35 कर दी गई थी। कांग्रेस के संविधान में यह प्रावधान भी है कि पार्टी अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष और पार्टी से संबंधित मौजूदा या पूर्व प्रधानमंत्री कार्यसमिति के स्वत: सदस्य होते हैं। कार्यसमिति में इस बार कांग्रेस शासित किसी राज्य के मुख्यमंत्री को शामिल नहीं किया गया है। पहले सामान्यत: कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों में से (शेष पेज 9)

सीडब्ल्यूसी में 50 वर्ष से कम उम्र के सिर्फ तीन नेता

नई दिल्ली। कांग्रेस ने उदयपुर के अपने चिंतन शिविर और रायपुर के महाधिवेशन में भले ही संगठन के सभी स्तरों पर 50 प्रतिशत स्थान 50 साल से कम उम्र के नेताओं को देने (50 अंडर 50) के फार्मूले की बात की हो, लेकिन इस कार्यसमिति में जिन 39 सदस्यों को शामिल किया गया, उनमें सिर्फ तीन नेता ही 50 वर्ष से कम उम्र के हैं। ये राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, लोकसभा में पार्टी के उपनेता गौरव गोगोई और मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं विधायक कमलेश्वर पटेल हैं। जहां पायलट 46 वर्ष के हैं, वहीं गौरव गोगोई 43 और कमलेश्वर पटेल 49 साल के हैं। कार्य समिति में शामिल प्रमुख चेहरा राहुल गांधी 53 साल के हैं, तो कांग्रेस (शेष पेज 9)

आपदा से घिरे हिमाचल की पूरी मदद करेगा केंद्रः नड्डा

● भाजपा अध्यक्ष ने कहा- आपदा की स्थिति में राजनीति नहीं हो, प्रदेश सरकार अपनी मांगें रखे, सरकार विचार करेगी

पायनियर समाचार सेवा। शिमला

शिमला में भूस्खलन वाले एक स्थान का निरीक्षण करते भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश में आई आपदा राजनीतिक लाभ उठाने का अवसर नहीं है। उन्होंने राज्य की कांग्रेस सरकार से कहा कि वह समस्या और जरूरतों के बारे में बताएं, हम सभी मांगों पर विचार करेंगे।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र बारिश-बाढ़ से प्रभावित हिमाचल प्रदेश की गंभीर स्थिति से चिंतित है और इस आपदा के कारण विस्थापित लोगों के पुनर्वास के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे। राज्य में गत रविवार रात के बाद से बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने वालों की संख्या 78 हो गई है। सिरमौर के पांवटा और शिमला शहर के बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा करने के बाद नड्डा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि राहत, बहाली और पुनर्वास के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र हिमाचल प्रदेश को हरसंभव मदद प्रदान कर रहा है और केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को राज्य आपदा प्रतिक्रिया (शेष पेज 9)

दिए जाएंगे 200 करोड़, मिली मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बारिश प्रभावित हिमाचल प्रदेश को पीड़ित लोगों के लिए राहत उपाय करने में मदद करने के वास्ते अग्रिम सहायता के रूप में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष से 200 करोड़ रुपए जारी करने की रविवार को मंजूरी दे दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि केंद्र ने (शेष पेज 9)

मुख्यमंत्री ने मांगा विशेष राहत पैकेज

पायनियर समाचार सेवा। शिमला

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को केंद्र से विशेष राहत पैकेज की मांग करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के वित्तीय प्रावधानों की मौजूदा राहत नियमावली राज्य में भारी बारिश से हुए नुकसान की भरपाई के लिए अपर्याप्त है। सुक्खू ने रविवार को यहां भाजपा (शेष पेज 9)

भाजपा ने दिल्ली की सातों लोस सीटों पर नियुक्त किए प्रभारी

● प्रभारी सुनिश्चित करेंगे कि पार्टी सूक्ष्म और विस्तृत रणनीति चुनाव से छह महीने पहले बना लेः कपूर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा ने राष्ट्रीय राजधानी में लोकसभा चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी है। भाजपा ने दिल्ली की सातों संसदीय क्षेत्र के लिए प्रभारियों की नियुक्ति कर दी है। इन्हें संगठनात्मक गतिविधियों की निगरानी और राजनीतिक कामकाज के प्रबंधन जैसी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

एक प्रभारी ने बताया कि लोकसभा चुनावों के लिए नियुक्त किए गए प्रभारियों को किसी भी अंतिम समय की चुनौती से बचने के लिए जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। भाजपा की दिल्ली इकाई के महासचिव हर्ष मल्होत्रा को पूर्वी दिल्ली, दिल्ली इकाई के उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह को नई दिल्ली, पूर्व महापौर जयप्रकाश को पश्चिम दिल्ली तथा कमलजीत सहरावत को उत्तर पूर्वी दिल्ली का प्रभारी बनाया गया है। दिल्ली भाजपा के महासचिव योगेंद्र चंदोलिया को उत्तर पश्चिम दिल्ली लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है, वहीं राजीव बब्बर को दक्षिण दिल्ली तथा राजेश भाटिया को चांदनी चौक सीट का प्रभारी बनाया गया है।

इन सात प्रभारियों में से एक ने बताया कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए विशेष रूप से लोकसभा प्रभारियों की नियुक्ति की गई है। दिल्ली में भाजपा के मीडिया विभाग के प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि लोकसभा प्रभारी सुनिश्चित करेंगे कि पार्टी के सूक्ष्म और वृहद स्तरीय सांगठनिक तथा राजनीतिक कार्यक्रमों की योजना चुनाव से कम से कम छह महीने पहले बना ली जाए। दिल्ली भाजपा के निर्देशों के अनुसार लोकसभा प्रभारी सुनिश्चित करेंगे कि घर-घर जाकर मतदाताओं (शेष पेज 9)

विक्रम व प्रज्ञान 23 को चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे

चंद्रयान-3 मिशन

● टेलीविजन पर 23 अगस्त को पांच बजकर 27 मिनट से सीधा प्रसारण किया जाएगा

भाषा। बेंगलुरू

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को कहा कि उसने चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर मॉड्यूल (एलएम) को कक्षा में थोड़ा और नीचे सफलतापूर्वक पहुंचा दिया, और इसके अब 23 अगस्त को शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर उतरने की उम्मीद है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि लैंडर माड्यूल प्रस्तावित सॉफ्ट लैंडिंग से पहले अंदरूनी जांच की प्रक्रिया से गुजरेगा। इसरो ने कहा कि लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल के 23 अगस्त को शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा की सतह पर उतरने की उम्मीद है। इससे पहले, इसरो ने कहा था कि मॉड्यूल 23 अगस्त को शाम पांच बजकर 47 मिनट पर चंद्रमा की सतह पर उतरेगा। इसरो ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर रविवार तड़के एक पोस्ट में कहा, दूसरे और अंतिम डीबूस्टिंग (धीमा करने की प्रक्रिया) अभियान में लैंडर मॉड्यूल सफलतापूर्वक कक्षा में और नीचे आ गया है। मॉड्यूल अब आंतरिक जांच प्रक्रिया से गुजरेगा और निर्दिष्ट लैंडिंग स्थल पर सूर्योदय का इंतजार करेगा।

इसरो के अनुसार, चंद्रयान-3 मिशन के जरिए अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करेगा। इसने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, और उद्योग की ओर (शेष पेज 9)

रूसी अंतरिक्ष यान लूना-25 चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ

मॉस्को(एपी)। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी ने रविवार को कहा कि उसका लूना-25 अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। रोसकॉसमॉस ने बताया कि उसका मानवरहित रोबोट लैंडर कक्षा में अनियंत्रित होने के बाद चंद्रमा से टकरा गया। एजेंसी ने एक बयान में कहा, लैंडर एक अप्रत्याशित कक्षा में चला गया और चंद्रमा की सतह से टकराने के परिणामस्वरूप क्षतिग्रस्त हो गया। इसने कहा कि यान में चंद्रमा पर उतरने से पहले की कक्षा में भेजने के बाद समस्या आई और शनिवार को उससे संपर्क टूट गया। रूस ने 1976 के सोवियत काल के बाद पहली बार इस महीने की शुरुआत में अपना चंद्र मिशन भेजा था। यान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर (शेष पेज 9)

बाल विकास अधिकारी पर किशोरी के यौन उत्पीड़न का आरोप, केस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आरोपी की पत्नी को पीड़िता का गर्भपात कराने के लिए दवाइयां देने का आरोपी बनाया गयाः पुलिस

दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी पर एक किशोरी का कथित रूप से कई बार यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में किशोरी का गर्भपात कराने के लिए उसे दवाइयां देने को लेकर अधिकारी की पत्नी को भी आरोपी बनाया गया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने नवंबर 2020 और जनवरी 2021 के बीच अपने मित्र की बेटी का कथित तौर पर कई बार यौन उत्पीड़न किया। यह मामला उस समय सामने आया जब 12वीं कक्षा की छात्रा ने घटना के बारे में हाल में एक अस्पताल में एक काउंसलर को बताया। घबराहट महसूस (एंक्जाइटी अटैक) होने के बाद उसे वहां भर्ती कराया गया था। अपने पिता की एक अक्टूबर 2020 को मौत हो जाने के बाद किशोरी, आरोपी और उसके परिवार के साथ उनके घर पर रह रही थी। आरोपी ने इस मौके का इस्तेमाल कथित तौर पर कई बार उसका यौन उत्पीड़न करने के लिए किया था। पीड़िता जब गर्भवती हो गई, उसने आरोपी की पत्नी को इसकी जानकारी दी, जिसने बाद में अपने बेटे के माध्यम से दवाएं मंगाई और किशोरी को खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया।

किशोरी जनवरी 2021 में अपनी मां के साथ घर लौटी। उसे इस साल अगस्त में घबराहट महसूस होने के बाद उसकी मां ने सेंट स्टीफेंस अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां पीड़िता ने काउंसलिंग सत्र के दौरान पूरी घटना के बारे में बताया। पुलिस ने बताया कि बाद में अस्पताल ने बुराड़ी पुलिस (शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

56 करोड़ वसूलने को सनी देओल के विला की बैंक करेगा नीलामी

मुंबई। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) ने 56 करोड़ रुपए की वसूली के लिए अभिनेता एवं भारतीय जनता पार्टी के सांसद सनी देओल की संपत्ति को नीलामी के लिए रखा है। ऑनलाइन माध्यम से 25 अगस्त को यह नीलामी की जाएगी। निविदा नोटिस के अनुसार, 2002 के सरफैसी अधिनियम के प्रावधानों के तहत होने वाली नीलामी को रोकने के लिए अभिनेता के पास अब भी बैंक को बकाया चुकाने का विकल्प है। गुरदासपुर से सांसद बैकसे 55.99 करोड़ रुपए के ऋण व ब्याज और जुर्माने पर चूक का सामना कर रहे है। उन पर यह मामला दिसंबर 2022 से जारी है। बैंक की ओर से रविवार को जारी सार्वजनिक निविदा मे कहा गया कि बैंक मुंबई के टोनी जुहू इलाके मे गांधीग्राम रोड पर स्थित सनी विला की संपत्ति कुर्क की है। नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य 51.43 करोड़ रुपए और 5.14 करोड़ रुपए की बयाना राशि तय की गई है। नीलामी के लिए जारी नोटिस के अनुसार, सनी विला के अलावा 599.44 वर्ग मीटर की संपत्ति मे सनी साउंड्स भी शामिल है, जो कि देओल परिवार के स्वामित्व मे है।

उखरूल के एक गांव में तैनात किए जाएंगे बीएसएफ जवान

मणिपुर हिंसा

एम्बुलेंस में बच्चे, उसकी मां और चाची को जिंदा जलाने के मामले की जांच सीबीआई को

भाषा। इंफाल

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक टीम को मणिपुर के उखरूल जिले के थवाई कुकी गांव में तैनात किए जाने की संभावना है, जहां शुक्रवार को हथियारबंद लोगों ने तीन लोगों की हत्या कर दी थी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बल आसपास की पहाड़ियों के जंगलों में तलाशी अभियान चला रहे हैं, जहां हथियारबंद लोगों के छिपे होने की आशंका है।

गांव में बीएसएफ टीम तैनात करने का संभावित कदम ऐसे वक्त उठाया जा रहा है जब कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने स्वतंत्रता दिवस परेड के दौरान लोगों के एक समूह के अत्याधुनिक आग्नेयास्त्रों के खुले प्रदर्शन के बारे में चुराचांदपुर के उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी थी। सूत्रों ने यह भी कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन की सहायता के लिए राज्य के नौ जिलों में बीएसएफ की लगभग 60 कंपनियों (शेष पेज 9)

मणिपुर में एक कुकी-मेइती दंपति के सात वर्षीय बच्चे को उसकी मां और चाची के साथ जिंदा जला दिए जाने की घटना समेत 20 मामले जांच के लिए पुलिस ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सीबीआई ने तीन मई से राज्य में हुई जातीय झड़पों की जांच शुरू कर दी है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में पर्वतीय जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद कुकी और मेइती लोगों के बीच झड़पें शुरू हुई।

हिंसा में अब तक 160 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। चार जून को पश्चिम इंफाल जिले के इरोइसेम्बा में भीड़ ने पुलिस की निगरानी में रही एक एम्बुलेंस पर हमला कर दिया और उसमें आग लगा दी, जिससे टोनसिंग हैंगसिंग नामक बच्चे की मौत हो गई। गोलीबारी की एक घटना के दौरान टोनसिंग (शेष पेज 9)

कीमतों पर चोट, दो लाख टन और प्याज खरीदेगा केंद्र

● केंद्र सरकार ने रखा पांच लाख टन बफर स्टॉक का लक्ष्य, खुदरा बिक्री में किया जाएगा उपयोग

● उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने हासिल किया तीन लाख टन प्रारंभिक खरीद लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक फोटो

केंद्र सरकार इस साल प्याज का बफर स्टॉक पांच लाख टन करने के लिए दो लाख टन अतरिक्त प्याज खरीदेगी और खुदरा बिक्री में इसका उपयोग करेगी, ताकि कीमतों को काबू किया जा सके। सरकार ने रविवार को यह घोषणा की। ज्ञात रहे कि उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने तीन लाख टन प्याज खरीद का प्रारंभिक लक्ष्य हासिल करने के बाद यह फैसला लिया है। इससे एक दिन पहले ही सरकार ने प्याज की स्थानीय आपूर्ति सुगम करने और कीमतों पर नियंत्रण करने के लिए इसके निर्यात पर 40 प्रतिशत कर लगाने की घोषणा की थी। चालू वित्त वर्ष के लिए प्याज के बफर स्टॉक के लिए लक्ष्य तीन लाख टन रखा गया था, जो हासिल कर लिया गया है। फिलहाल इस बफर स्टॉक को चुनिंदा राज्यों के लक्षित बाजारों में स्थानीय आपूर्ति सुधारने और मूल्य वृद्धि पर लगाम कसने के लिए खपाया जा रहा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्याज की देशभर में खुदरा कीमत रविवार को सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 29.73 रुपए प्रति किलोग्राम थी। बीते वित्त वर्ष इसी दिन यह 25 रुपए प्रति किलोग्राम थी। दिल्ली में प्याज की खुदरा कीमत 37 रुपए प्रति किलोग्राम है, जो पिछले साल इसी दिन 28 रुपए प्रति किलोग्राम थी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सरकार ने अभूतपूर्व कदम उठाते हुए तीन लाख टन के प्रारंभिक खरीद लक्ष्य को हासिल करने के बाद इस साल प्याज की बफर स्टॉक की मात्रा को बढ़ाकर पांच लाख टन कर दिया है।

दिल्ली में 25 रुपये किलो बिकेगा प्याज

दिल्लीवासियों को भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) प्याज की उच्च कीमतों से राहत देने के लिए सोमवार से राजधानी में 25 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर सरकारी बफर स्टॉक से इसकी खुदरा बिक्री शुरू करेगा। एनसीसीएफ के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। एनसीसीएफ पहले से ही केंद्र सरकार की ओर से रियायती दर पर टमाटर बेच रहा है और अब उसे बफर स्टॉक से प्याज की खुदरा बिक्री का काम सौंपा गया है। एनसीसीएफ की प्रबंध निदेशक अनीस जोसफ ने कहा, शुरुआत में हम दिल्ली में प्याज की खुदरा बिक्री (बफर स्टॉक से) शुरू करेंगे। हम मोबाइल वैन और दो खुदरा दुकानों (शेष पेज 9)

विधान भवन में ऑडिट आपत्तियों का देना होगा जवाब

लखनऊ में लोक लेखा समिति की बैठक कल, 2010 से 2012 की आवंटन और योजनाएं शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पूर्व के शासन काल में नोएडा प्राधिकरण में अफसरों ने विकास के नाम पर संगीन आरोप लगे। वित्तीय अनियमितताएं और अफसरों की लापरवाही ने जनता के अरबों रुपए डूबा दिए की बात कही गई। 2010-11 और 2011.12 की स्थानीय लेखा परीक्षा की रिपोर्ट में प्राधिकरण में की गई गड़बड़ियों का खुलासा हुआ।

22 अगस्त को लखनऊ के विधान भवन में ऑडिट आपत्तियों को लेकर बैठक की जाएगी। जिसमें लगाई गई आपत्ति यों के जवाब को सुना जाएगा और विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। प्राधिकरण ने इसकी तैयारी की है।

इस बैठक में ग्रुप हाउसिंग, प्लानिंग, वाणिज्यिक, स्पोर्ट्स सिटी, सामान्य प्रशासन से लेकर विकास की परियोजना पर लगाई गई आपत्ति यों पर प्राधिकरण की ओर से तैयार किए गए जवाब पर चर्चा होगी। प्राधिकरण ने बताया कि 2010-11 और 2011-12 में अधिकांश मामले प्लाट आवंटन और विकास से संबंधित है। जिसमें कॉमर्शियल, ग्रुप हाउसिंग, अनुज्ञया या किराए पर आवंटन करने में बड़ी अनियमितता बरती गई। इसके अलावा बड़ी परियोजनाएं जिसमें सेक्टर-21ए में नोएडा क्रिकेट स्टेडियम निर्माण, एमपी.2 पर बनाई गई एलिवेटड, सेक्टर-18 में बनी मल्टी लेवल कार पार्किंग, सेक्टर-30 में बना सरकारी अस्पताल, चिल्ला रेगुटर एलिवेटड आदि परियोजनाएं है जिनमें स्थानीय लेखा परीक्षा ने आपत्ति लगाई है। इन सभी का जवाब बैठक में दिया जाएगा।

ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या डी-8ए के साथ संलग्न भूमि 415.40 वर्गमीटर की स्थित स्पष्ट नहीं होने से करीब 3 करोड़ की आर्थिक क्षति।

ओमेक्स बिल्ड होम प्रलि को आवंटित ग्रुप हाउसिंग भूखंड संख्या 01,02,03 सेक्टर-93बी में अनियमित रूप से संविधान बदलकर सब लीज की अनुमति और डिफाल्टेड किस्तों में रिशिड्यूलमेंट में ब्याज की धनराशि सम्मिलित न करने के कारण 98 लाख की आर्थिक क्षति आवासीय योजनाओं में निर्मित भवनों की लागत सब्सिडी के नाम पर 57 करोड़ की धनराशि घटाने से प्राधिकरण को आर्थिक छति।

बिना शासन के अनुमति के ही उप्र पावर कॉर्पोरेशन के कार्य किए जाने से पर हुए व्यय की स्थिति स्पष्ट नहीं है।

डॉक्टर भीम राव अंबेडकर अस्पताल सेक्टर-30 में निर्माण के लिए अप्रस्तावित रूप से 322.80 करोड़ की बढ़ोतरी। वित्तीय वर्ष 2012 से 2016 तक नोएडा प्राधिकरण में करीब 900 करोड़ रुपए की वित्तीय अनियमितता सामने आई थी। स्थानीय निधि लेखा परीक्षा लोकल ऑडिट के परीक्षण ने अपनी रिपोर्ट में इसका जिक्र किया है। ये ऑडिट 2018.19 के दौरान कराए गया।

इसमें प्राधिकरण की ओर से बिल्डरों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए विकास शुल्क की गणना करने, भूति आवंटन और विकास परियोजनाओं में गड़बड़ी की गई स्थानीय निधि लेखा परीक्षा ने भी नोएडा प्राधिकरण के चार साल के फाइलों की जांच की। इसमें करीब 900 करोड़ रुपए बड़ी गड़बड़ी सामने आई।

लोनी बॉर्डर पर स्प्रे पेंट शॉप में लगी आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के लोनी बॉर्डर इलाके में रविवार दोपहर स्पेयर पाट्र्स की स्प्रे पेंट शॉप में आग लग गई। शुक्र रहा कि साप्ताहिक छुट्टी की वजह से दुकान में कोई मौजूद नहीं था। फायर फाइटर्स ने पहुंचकर आग पर काबू पा लिया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया, दोपहर 13;21 बजे लोनी फायर स्टेशन पर एक सूचना प्राप्त हुई। तत्काल दो फायर टेंडर गांव बेहटा हाजीपुर में कैनाल रोड पर स्पेयर पाट्र्स की स्प्रे पेंट शॉप के लिए रवाना की गईं। मौके पर पहुंचकर देखा तो आग एक लगभग 300 वर्ग मीटर के प्लॉट में पिछले भाग में भूतल पर बनी शॉप में लगी हुई थी। सीएफओ ने बताया, ये आग संभवत शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी। दुकान मालिक भूरा निवासी मुस्तफाबाद या उसका कोई कर्मचारी आज दुकान पर उपस्थित नहीं था। इसकी वजह ये थी कि रविवार को यहां पर साप्ताहिक अवकाश रहता है और ज्यादातर दुकानें बंद रहती हैं।

संक्षिप्त समाचार

डीएलएफ मॉल सेक्टर 18 नोएडा में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों का सही प्रकार से संचालन करना सिखाया गया।

बाजार में सब्जी खरीद रही महिला से मारपीट

मोदीनगर। कैलाश कॉलोनी निवासी महिला मनीषा शुक्ला का कहना है कि उसके पति दीपक शुक्ला के भतीजे की शादी सीतापुर निवासी शुभी के साथ हुई है। शुभी और उसके मायके वाले आए दिन पीड़िता और उसके पति के साथ गाली.गलौज करते हैं। कई बार घर पर आकर गाली.गलौज और मारपीट कर चुके हैं। आरोप है कि पीड़िता मनीषा फफराना रोड स्थित बाजार में सब्जी खरीद रही थी इसी बीच मारपीट कर घायल कर दिया।

स्कूली छात्रा को मनचले ने किये गंदे इशारे

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की गौर सिटी दो निवासी राकेश काल्पनिक नाम में दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी गौर इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ती है। गत दिनों स्कूल की छुट्टी के बाद उसकी बेटी घर की तरफ आ रही थी। इस दौरान पैशन बाइक सवार एक युवक ने उसे रोक लिया और घर छोड़ने को कहा उसकी बेटी ने जब बाइक पर बैठने से इनकार कर दिया तो युवक ने उसके साथ अश्लील हरकतें करने का प्रयास किया शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में दो किशोर लापता

नोएडा। अलग-अलग स्थान से दो किशोर संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर 11 झुंडपुरा निवासी उर्मिला ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि वह गत 14 अगस्त को अपनी ड्यूटी पर चली गई थी घर पर उनका 13 वर्षीय बेटा जिगर अकेला था शाम के समय जब वह वापस घर लौटी तो जिगर घर पर नहीं था उसने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। वही थाना दादरी क्षेत्र के पिंक सिटी सुदामा नगरी निवासी संजय कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका 15 वर्षीय बेटा रिसाव गत 16 अगस्त को घर से स्कूल के लिए गया था उसके बाद वह वापस नहीं होता उन्होंने अपने बेटे की काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली पुलिस का कहना है कि दोनों ही मामलों की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और किशोरों की तलाश की जा रही है।

पंचशील हाउसिंग निवासियों ने किया हंगामा

नोएडा। पंचशील हाउसिंग सोसाइटी के निवासियों ने रविवार को बिल्डर के खिलाफ प्रदर्शन किया। निवासियों का कहना है कि सोसाइटी के भीतर मेंटेनेंस, पार्किंग, शिविर और अन्य बहुत सारी समस्याएं हैं। जिनको लेकर काफी समय से लोग समाधान की मांग कर रहे है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इसी को लेकर सैकड़ों निवासियों बिल्डर के सेल्स ऑफिस पर हंगामा किया। सोसाइटी के निवासी केपी सिंह ने बताया कि सभी लोग हर महीना मेंटेनेंस का मोटा पैसा देते हैं। उसके बावजूद भी सोसाइटी के भीतर समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। सोसाइटी के भीतर मेंटेनेंस की समस्या है। कार पार्किंग की समस्या लगातार बनी हुई है। बेसमेंट में शिविर का पानी भरा रहता है। बिजली कनेक्शन को लेकर कोई ना कोई दिक्कत पैदा होती रहती है। निवासियों ने बताया कि पिछले दिनों नोएडा में लिफ्ट टूटने की वजह से एक महिला की मौत हो गई थी। उसके बावजूद भी सोसाइटी में लिफ्ट को ठीक नहीं करवाया गया है।

दूसरे राज्य से लाई जा रही थी शराब आबकारी टीम ने चार को पकड़ा

● मामले में एक तस्कर फरार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के नियमों की धज्जियां उड़ाए जाने की खबर सामने आई है। यहां पर दूसरे राज्यों से शराब तस्करी कर ग्राहकों को परोसे जाने की सूचना पर आबकारी विभाग की टीम ने कार्रवाई की है।

आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बार पर छापेमारी करते हुए दूसरे राज्यों की अंग्रेजी शराब बरामद की गई है। इस दौरान मौके से बार संचालक समेत चार लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है इस बार में हरियाणा राज्य से अंग्रेजी शराब और बीयर लाकर ग्राहकों को परोसी जा रही थी। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने बताया कि जिले में आबकारी विभाग लगातार अवैध शराब और ओवर रेटिंग को लेकर कार्रवाई कर रहा है। जिसको लेकर आबकारी विभाग समय समय पर शराब विक्रताओं को लगातार सचेत भी करता रहता है। इसी क्रम में आबकारी विभाग ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जोकि अन्य राज्य की शराब को अवैध रूप से अपने राज्य में लाकर पिला रहे थे। आबकारी विभाग गोपनीय सूचना मिली कि ग्रेनो वैसे एक बार में अवैध रूप से दूसरे राज्य की शराब लाकर ग्राहकों को परोसी जा रही है। इसकी सूचना के बाद आबकारी अधिकारी के निर्देश पर आबकारी निरीक्षक, क्षेत्र .4 अभिनव शाही, आबकारी निरीक्षक गौरव चन्द, आबकारी निरीक्षक रवि जायसवाल द्वारा थाना बिसरख में गौर सिटी के एंबार्क प्लाजा स्थित स्काईबार हेडक्वार्टर रेस्टोरेंट में छापेमारी की।आबकारी विभाग की टीम ने बार मे हरियाणा राज्य की शराब पिला रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गाजियाबाद की फर्म और 3 निदेशकों पर केस दर्ज

गाजियाबाद। केंद्रीय जांच ब्यूरो सीबीआई ने 8.75 करोड़ रुपए के बैंक ऋण धोखाधड़ी में गाजियाबाद की दो निजी कंपनियों और उनके अधिकारियों पर केस दर्ज किया है।

सीबीआई ने बताया, जांच एजेंसी को 13 मार्च 2023 को पंजाब नेशनल बैंक भीकाजी कामा पैलेस दिल्ली के असिस्टेंट जनरल मैनेजर संदीप भटनागर ने शिकायत की थी। बैंक ने दावा किया कि उसे 8.75 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

एफआईआर के अनुसार, गाजियाबाद में गुलमोहर ग्रीन्स स्थित कंपनी एकॉर्ड फ निंशिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नीरजा दीक्षित, अश्विनी दीक्षित, रजत कुमार अरोड़ा आदि ने धोखाधड़ी की।

मोदीनगर में बदमाशों ने युवक को मारी गोली

● हालत गंभीर, चार हमलावरों ने दिया वारदात को अंजाम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मोदीनगर में दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित गांव कादराबाद में शनिवार रात पशुओं को चारा डाल कर घर लौट रहे युवक पर चार बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया।

आरोप है कि हमलावरों ने गोली मारने के बाद युवक पर धारदार हथियार से हमला किया। घायल युवक को उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया। वहां से उपचार के बाद उसे गाजियाबाद रेफर कर दिया गया। आरोपी एक किशोरी से दुष्कर्म के मामले में जेल जा चुका है। कादराबाद निवासी ज्ञानचंद शर्मा किसान है। उनके घर से करीब तीन सौ मीटर की दूरी पर घेर है।

बताया गया कि ज्ञानचंद का 21 वर्षीय पुत्र कालू शनिवार रात करीब 10 बजे के आसपास पशुओं को चारा डालकर घेर से घर लौट रहा था। आरोप है कि इसी दौरान चार हमलावरों ने आकाश को घेर लिया।

एक हमलावर ने उसकी छाती को निशाना बनाकर गोली मारी तथा अन्य ने उस पर धारदार हथियार से हमला किया। शोर होने पर हमलावर वहां से भाग गए। ग्रामीण घायल आकाश को सीएचसी ले गए। गोली आकाश की छाती पर लगी तथा धारदार हथियार के हमले से आकाश की पीठ पर गहरे जख्म हो गये। परिजनों के अनुसार, गांव में उनकी रंजिश चल रही है।

पहले भी दो बार आकाश पर हमला हो चुका है। एसीपी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि युवक ने चार हमलावरों द्वारा गोली मारने की सूचना दी है। घायल युवक ने तीन हमलावरों को पहचानने का दावा किया है। युवक एक किशोरी को अगवा करने के मामले में दिसंबर 2022 में जेल जा चुका। किशोरी के बरामद होने पर दुष्कर्म की धारा बढ़ाई गई थी। पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सावन के गीत गाकर महिलाओं ने मनाया तीज पर्व

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 105 स्थित एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट्स पॉकेट बी की आरडब्ल्यूए द्वारा हरियाली तीज फेस्टिवल का आयोजन किया गया। तीज फेस्टिवल में सोसाइटी की महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। तीज फेस्टिवल में उपस्थित महिलाओं ने सावन के गीत गाकर तीज मनाई। महिलाओं ने रंगारंग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान कुछ महिलाओं ने तीज की महत्ता पर प्रकाश डाला। आरडब्ल्यू के अध्यक्ष ओमवीर बंसल ने सभी को तीज पर्व की शुभकामनाएं दी। उपाध्यक्ष डॉ शशि राव ने तीज फेस्टिवल में उपस्थित सभी लोगों को घेवर खिलाकर उनका स्वागत किया। इस मौके पर आरडब्लूए के जनरल सेक्रेटरी जगदीश द्विवेदी, कोषाध्यक्ष विनोद डोडा, विकास त्यागी, सुनीता बंसल, कांता बिष्ट, शशि राठी, प्रतिभा, तुलसी, रेनू श्रीवास्तव, मंजू त्यागी, उषा उपाध्याय, शशि कक्कड़, ममता यादव, पूजा शुक्ला, कनिका शर्मा, छवी बंसल, सुमन बिष्ट सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थी। शहर में जगह-जगह धूमधाम के साथ तीज का पर्व मनाया गया।

Bank of India
Relationship beyond banking

सम्पत्तियों की ई-नीलामी बिक्री सूचना : 25.09.2023
गाजियाबाद ज़ोन, बी-32, सैक्टर-62, नोएडा-201307
फोनः 0120-2404135

चल/अचल सम्पत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस

परिशिष्ट - IV-A नियम 8(6) के प्रावधानों के तहत

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन, अचल संपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना

आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर्स को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्तियां जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का रचनात्मक /भौतिक कब्जा, बैंक ऑफ इंडिया (प्रतिभूत लेनदार), के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक 25.09.2023 को (पूर्वा. 11.00 बजे से अर्पा. 05.00 बजे) को बेचा जाएगा।

ईएमडी/दस्तावेज ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि 24.09.2023 है। इच्छुक खरीदार अपने नाम पोर्टल https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/index.jsp पर पंजीकृत करवाएंगे। और ग्लोबल ईएमडी वॉलेट में ईएमडी ऑनलाइन जमा करें। **बेची जाने वाली संपत्तियों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया हैः वसूल की जाने वाली राशि (प्रतिभूत ऋण) और कब्जे का विवरण भी नीचे दी गई तालिका में वर्णित है।**

क्र. सं.	शाखा का नाम और खाता / कर्जदार का नाम	सम्पत्ति का विवरण और मालिक	बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) कब्जे की स्थिति और तिथि	आरक्षित मूल्य / ईएमडी / बोली वृद्धि राशि	ई-नीलामी की तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी का नाम और मोबाइल नं./जिससे बोलीदाता शाखा प्रबंधक से संपर्क कर सकता है
1	बैंक ऑफ इंडिया- सेक्टर-62 नोएडा शाखा खाता – श्री बीरेंद्र प्रसाद भगत पुत्र जागेश्वर भगत एवं श्रीमती मंती देवी	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि रिहायशी संपत्ति फ्लैट नं. डी-3, तृतीय तल, ब्लॉक-11ए, सैक्टर-118, नोएडा और जिला गौतम बुद्ध नगर (यू.पी.) में स्थित, यह सम्पत्ति श्री बिरेन्द्र प्रसाद भगत पुत्र जागेश्वर भगत के नाम पर है। प्लिंथ क्षेत्रफल 38.48 वर्ग मी., चौहद्दी : उत्तर में – फ्लैट नं. 5डी/गलियारा, दक्षिण में – बालकनी/खुला, पूरब में – फ्लैट नं. 1डी, पश्चिम में – फ्लैट नं. 4डी	रु. 18,75,911.67 + ब्याज और ब्याज की समाप्ति की तिथि से (उसके बाद जमा राशि को घटाकर यदि कोई हो) भौतिक कब्जा	₹ 16.80 लाख ₹ 1.68 लाख ₹ 0.17 लाख	25.09.2023 को पूर्वा. 11.00 बजे से अर्पा. 05.00 बजे	दिनेश सिंह मोबाइल नं. 9450379245.
2	बैंक ऑफ इंडिया- BRIA शाखा खाता – मैसर्स ए.एस. इंडस्ट्रीज़ (प्रोप. श्री जरनैल सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री अमरीक सिंह)	फ्री होल्ड सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि अर्थात भूमि और भवन, खसरा नं. 256 का भाग, ग्राम-भोंजा, पटेल मार्ग, गाजियाबाद-201001 में स्थित, यह सम्पत्ति श्री दिलावर सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री अमरीक सिंह (गारंटर-बंधककर्ता) के नाम पर है। क्षेत्रफल 292.63 वर्ग. मी. (349.99 वर्ग गज) संपत्ति की चौहद्दी : विक्रय विलेख के अनुसारः उत्तर में – श्रीमती निर्मला शर्मा की संपत्ति, दक्षिण में – 20 फीट रोड़, पूरब में – राम कुमार और राम अवतार की संपत्ति, पश्चिम में – श्रीमती स्वर्ण कौर की संपत्ति लेखपाल की रिपोर्ट के अनुसारः उत्तर में – श्रीमती निर्मला शर्मा की संपत्ति, दक्षिण में – 20 फीट रोड़, पूरब में – राम कुमार और राम अवतार की संपत्ति, पश्चिम में – श्रीमती स्वर्ण कौर की संपत्ति	रु. 3,77,06,430.77 + ब्याज और ब्याज की समाप्ति की तिथि से (उसके बाद जमा राशि को घटाकर यदि कोई हो) भौतिक कब्जा नोटः संपत्ति पर मुकदमा ऋण वसूली न्यायाधिकरण, लखनऊ में लंबित है। संपत्ति की सीमा विवादित है। आपराधिक मामले की जांच ईओडब्ल्यू, क्राईम ब्रांच, मंदिर मार्ग, नई दिल्ली द्वारा की जा रही है। बैंक द्वारा सम्पत्ति का विक्रय पूर्णतया "जहां है" "जैसा है" और "जो कुछ भी है" आधार पर किया जा रहा है। खरीददार को सूचित किया जाता है कि विक्रय के उपरान्त बैंक मुकदमें में कोई सहायता प्रदान नही कर सकेगा	₹ 69.92 लाख ₹ 7.00 लाख ₹ 0.70 लाख	25.09.2023 को पूर्वा. 11.00 बजे से अर्पा. 05.00 बजे	दिनेश सिंह मोबाइल नं. 9450379245.
3	बैंक ऑफ इंडिया-गाजियाबाद मेन शाखा खाता – मैसर्स टीजस फार्मा (प्रोप. श्री तनुश गर्ग पुत्र श्री आलोक गर्ग)	सम्पत्ति का वह समस्त भाग एवं अंश जोकि वाणिज्यिक संपत्ति दुकान नंबर-7वीं ए और 8, पहली मंजिल बालाजी मार्केट, म्यूनिसिपल मकान नं. 7(नया), मोहल्ला रामानुज दयाल, नई बस्ती, गाजियाबाद, उ.प्र.-201001 में स्थित, यह सम्पत्ति श्रीमती उषा गर्ग पत्नी श्री आलोक गर्ग के नाम पर है। प्लिंथ क्षेत्रफल – 22.29 वर्ग मी., चौहद्दी : उत्तर में – योगिता उर्फ यामिनी की दुकान, दक्षिण में – 25.00 फीट चौड़ी रोड़, पूरब में – दुकान नं. 6, पश्चिम में – 3.50 फीट चौड़ा गलियारा	रु. 61,78,427.99 + ब्याज और ब्याज की समाप्ति की तिथि से (उसके बाद जमा राशि को घटाकर यदि कोई हो) भौतिक कब्जा	₹ 24.57 लाख ₹ 2.50 लाख ₹ 0.25 लाख	25.09.2023 को पूर्वा. 11.00 बजे से अर्पा. 05.00 बजे	दिनेश सिंह मोबाइल नं. 9450379245.

नियम और शर्तें

1) नीलामी बिक्री / बोली केवल "ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक बोली प्रक्रिया **https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/index.jsp** वेबसाइट के माध्यम से होगी।
2) नीलामी की तिथि और समय : **25.09.2023 (सुबह 11:00 बजे से अर्पा 05:00 बजे तक** असीमित 10 मिनट प्रत्येक ऑटो-एक्सटेंशन के साथ) धरोहर राशि जमा करने की अंतिम तिथि **24.09.2023**
3) नीलामी आरक्षित मूल्य + पहले बोलीवृद्धि मूल्य जैसा कि बैंक की वैबसाइट पर उल्लिखित हैं, पर शुरु होगी। उपरोक्त सभी सम्पत्तियों के लिए बोलीदाता बैंक की वैबसाइट पर उल्लिखित गुणकों में अपनी बोली बढ़ाएँगे। संपत्तियों को आरक्षित मूल्य और प्रथम बोलीवृद्धि मूल्य से नीचे नहीं बेचा जाएगा।
4) इच्छुक बोलीदाताओं को पोर्टल **https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/index.jsp** पर अपना नाम पंजीकृत करवाना है, जिसके पश्चात उन्हें उक्त पोर्टल पर ऑनलाइन ई-नीलामी में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। खरीदार अपने केवाईसी दस्तावेज, फोन नंबर और ईमेल आईडी वेबसाइट पर जमा करें।
5) संपत्ति को सभी मौजूदा या भविष्य के भारों के साथ बेचा जाएगा (यदि कोई)। प्राधिकृत अधिकारी संपत्तियों पर किसी तीसरे पक्ष के अधिकारों / दावों या बकाया के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
6) प्राधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और सूचना के अनुसार, संपत्ति पर कोई भार नहीं है। इच्छुक बोलीदाताओं को ऋणभार/संपत्तियों के शीर्षक, सांविधिक दायित्व/कर देयता/संपत्ति कर के बकाया आदि के संबंध में अपनी स्वतंत्र जांच करनी चाहिए। वेबसाइट **https://ibapi.in** पर लॉग इन करके संपत्तियों को देखा जा सकता है। संपत्ति के भौतिक निरीक्षण के लिए प्राधिकृत अधिकारी से कार्य समय के दौरान संपर्क किया जा सकता है।
7) सफल बोलीदाता/क्रेता संपत्ति की खरीद पर देय बिक्री मूल्य के **1%** की दर से टीडीएस सहित सभी करों को वहन करेगा (यदि बिक्री मूल्य रु. 50 लाख/– और अधिक है) और ऑनलाइन बिक्री करने के लिए सेवा प्रदाता को देय कर। साथ ही बिक्री प्रमाण पत्र के निष्पादन के लिए देय शुल्क जैसे स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क, आदि सफल बोलीदाता द्वारा वहन किया जाएगा।
8) असफल बोलीदाता ईएमडी की वापसी के लिए स्वयं एमएसटीसी से संपर्क करेगा। ईएमडी की वापसी के लिए अधिकृत अधिकारी जिम्मेदार नहीं होंगे।
9. सफल बोलीकर्ता/क्रेता नीलामी की संपत्ति पर तुरंत उसी दिन अथवा नीलामी के अगले दिन तक जमा की गई आरक्षित मूल्य को शामिल करते हुए विक्रय मूल्य की राशि का 25 प्रतिशत बिक्री करने वाले प्राधिकृत अधिकारी को जमा करवाएँगे और किसी भी प्रकार की चूक की दशा मे नीलामी निरस्त कर संपत्ति को पुनः बिक्री की जाएगी। विक्रय मूल्य की शेष राशि का भुगतान नीलामी की पुष्टि से पंद्रह दिन के भीतर करना अनिवार्य होगा अथवा क्रेता व सुरक्षित लेनदार के मध्य लिखित मान्य अवधि के अंदर होगा जो कि नीलामी के दिन से तीन महीने के अंदर हो।
10. उपरोक्त बिन्दु सं. 9 मे उल्लिखित अवधि के भीतर भुगतान मे चूक होने पर, जमा को सुरक्षित लेनदार द्वारा जब्त कर लिया जाएगा और संपत्ति को फिर से बेच दिया जाएगा और डिफ़ल्ट खरीदार संपत्ति के लिए या उस राशि के किसी भी हिस्से के लिए (सुरक्षित लेनदार) जब्त कर लेगा जिसके लिए इसे बाद मे बेचा जा सकता है।

इच्छुक बोलीदाता जो वेबसाइट के साथ पंजीकृत होना चाहते हैं और ईएमडी जमा करना चाहते हैं और लॉगिन आईडी और पासवर्ड बनाने, डेटा अपलोड करने, बोली जमा करने, ई-बोली प्रक्रिया पर प्रशिक्षण आदि में सहायता की आवश्यकता है नोडल बैंक इलाहाबाद बैंक से **18001025026** या **011-41106131** पर और मैसर्स एमएसटीसी लिमिटेड से **09231690249** या **09911700233** पर संपर्क कर सकते हैं। और संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रश्न के लिए प्राधिकृत अधिकारियों से उनके संबंधित फोन नंबरों पर या गाजियाबाद अंचल कार्यालय में 0120-2404135 पर संपर्क कर सकते हैं। बिक्री अधिकृत अधिकारियों द्वारा वेबसाइट **https://www.mstcecommerce.com/auctionhome/ibapi/index.jsp** में उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया लिंक **https://www.bankofindia.co.in** देखें।

दिनांक 19.08.2023, स्थान : गाजियाबाद
प्राधिकृत अधिकारी बैंक ऑफ इंडिया

कार की ईसीएम चुराने वाला गैंग पकड़ा

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने एक रात में 27 गाड़ियों के इंजन कंट्रोल मॉड्यूल ईसीएम चुराने वाला गैंग आखिरकार पकड़ लिया। तीन आरोपी गिरफ्तार हैं। ये हर रोज आधी रात को गाड़ियां लेकर निकलते थे और घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों के शीशे तोड़कर उसके ईसीएम दिल्ली के कबाड़ी को बेच देते थे। स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया, रविवार को पुलिस ने तीन बदमाशों को शिप्रा मॉल सर्विस रोड से गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान राहुल निवासी हसनपुर अमरोहा, राजकुमार उर्फ राजू निवासी न्यू अशोक नगर दिल्ली और धनिश डोंगरा निवासी न्यू कौंडली दिल्ली के रूप में हुई है। इनसे 12 ईसीएम, 10070 रुपए, वैगनआर कार और गाड़ियों के शीशे व लॉक तोड़ने वाले औजार बरामद हुए हैं। आरोपियों 2 और 3 अगस्त की रात इंदिरापुरम क्षेत्र से 20 से ज्यादा गाड़ियों के ईसीएम चुराने की बात कुबूली है।वे हर रोज अपनी गाड़ी पर नंबर प्लेट बदलकर चलते थे और घरों के बाहर खड़ी गाड़ियों के बराबर में अपनी गाड़ी खड़ी कर देते थे।

नाले की दीवार टूटने से बेसमेंट में भरा गंदा पानी

नोएडा। शहर में स्थित मेफेयर रेसीडेंसी हाउसिंग सोसाइटी के पास नाले की दीवार टूट गई है। हाउसिंग सोसाइटी के चारों तरफ चारदीवारी नहीं होने की वजह से नाले का गंदा पानी बेसमेंट में घुस गया है। पूरा बेसमेंट गंदे पानी से भर गया है। जिसकी वजह से निवासी काफी परेशान है।

शनिवार की देर रात को प्राधिकरण और बिल्डर के लोगों ने बेसमेंट में मिट्टी डालकर नाले के गंदे पानी को सोसाइटी में आने से रोक दिया है, लेकिन खतरा अभी भी बना हुआ है। सोसाइटी के निवासी पवन कुमार ने बताया कि इस समय मेफेयर रेसिडेंसी में करीब 100 से अधिक परिवार रहते हैं। शनिवार की दोपहर को करीब 2;00 बजे सोसाइटी के बराबर से गुजरने वाले नाले की दीवार टूट गई और गंदा पानी सोसाइटी के अंदर आने लगा। तेजी के साथ पानी बेसमेंट में भर गया। मामले की जानकारी ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों और बिल्डर के लोगों को दी गई। रात करीब 11;00 बजे तक कड़ी मशक्कत के बाद सोसाइटी के भीतर आने वाले पानी को रोका गया।

वर्ल्ड फोटोग्राफी-डे पर नोएडा आर्ट लाइफ गैलरी में फोटो प्रदर्शनी

● एसीपी ने किया उद्घाटन, फोटो को सराहा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

आर्ट लाइफ गैलरी का जायजा लेते एसीपी रजनीश कुमार।

विश्व फोटोग्राफी दिवस पर नोएडा मीडिया क्लब के तत्वावधान में नोएडा और दिल्ली के फोटो जर्नलिस्टों द्वारा आर्ट लाइफ गैलरी सेक्टर 44 में भव्य फोटो प्रदर्शनी का आज से शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर एसीपी रजनीश वर्मा नोएडा मीडिया क्लब के अध्याय पंकज पाराशर महासचिव विनोद राजपूत आर्ट लाइफ गैलरी संचालक प्रीति बजाज व प्रतिभा अग्रवाल मुख्य रूप से मौजूद रहे। यह तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी 21 अगस्त तक चलेगी।

फ़ोटो प्रदर्शनी के अवसर पर एसीपी रजनीश वर्मा ने सभी पत्रकारों और छायाकारों को वर्ल्ड फोटोग्राफी डे की बधाई दी। उन्होंने प्रदर्शनी में लगे सभी फ़ोटो बेहद उत्साहित हो देखे और प्रत्येक फ़ोटो के विषय मे सम्बंधित फोटोजर्नलिस्ट से पूरी जानकारी भी ली।

रजनीश ने नोएडा मीडिया क्लब के इस प्रयास की खूब सराहना की और कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम किए जाएं,जिनसे समाज को रचनात्मक कार्यों के प्रति रूचि पैदा हो।

तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी को फोटो प्रेमी सुबह 11:00 से 5: 00 तक देख सकते हैं दूसरे दिन भी कई गणमान्य लोगों ने प्रदर्शनी का लुफ्त उठाया। लोगों ने प्रदर्शनी में प्रदर्शित फोटो की सराहना की। प्रदर्शनी के शुभारंभ के मौके पर नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष पंकज पराशर, विनोद राजपूत, रिंकू यादव, दिनेश शर्मा इकबाल चौधरी,हरवीर चौहान, अश्वनी श्रीवास्तव ,ए के लाल सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहें।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 21 अगस्त , 2023

मेहमानों के स्वागत के लिए बनेगा थीम पार्क

जी-20

खूबसूरती बढ़ाने के लिए हाथी और अन्य जानवरों की पत्थर से बनी मूर्तियां भी लगाई जाएंगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में अगले महीने प्रस्तावित जी-20 शिखर सम्मेलन में तीन सप्ताह से भी कम समय बचा है। जिसमें सदस्य देशों सहित अलग-अलग अतिथि देशों के मेहमान पहुंचेंगे। इस सम्मेलन के लिए पिछले साल से ही तैयारियां चल रही हैं।

भागीदारी को बढ़ाने और सदस्य देशों की सभ्यता-संस्कृति से लोगों को जानकार बनाने के लिए अलग-अलग कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली नगर निगम रविवार को दावा किया कि उनका लक्ष्य भारत की अध्यक्षता में जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले जी-20 संस्मारक पार्क निर्माण कार्य को पूरा करना है। जी-20 थीम पार्क ग्रेटर कैलाश-2 के एम ब्लॉक परिसर में विकसित किया जाएगा। दिल्ली नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, पार्क में अन्य कलाकृतियों के अलावा कलात्मक तरीके से जी-20 का लोगो बनाया जाएगा। इसकी खूबसूरती बढ़ाने के लिए हाथी और अन्य जानवरों की पत्थर से बनी मूर्तियां भी लगाई जाएंगी। परियोजना की समय सीमा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य यथाशीघ्र लोगों को उपहार का पार्क दिया जाए।

चूंकि जी-20 शिखर सम्मेलन नौ सितंबर को शुरू होगा और हमारा लक्ष्य आयोजन से पहले इस पार्क को तैयार करना है। भारत ने पिछले साल एक दिसंबर को जी-20 की अध्यक्षता प्राप्त की थी जिसके बाद से करीब 200 बैठकें विभिन्न मुद्दों पर आयोजित की जा रही हैं। जी-20 शिखर सम्मेलन नौ और 10 सितंबर को प्रस्तावित है। एमसीडी अधिकारी ने इससे पहले बताया था, हमने शिखर सम्मेलन से पहले शहर को सजाने और नागरिक सुविधाएं बढ़ाने के लिए कई योजनाएं बनाई हैं। हमारी योजना अहम स्थानों को दो लाख फूलों के गमलों से सजाने और बाजार- आदि स्थानों पर कूड़ा फैलने से रोकने के लिए अतिरिक्त कूड़ेदान रखने की है। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन से पहले नगर निकाय की परियोजनाओं में शहीदी पार्क के पुनर्विकास की परियोजना बनाई गई है।

इसके अलावा नई दिल्ली नगरपालिका परिषद भी जी20 समर्पित एक पार्क का निर्माण कार्य शुरू कर चुकी है। यह स्थाई तौर पर राजधानी में जी20 की महत्ता और सदस्य देशों के बारे में लोगों को जानकारियां देगा. इस पार्क को दिल्ली के अन्य पार्कों से अलग हट कर बनाया जा रहा है।

इसमें हरियाली और सुंदरता के साथ अलग-अलग प्रकार को सविधाएं होंगी। साथ ही लोगों को इस पार्क के माध्यम से सदस्य देशों और उनके राष्ट्रीय पशु-पक्षियों के बारे में जानकारी दी जाएगी।

खास बात यह है कि इस पार्क में स्थापित किए जाने वाले जी20 देशों के राष्ट्रीय पशु-पक्षियों की प्रतिमूर्तियों को वेस्ट टू वंडर कॉनसेप्ट के तहत कबाड़ों से बनाया जाएगा। इससे जहां एक तरफ कबाड़ का सदुपयोग कर उन्हें एक आकृति दी जाएगी, वहीं इसे बनाने में लागत भी कम आएगी।

चुनावी वादों पर भाजपा ने केजरीवाल को घेरा

● आप संयोजक जो चुनावी वादे देश भर में कर रहे हैं, उन्हें पहले दिल्ली में लागू करें : सचदेवा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में आम आदमी पार्टी के चुनावी वादे को लेकर भाजपा ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक से सवाल पूछा कि वह दिल्ली वालों को बताएं कि वह जो चुनावी वादे देश भर की जनता से करते रहते हैं, उन्हें दिल्ली में लागू क्यों नहीं कर रहे हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि उत्तराखंड से शुरू होकर गुजरात, गोवा, कर्नाटक और अब छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में केजरीवाल सभी उपभोक्ताओं को 300 यूनिट बिजली मुफ्त देने का वादा कर रहे हैं।

तीन हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता, सभी वयस्क महिलाओं के लिए 1000 रुपये, मुफ्त परीक्षण, दवा, नए अस्पतालों के साथ ऑपरेशन, अस्थायी और तदर्थ कर्मचारियों का नियमित करने और संविदा नौकरियों की समाप्त करने का वादा कर रहे हैं। दिल्ली के साथ-साथ छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के लोगों को भी आप संयोजक बताएं कि वह दिल्ली के लोगों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त क्यों नहीं दे रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली सरकार केवल 200 यूनिट बिजली मुफ्त दे रही है, वह भी उन लोगों को जो केवल 200 यूनिट तक की खपत करते हैं, 201 यूनिट खपाने वाले उपभोक्ता को एक भी यूनिट मुफ्त नहीं मिलती। अन्य किसी वर्ग के उपभोक्ताओं को कोई मुफ्त बिजली नहीं दी जाती है और दिल्ली की कमर्शियल बिजली दरें देश में सर्वाधिक हैं।

सरकार दिल्ली में कोई बेरोजगारी भत्ता नहीं देती ना ही वयस्क महिलाओं को कोई वजीफा नहीं देती है और न ही उनकी सरकार ने पिछले 8 वर्षों के दौरान एक भी कर्मचारी को नियमित किया है। सरकारी कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों आदि में सफाई और शिक्षक समेत कई सेवाएं भी अनुबंधित कंपनियों के माध्यम से ली जाती हैं।

फतेहपुर बेरी में वारदात, गलत पहचान के चलते व्यक्ति को मारी गोली, मौत

● पिटाई से आरोपी घायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के फतेहपुर बेरी इलाके में कथित तौर पर गलत पहचान के चलते 26 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इसने बताया कि मृतक के परिवार द्वारा पिटाई किए जाने से आरोपी घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में पीसीआर को शनिवार रात करीब 9:45 बजे कॉल आई थी। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण दिल्ली) चंदन चौधरी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जब फतेहपुर बेरी की हरस्वरूप कॉलोनी पहुंची तो पाया कि घायल राहुल को पहले ही निजी वाहन से अस्पताल ले जाया जा चुका था। उन्होंने बताया कि फतेहपुर बेरी की हरस्वरूप कॉलोनी में ही रहने वाला आरोपी करण सिंह (39) मौके पर घायल अवस्था में मिला और उसके पास से तीन कारतूस मिले। उन्होंने कहा कि आरोपी को भी अस्पताल भेजा गया।

चौधरी ने बताया कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर से भी दो घायलों-राहुल और विकी को लाए जाने सूचना मिली। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि राहुल को एम्स के ट्रॉमा सेंटर ने इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। चौधरी ने बताया कि जांच के दौरान खुलासा हुआ कि राहुल अपने भाई जयकिशन और पिता रामकिशन के साथ अपने घर के बरामदे में कुर्सी पर बैठा था। उन्होंने बताया कि रात करीब साढ़े नौ बजे करण देसी पिस्तौल के साथ पीछे से आया और राहुल पर गोली चलाकर भाग गया। उन्होंने कहा कि राहुल के पिता और भाई विकी ने पीछा किया तथा घर से बाहर करण को पकड़ लिया और उसकी पिटाई की।

चौधरी ने बताया कि मौके से देसी पिस्तौल, एक खाली कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। घटना में विकी (24) भी घायल हुआ है। पुलिस ने बताया कि आरोपी से अस्पताल में पूछताछ की गई जिसने बताया कि उसका और उसके भाई जवाहर का उसी इलाके के रहने वाले संजय से पैसों को लेकर विवाद था और उसने राहुल को गलती से संजय समझकर उस पर गोली चला दी। पुलिस ने बताया कि जयकिशन के बयान के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और शस्त्र अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसने कहा कि करण सिंह के दावे को सत्यापित किया जा रहा है कि क्या उसने गलत पहचान के चलते राहुल की हत्या की या घटना के पीछे कोई और कारण था।

क्रेन परिचालक से मारपीट कर गोदाम में की लूटपाट

नई दिल्ली । उत्तरी दिल्ली के अलीपुर इलाके में चार लोगों ने कथित तौर पर गोदाम में घुसकर क्रेन परिचालक से मारपीट करने के बाद प्लास्टिक बनाने में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल लूट ले गए।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार को पुलिस को लूटपाट की पीसीआर कॉल मिली और खेड़ा कलां गांव स्थित मौके पर पहुंचने पर फोन कॉल करने वाले ने बताया कि वह गोदाम मालिक के लिए क्रेन परिचालक का काम करता है और परिसर में बने कमरे में ही सोता है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (बाहरी दिल्ली) बी. भारत रेड्डी ने बताया कि शनिवार सुबह करीब तीन बजे जब वह सो रहा था तब चार लोग परिसर में दाखिल हुए और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान एक लुटेरा उसपर नजर रख रहा था, जबकि बाकी गोदाम के अंदर पिकअप ट्रक लेकर आए और प्लास्टिक बनाने में इस्तेमाल कच्चे माल के पैकेट उसपर लादने लगे। उन्होंने बताया कि बाद में लुटेरे क्रेन परिचालक को उसके कमरे में बंद कर फरार हो गए। पुलिस ने बताया मुकेश (22) नामक एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मेट्रो स्टेशन के नजदीक गोवंश का अवशेष मिला

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली में रोहिणी सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के नजदीक कथित गोवंश का अवशेष मिला है जिसे जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि शनिवार को अवशेष होने की सूचना मिलने के बाद समयपुर बादली पुलिस थाने के अधिकारी उत्सव अपार्टमेंट के पीछे मौके पर पहुंचे और उसे जब्त कर लिया।

पुलिस ने बताया कि अवशेष को जांच के लिए भेजा गया है। उसने बताया कि इस मामले में भारतीय दंड संहिता, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और दिल्ली कृषि मवेशी संरक्षण अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मुठभेड़ के बाद गोगी गिरोह का बदमाश गिरफ्तार

● आरोपी संदीप के खिलाफ हत्या का प्रयास, लूट, जबरन वसूली समेत एक दर्जन केस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने मुठभेड़ के बाद जितेंद्र गोगी गिरोह के बदमाश संदीप उर्फ चोटी को गिरफ्तार किया है।

इस गोलीबारी में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी है जबकि संदीप की ओर से चलाई गई गोली स्पेशल सेल के एक इंस्पेक्टर को लगी। हालांकि बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने के कारण उन्हें चोट नहीं आई है। आरोपी हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी मांगने और आर्म्स एक्ट के एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं। बदमाश के कब्जे से एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल और दो कारतूस बरामद किए गए हैं। विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने बताया कि 16 अगस्त को स्पेशल सेल की टीम को सूचना मिली थी कि गोगी गिरोह का बदमाश संदीप अपने किसी साथी से मिलने पुष्प विहार इलाके में आने वाला है।

विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल

इस जानकारी के बाद इलाके की घेरेबंदी की गई थी। पुलिस टीम ने संदिग्ध एक मोटरसाइकिल पर सवार को रुकने के संकेत किए तो वह नजर अंदाज भागने की कोशिश करने लगा। इस दौरान उसकी मोटरसाइकिल सड़क पर फिसल गई। इसके बाद आरोपी ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। इस गोलीबारी के दौरान संदीप के दाएं पैर में चोट लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

उसने बताया कि संदीप बहुत ही कम समय में गिरोह के अन्य सदस्यों से आगे निकल गया और गोगी गिरोह का अहम गुर्गा बन गया।

वह अलीपुर थाने में एक मामले में वांटेड है। बदमाश जेल में रहनेके दौरान गोगी गिरोह के गुर्गे के संपर्क में आया था। उसके माध्यम से वह गिरोह के सरगना के संपर्क में आया और उसके लिए काम करने लगा। इसके बाद उसने कई वारदातों को अंजाम दिया, जिनमें पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। अब वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

संपत्ति विवाद में चचेरे भाई के घर पर की गोलीबारी

● आरोपी ने पहले भी दी थी जान से मारने की धमकी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में संपत्ति विवाद को लेकर चचेरे भाई के घर पर गोलीबारी करने के आरोप में 31 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान आली गांव के रहने वाले कमल नागर के रूप में हुई है।

पुलिस ने कहा कि शिकायतकर्ता जसबीर सिंह घर पर थे जब उन्होंने पांच अगस्त की रात करीब 11 बजे गोली चलने की आवाज सुनी, बाद में उन्हें पता चला कि दो लोगों ने उनके घर के गेट पर गोलीबारी की थी। पुलिस के अनुसार सिंह ने बताया कि उनका उनके चचेरे भाइयों कमल तथा राजू से ग्रेटर नोएडा के सादुल्लाबाद गांव में एक संपत्ति को लेकर विवाद है।

शिकायतकर्ता को इस संबंध में तीन अगस्त को कमल से जान से मारने की धमकी भी मिली थी। पुलिस ने कहा कि सिंह को संदेह है कि कमल और राजू ने उसके घर पर गोलीबारी की थी। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) राजेश देव ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि गोविंदपुरी थाने में हत्या के प्रयास के मामले में वांछित कमल शनिवार शाम करीब चार बजे आली गांव के पास आएगा। उन्होंने बताया कि छापेमारी की गई और कमल को पकड़ लिया गया। देव ने बताया कि उसके पास से एक देशी पिस्तौल एवं दो कारतूस जब्त किए गए।

पुलिस ने कहा कि साजिश और आरोपियों की भूमिका का पता लगाने के लिए आगे की जांच चल रही है। पुलिस ने कहा कि कमल पहले तीन मामलों में शामिल था।

संक्षिप्त समाचार

राजीव गांधी के चित्र पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि देते चौ अनिल।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को दी श्रद्धाजंलि

नई दिल्ली। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के 79वें जन्मदिन पर उन्हें याद कर श्रद्धाजंलि दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने रविार को समाधि स्थल वीर भूमि पर प्रार्थना करने के बाद राजीव भवन में कांग्रेस नेताओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ उनकी उपलब्धियों को याद किया और उनकी तस्वीर पर फूल चढ़ा उन्हे श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर अनिल ने कहा कि राजीव गांधी के आधुनिक दृष्टिकोण से ही देश को प्रगति और विकास की राह मिली और युवाओं को देश की गति के साथ जोड़ने के लिए युवाओं को 18 वर्ष की उम्र में मतदान का अधिकार दिया। स्व. राजीव गांधी कम्प्यूटर, तकनीकी और संचार क्रांति के जनक के रुप में पहचान है। जिन्होंने 21वीं सदी में देश के सामने आई चुनौतियां और जरूरतों का सामना करते हुए भारत को विश्व शक्ति बनाने के लिए तैयार किया। जिससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिले, गरीबों के कल्याण और उत्थान के लिए काम किया और उन्होंने देश की अखंडता और एकता के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया।

आयुर्वेद में शोध के लिए मिलेंगे आकर्षक मौके

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के आयुर्वेदिक अस्पताल चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान (सीबीपीएसीएस) खेड़ा डाबर नजफगढ़ और दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी (डीपीएसआर) ने आयुर्वेदिक चिकित्सा और औषधि विज्ञान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। सीबीपीएसीएस के निदेशक प्रिंसिपल प्रो. एमबी गौड़ ने साझेदारी के बारे में जानकारी देते हुए बताय कि यह सहयोग अंतर-विषयक अनुसंधान और विचारों के आदान-प्रदान के लिए नए रास्ते खोलता है। साथ मिलकर, पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान और उपलब्धियों का प्रयोग आधुनिक फार्मास्युटिकल स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए कर सकते हैं। इसी तरह, डीपीएसआरयू के कुलपति प्रोफेसर रमेश के. गोयल ने कहा कि, उनका मानना हैं कि आयुर्वेद और आधुनिक फार्मास्युटिकल विज्ञान के संलयन में अभूतपूर्व समाधान लाने की क्षमता है। यह सहयोग हमें सक्षम बनाएगा। दोनों संस्थान आयुर्वेद और फार्मास्युटिकल विज्ञान के क्षेत्र में सार्थक प्रगति लाने के लिए अपने संसाधनों और ज्ञान को संयोजित करने के लिए उत्साहित हैं, जिससे मरीजों और स्वास्थ्य सेवा को लाभ होगा।

स्टेट हैंडलूम एक्सपो शुरू, प्रदर्शनी 30 तक चलेगी

नई दिल्ली। भारतीय हस्तशिल्प उत्पादों तथा शिल्पकारों को बढ़ावा देने के लिए सेन्ट्रल कॉटेज इण्डस्ट्रीज कॉरपोरेशन द्वारा आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्सपो और मेगा सेल का आयोजन सेंट्रल कॉटेज इंडस्ट्रीज एम्पोरियम में किया गया। इसका उद्घाटन सी.सी.आई.सी के प्रबंध निदेशक अजय गुप्ता ने किया। वस्त्र उत्पादों के बिक्री के लिए प्रदर्शनी 30 अगस्त तक सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक खुली रहेगी। एक्सपो में देश के विभिन्न राज्यों के 60 से अधिक बुनकर शामिल हुए है । प्रबंध निदेशक अजय गुप्ता ने कहा कि बुनकरों को आम जनता से जुड़ने का अच्छा मौका मिलेगा। एक्सपो में मास्टरवीवर्स राष्ट्रिय पुरस्कार विजेताओं ,शिल्पगुरु और क्लस्टर द्वारा बुने गए उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में हैंडलूम और हस्तशिल्प उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला के अलावा इंडिया हैंडलूम ब्रांडेड प्रीमियम उत्पाद प्रदर्शित किए गए है

अस्पताल से नाइजीरियाई नागरिक फरार, मामला दर्ज

● भीड़ का फायदा उठाकर परिसर से भागा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के एक अस्पताल से एक नाइजीरियाई नागरिक कथित तौर पर फरार हो गया, जहां उसे नियमित प्रक्रिया के तहत स्थानीय विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के अधिकारी लेकर गए थे। पुलिस ने रविवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इसे लेकर मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी ने कहा कि नरेला पुलिस थाने के अधिकारियों को सूचित किया गया कि स्थानीय विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के अधिकारी नियमित प्रक्रिया के तहत नरेला के एसआरएचसी अस्पताल में उपचार के लिए दो नाइजीरियाई नागरिकों (इसाईस और एकाजे) को लेकर आए थे। इसाईस ने अस्पताल में भीड़ का फायदा उठाया और भागने में सफल रहा। इस संबंध में नरेला पुलिस थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा विधिवत आदेश की अवज्ञा) और विदेशी अधिनियम की धारा 14 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।

गांवों में गृहकर व भवन उप नियमों का विरोध

● सरकार की कई नीतियों के खिलाफ महापंचायत करेंगे कई गांवों के लोग : सोलंकी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

खाप के प्रधान चौ. सुरेंद्र सोलंकी के नेतृत्व में महापंचायत।

गांवों पर थोपे जा रहे अव्यवहारिक नियमों के खिलाफ तीन सिंतबर को पीरागढ़ी गांव में होने वाली महापंचायत के लिए ग्रामीणों ने तैयारी शुरू कर दी है। इस महापंचायत को सफल बनाने के लिए पालम 360 खाप के प्रधान चौ. सुरेंद्र सोलंकी के नेतृत्व में रविवार को पंडवाला कलां व कंगनहेड़ी गांव में पंचायत हुई। इस दौरान ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि अब गांवों की उपेक्षा और उनके साथ अन्याय सहन नहीं किया जाएगा। ग्रामीण सरकार और प्रशासन के खिलाफ आरपार की लड़ाई लड़ेंगे।

सुरेंद्र सोलंकी ने कहा कि गांवों से हाउस टैक्स लेना, संपत्ति सील करना, भवन उप नियम लागू करना आदि नियम लागू नहीं किए जा सकते, मगर अधिकारी वास्तविक स्थिति का आकलन किए बिना वातानुकूलित कमरों में बैठकर नियम बना देते है। वहीं जनप्रतिनिधि इस दिशा में कोई ध्यान नहीं देते है।

इस कारण एक-एक करके गांवों में अव्यवहारिक नियम थोपे जा रहे है। अब ग्रामीण इस तरह के लागू किए नियमों को रद्द कराकर ही चैन लेंगे। वह अपने हितों और अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए तीन सिंतबर को पीरागढ़ी गांव में महापंचायत कर अपनी रणनीति तय करने के साथ-साथ उसका ऐलान करेंगे।

पहाड़गंज में चला नगर निगम का बुलडोजर

नई दिल्ली। एमसीडी ने पुलिस की मदद से मध्य दिल्ली में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लोक निर्माण विभाग और दिल्ली नगर निगम की टीम ने करोल बाग के उप संभागीय मजिस्ट्रेट की निगरानी में पहाड़गंज तथा देश बंधु गुप्ता मार्ग में ध्वस्तीकरण अभियान चलाया।

नगर निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा अतिक्रमण हटाना एक नियमित अभियान है और यह एक नियमित अतिक्रमण रोधी कार्वाई है। ज्ञात हो कि अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम ने अभियान चलाया हुआ है। वहीं जी-20 कार्यक्रम को देखते हुए डीडीए ने भी तोड़फोड़ की कार्रवाई की है।

वन महोत्सव : पेड़, वन एवं वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाया तो होगी कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पेड़, वन एवं वन्यजीवों को नुकसान पहुंचाने वालों की अब खैर नहीं। संबंधी शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए दिल्ली सरकार ने पोर्टल जारी किया है। जिसपर अतिक्रमण, वन्यजीव अपराध आदि को लेकर शिकायतें की जा सकती हैं।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पोर्टल जारी करते हुए कहा कि यह पोर्टल वन और वन्यजीव विभाग की कार्रवाई को प्रभावी बनाने में मदद करेगा। गोपाल राय ने कहा कि सेक्टर-15 , रोहिणी से छठा वन महोत्सव की शुरू करते हुए पोर्टल फॉर ग्रीन हेल्पलाइन https://ghl.eforest.delhi.gov.in को जारी किया। जिस पर पेड़ काटने. वन भूमि पर अतिक्रमण, वन्यजीव अपराध आदि को लेकर शिकायतें की जा सकती है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पोर्टल जारी करते हुए।

जिससे होने वाले नुकसान को निम्नतम स्तर पे रखा जा सके। उन्होंने वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत पौधरोपण करके की गई।

इस दौरान उन्होंने बताया कि दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष पौधारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत दिल्ली सरकार द्वारा ग्रीन एक्शन प्लान के तहत राज्य में पौधारोपण अभियान चलाया जाता है। इसी के चलते इस वर्ष समर एक्शन प्लान के बिन्दुओं में शामिल पौधारोपण महाअभियान को गति देने के लिए 9 जुलाई को आईएआरआई पूसा से शुरू हुए वन महोत्सव कार्यक्रम की कड़ी को आगे बढ़ाते हुए छठा वन महोत्सव कार्यक्रम रोहिणी में मना रहे है। इस नेक पहल में सरकार का साथ देने के लिए प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र से विभिन्न स्कूलों के बच्चे और अध्यापक भी मौजूद रहते हैं।

● पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पोर्टल जारी किया, अतिक्रमण, वन्यजीव अपराध आदि को लेकर कर सकते हैं शिकायतें

यह हैं सुविधाएं

ग्रीन हेल्पलाइन पर आयी सभी शिकायतें यहां दर्ज की जाती हैं। शिकायतों पर वन और वन्यजीव विभाग द्वारा की गई कार्रवाई का विवरण यहाँ दर्ज की जाती है। विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की विवरण हितधारकों द्वारा देखी जा सकती है। हेल्पलाईन नंबर 1800-11-8600 पर पर कॉल आती है। शिकायत हेल्पलाईन पोर्टल पर रिकार्ड होती है। हेल्पलाईन पोर्टल के द्वारा संबंधित बीट अधिकारी और रेंज अधिकारी को इस शिकायत से संबंधित मैसेज भेजा।

गुरुग्राम शहर में अंतिम छोर तक जलापूर्ति की 20 किमी नई मास्टर वाटर सप्लाई लाइन बिछेगी : मनोहर लाल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विकास को गति देने के लिए कई अहम परियोजनाओं को मिली स्वीकृति

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के माध्यम से गुरुग्राम शहर के विकास को गति देने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में शनिवार देर शाम गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की 12वीं बैठक आयोजित हुई। सीएम मनोहर लाल ने प्राधिकरण के सदस्यों के साथ व्यापक विचार-विमर्श करते हुए वर्ष 2023-24 के लिए 2574.40 करोड़ रुपए के वार्षिक बजट की स्वीकृति प्रदान की।

वार्षिक बजट में ढांचागत तंत्र (सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, स्टोर्म वाटर आदि) के लिए 570.06 करोड़ रुपए, कैपिटल वर्क के लिए 1151.77 करोड़ रुपए जिसमें स्वास्थ्य सेवाएं विशेषकर शीतला माता मंदिर के लिए 300 करोड़ रुपए, शहरी पर्यावरण के लिए 36 करोड़ रुपए, ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस के लिए 538 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वार्षिक बजट के लिए प्राधिकरण के पास 2043.17 करोड़ रुपए का राजस्व विभिन्न मदों से प्राप्त होगा साथ ही शेष 531.23 करोड़ रुपए की आवश्यकता पहले से उपलब्ध कॉर्प्स फंड से पूरी की जाएगी।

टेल एंड सेक्टर्स तक पानी पहुंचाने के लिए 125 करोड़ रुपए की परियोजना स्वीकृत : गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों तथा नए सेक्टर्स की जलापूर्ति की मांग को लेकर भी नई मास्टर वाटर सप्लाई लाइन का भी प्रस्ताव रखा गया। जिस पर मुख्यमंत्री ने 20.50 किलोमीटर लंबी मास्टर वाटर सप्लाई लाईन को स्वीकृति प्रदान की। इस लाईन के लिए 125 करोड़ रुपए के बजट को भी स्वीकृत किया गया। बसई जल शोधन संयंत्र पार्ट दो से 200 एमएलडी क्षमता की नई लाईन से सेक्टर-101, 104, 108, 110, 110ए, न्यू पालम विहार, पालम विहार, सेक्टर 23, एनएच-48 को पार करते हुए साइबर हब आदि क्षेत्रों में जलापूर्ति होगी। इस लाइन के माध्यम से नए व पुराने शहर में जलापूर्ति की मांग को पूरा किया जा सकेगा। बैठक में हरियाणा के परिवहन मंत्री मूल चंद शर्मा, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डा. कमल गुप्ता, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। वहीं हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल भी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। जीएमडीए द्वारा शुरू की जाने वाली प्रस्तावित परियोजनाओं को जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीसी मीणा ने प्रस्तुत किया।

गुरुग्राम में जीएमडीए की 12वीं बैठक लेते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

नए एसटीपी के लिए जमीन हस्तांतरण को मिली मंजूरी: मुख्यमंत्री ने दौलताबाद के समीप सेक्टर-107 तथा नौरंगपुर के समीप सेक्टर-78 में प्रस्तावित नए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) के लिए जमीन हस्तांतरण को स्वीकृति प्रदान की। सेक्टर-107 के एसटीपी के लिए 49.93 एकड़ भूमि नगर निगम गुरुग्राम तथा सेक्टर-78 में 40 एमएलडी क्षमता के एसटीपी के लिए नगर निगम मानेसर 3.75 एकड़ भूमि जीएमडीए को हस्तांतरित होगी।

संक्षिप्त समाचार

मानवता स्वास्थ्य शिक्षा फाउंडेशन ने लगाया चिकित्सा जांच शिविर

शिविर में जांच कराते ग्रामीण।

गुरुग्राम। मानवता स्वास्थ्य शिक्षा फाउंडेशन की ओर से रविवार को सरस्वती इंटरनेशनल स्कूल बेगमपुर खटोला के सहयोग से स्कूल परिसर में निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच करके उन्हें परामर्श दिया। आयुष्मान, चिरायु व निरोगी कार्ड भी बनाए गए। आयुष्मान धारकों के ब्लड टेस्ट निशुल्क किए गए। मानवता स्वास्थ्य शिक्षा फाउंडेशन के दीपक गुप्ता, पंकज रोहिल्ला, संजय कुमार, ललिता वर्मा व कविता सरकार ने कहा कि सिविल सर्जन डा. विरेंद्र यादव, उप-सिविल सर्जन डा. अनुज गर्ग के मार्गदर्शन में यह शिविर लगाया गया। स्वास्थ्य, शिक्षा फाउंडेशन का मूल उद्देश्य है। स्कूल के चेयरमैन राजपाल सिंह चौहान, उप-चेयरमैन मान सिंह चौहान ने कहा कि भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक कार्यों के लिए उनके दरवाजे संस्था के लिए खुले रहेंगे। इस शिविर में स्कूल की ओर से राजेश कुमार यादव, पीटीआई टीचर, रविंद्र सिंह, लक्ष्मी, बिशंबर सिंह ने विशेष सहयोग दिया। इस शिविर में 80 लोगों ने आंखें, 140 ने सामान्य रोग, 70 ने दांत, 100 ने हड्डी रोग के बारे में परामर्श लिया। आयुष्मान के लिए 50 लोग आए, जिनकी रक्त जांच की गई। 30 लोगों को कार्ड बनवाने के लिए जागरुक किया।

कन्या महाविद्यालय में चलाया गया पौधारोपण अभियान

गुरुग्राम के सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में पेड़ लगाते अतिथि।

गुरुग्राम। सेक्टर-14 स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में सीईई एवं ईपीएएम की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जीआईएफएस के एडिशनल चीफ एग्जिक्यूटिव आफिसर सुभाष चंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सुभाष प्रेया अकाउंट ऑफिसर सीईई साउथ ने मुख्य अतिथि और महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर इंदु राव का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने जीवन में पौधों की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि पौधे लगाने के साथ साथ उनका पोषण भी करें। सुभाष प्रेपा अकाउंट आफिसर सीईई साउथ ने अपनी संस्था के बारे में बताया और आग्रह किया कि अधिक से अधिक पौधों को लगाएं। गुरप्रीत कौर प्रोग्राम ऑफिसर पीसीसी दिल्ली ने भी अपने विचार रखे और आज के जीवन में पौधों की आवश्यकता के बारे में बताया। तत्पश्चात अतिथि, प्राचार्या, संस्था के पदाधिकारियों, महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने मिलकर 50 आयुर्वेदिक पेड़ लगाए।

पहलवानों को डा. विजय सिंह नंबरदार ने किया सम्मानित

तीज महोत्सव के दौरान महादंगल में पहलवान को सम्मानित करते डा. विजय सिंह नंबरदार।

गुरुग्राम। दादी सती मंदिर समिति के सौजन्य से शनिवार को महादंगल तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें आसपास के क्षेत्र के अनेकों पहलवानों ने हिस्सा लिया। इस दंगल में मुख्य अतिथि रहे वजीरपुर गांव के नंबरदार व जाने-माने शिक्षाविद् समाजसेवी डॉ. विजय सिंह नंबरदार। डा. विजय सिंह नंबदार ने इस दंगल में विजयी पहलवानों को पुरस्कृत किया। कैप्टन जगमाल सिंह स्टेडियम में आयोजित इस दंगल में पहला स्थान पाने वाले पहलवान को 51 हजार रुपए, द्वितीय पुरस्कार विजेता को 21 हजार व तीसरा स्थान लेने वाले पहलवान को 11 हजार रुपये का नगद पुरस्कार समिति द्वारा तय किया गया। दंगल महोत्सव में स्थानीय और दूर दराज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ. विजय नंबरदार ने सभी पहलवानों को बधाई देते हुए कहा कि खेल स्पर्धा न सिर्फ हम सबको शारीरिक रूप से सशक्त बनाती है, बल्कि हमारे बीच एक स्वस्थ स्पर्धा को भी जन्म देती है।

ग्लोबल सिटी गुरुग्राम में अब दिखेगी मिनी बॉलीवुड की झलक

गुरुग्राम के कैमरा म्यूजियम में म्यूजिओ कैमरा के संस्थापक एवं निदेशक आदित्य आर्य को कैमरा भेंट करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मनोहर लाल ने पिछले लगभग 9 वर्षों से प्रदेश की समृद्ध कला एवं संस्कृति को संजोय रखने के लिए प्रदेश की नई फिल्म नीति तैयार करवाई है। ग्लोबल सिटी गुरुग्राम में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कला प्रदर्शनी का मंच बनाया गया है। अब वह दिन दूर नहीं जब गुरुग्राम में मिनी बॉलीवुड की झलक भी देखने को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने विश्व फोटोग्राफी दिवस पर गत सांय गुरुग्राम में स्थित म्यूजिओ कैमरा म्यूजियम का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री की पहल पर ही गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण ने निजी सार्वजनिक भागीदारिता के तहत समझौता ज्ञापन कर इस म्यूजियम की विश्वस्तरीय स्थापना करवाई है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मई 2023 में अपने मन की बात कार्यक्रम में इस म्यूजियम की सराहना की है। इस म्यूजियम में न केवल फोटोग्राफी, बल्कि भारत के राजनीतिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिकइतिहास की जानकारी भी देखने को मिलेगी। फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले देश-दुनिया के फोटो प्रेमी तो यहां आएंगे ही, बल्कि बॉलीवुड से भी फिल्म निर्माता व कलाकार भी इस म्यूजियम में आएंगे। फोटोग्राफी का आविष्कार फ्रांस के जोसफ निस्फोरे नैप्स ने 18वीं शताब्दी में किया था। 21वीं शताब्दी तक पहुंचते-पहुंचते यह एक विज्ञान का रूप ले चुकी है। म्यूजिओ कैमरा के संस्थापक एवं निदेशक आदित्य आर्य ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का म्यूजियम में पहुंचने पर आभार व्यक्त किया। हरियाणा सरकार का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने ग्लोबल सिटी गुरुग्राम में म्यूजियम की स्थापना में सहयोग किया।

माताओं की जागरुकता के कारण बच्चे हो रहे है चरम रोग के शिकार

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नागरिक अस्पताल में शिशु रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति से जीरो से लेकर 14 वर्ष की उम्र वाले बच्चों को चिकित्सा सुविधा मिलना शुरू हो गई है। स्थानीय नागरिक अस्पताल में पिछले करीब चार माह से शिशु रोग विशेषज्ञ न होने से यहा आने वाले बच्चों को चिकित्सा सुविधा न मिलने से अभिभावक अपने नौनिहालों को अस्पताल से बाहर निजी क्लीनिक व नर्सिंग अस्पताल में लेकर जाने के लिए मजबूर हो रहे थे। इतना ही नहीं अस्पताल परिसर में बना जच्चा बच्चा वार्ड में नवजात शिशुओं को बीमारी की शिकायत होने पर गुरूग्राम, नूंह, पलवल, फरीदाबाद व दिल्ली लेकर भागना पड़ रहा है।

लेकिन शिशु रोग विशेषज्ञ के बैठने से स्थानीय अस्पताल में जन्म लेने वाले बच्चों की देखरेख करना आसान हो गया है। इसके साथ ओपीडी में उपचार सुविधा के लेने के लिए आने वाले बच्चों को कही और लेकर जाने की जरुरत नहीं होगी। जिससे निजी क्लीनिक व अस्पताल में अभिभावक की जेब पर चलने वाली कैची से नकदी बचेगी।

नागरिक अस्पताल शिशु रोग विशेषज्ञ को अपना बच्चा का उपचार कराते हुए महिला।

निक्कू वार्ड चलाने की कवायद शुरु

शिशु रोग विशेषज्ञ न होने से स्थानीय अस्पताल में बना 8 बेड का निक्कू वार्ड को शिशु रोग विशेषज्ञ के न होने से चालू न हो सका। लेकिन स्थानीय प्रशासन ने कवायदें तेज कर दी है। निक्कू वार्ड चालू होने से नवजात शिशु को बीमारी होने पर किसी अन्य अस्पताल में भेजने व लेकर जाने की आवश्यकता नहीं पडेंगी।

स्थानीय अस्पताल में एक माह मे 200 के लगभग नवजात शिशु जन्म लेते है। जिन्हे 48 घंटा के बाद घर भेजा जाता है। निक्कू वार्ड चालू करने की तैयारी शुरू करते 2 अन्य शिशु रोग विशेषज्ञ की मांग की जा रही है। जिससे नवजात से लेकर 14 वर्ष की उम्र वाले बच्चों की चिकित्सा सुविधा सही समय पर मिलेगी शुरू हो गई है।

(इन्द्रजीत सिंह-एसएमओ)

शहर के अंबेडकर बाईपास चौक विशेष समुदाय के दुकानदार नहीं खोल रहे हैं दुकानें

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

स्थानीय अंबेडकर बाईपास चौक पर विशेष समुदाय के दुकानदारों ने 20 दिन से बंद अपनी दुकानों को नहीं खोल रहे है। समुदाय के दुकानदार अपनी दुकानों को खोलने का साहस नहीं जुटा पा रहे है। जिससे उनका कारोबार दिन प्रति दिन ठप होता जा रहा है।

शहर के अंबेडकर बाईपास चौक पर 31 जुलाई को हुई हिसात्मक दंगा के बाद से यहा बैठें विशेष समुदाय के दुकानदारों ने 19 दिन बीत जाने के बाद अपनी बंद दुकानों को खोलने को तैयार नहीं है। बंद दुकानों की संख्या बाईपास से नूंह जाने वाले मार्ग के दोनों तरफ 60 के लगभग दुकानें बंद पड़ी हुई है। जानकारी के अनुसार दुकानदार शहर को छोड़कर अन्य गांव व शहर में अपने कारोबार को छोड़कर बैठें है। जिससे बंद दुकानों में चलने वाला कारोबार दिन प्रति दिन ठप होता जा रहा है। इन दुकानों में होटल, ढाबा, मीट शॉप, खराद, वाहनों के कलपूर्ज, फर्नीचर आदि का कारोबार चलता था।

सोहना के अंबेडकर बाईपास चौक पर 20 दिन से बंद दुकानें।

दहशत के आघोष में दुकानदार : 31 जुलाई को चौक पर दंगा करने वाले दंगाइयों की पहचान करके गिरफ्तारी में जुटी पुलिस की जांच अभी भी जारी है। जैसे-जैसे दंगा में शामिल आरोपियों की पहचान हो रही है। वैसे-वैसे पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर रही है। लेकिन पुलिस आम नागरिकों को स्पष्ट शब्दों में कई बार कह चुकी है।

निर्दोषों को पूरी सुरक्षा मिलेगी। दोषियों को बक्सा नहीं जाएगा। यह बात जिला पुलिस कमिशनर कला रामचन्द्र ने पीस कमेटी की बैठक व आम नागरिकों से रु ब रु हुई होने पर कहा है। निर्दोषों को किसी प्रकार की आंच नहीं आने देना का दावा भी किया गया है। लेकिन पुलिस के इतने आश्वासन के बाद अपनी दुकानों को बंद करके बैठें दुकानदार साहस नहीं जुटा पा रहे है।

बंद दुकानों से ग्राहक परेशान: पिछले 19 दिन से बाईपास चौक पर बंद दुकानों से जुड़े ग्राहक परेशान हो रहे है। जिसका कारण इन दुकानदारों से ग्राहको को वर्षों से लेन देन का कारोबार चलता आ रहा है। ग्राहक दुकानों को खुलने का बेसब्री से इंतजार करने में जुटे है। जिस दिन दुकानदारों का इंतजार करने का सब्र टूट जाएगा। उस दिन के बाद से बंद दुकानदारों का कारोबार जीरों होने का आसार है।

त्योहारों पर दिखती है सामाजिक एकता की झलक: सुंदर लाल यादव

तीज महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों के साथ सरंपच सुंदर लाल यादव।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

सेक्टर-82 व 83 में तीज उत्सव कार्यक्रमों में की शिरकत

सरपंच एसोसिएशन गुरुग्राम के अध्यक्ष सुंदरलाल यादव ने कहा कि त्योहारों पर एकता की झलक दिखाई देती है। त्योहारों पर लोग आपसी मनमुटाव भुलाकर मिलजुलकर त्योहार मनाते हैं। वे तीज उत्सव पर वाटिका के-ब्लाक सेक्टर 83 में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि नए गुरुग्राम के निवासी सभी त्योहारों को एकसाथ एकत्रित होकर मनाते हैं। इससे इन त्योहारों की महत्वता हमारी आने वाली पीढ़ी को पता लगती है। त्योहारों से हमारी सांस्कृतिक पहचान भी है। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने त्योहारों को ऐसे ही मिलजुलकर मनाएं। इससे अन्य जगह लोगों को भी हमारी संस्कृति की जानकारी दूसरे लोगों को भी मिलती है।

इस दौरान पंकज यादव रामपुरा, विश्वजीत राय गुप्ता, गीतिका दास, अमित सांगवान, अत्तर सिंह सांगवान, सुभाष साहा, अभय मित्र, लोकेश यादव, मधुमिता यादव, ऋषि अग्रवाल, अभिषेक मुखर्जी, डोली शर्मा, मूर्ति शर्मा, तूलिका सिंह, राजवंती सांगवान, साहिल तिवारी, प्रिया पांडे, राहुल सोनी समेत कई लोग मौजूद रहे। इसी प्रकार सेवा भारती जिला मानेसर सेक्टर-82 में यदुवंशी स्कूल में तीजोत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुंदरलाल यादव सरपंच व संजय यादव रहे। जिला सह संघचालक वेद, प्रांत प्रचार प्रमुख अशोक, जिला सह कार्यवाह नरेश तथा नगर कार्यवाह सुमित, डॉ. किरण जेटली इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। सुंदर लाल यादव सरपंच ने कहा कि तीज हमारा पारम्परिक त्योहार है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से हम अपने त्योहारों को एक होकर मनाते हैं, ऐसे ही हमें समय-समय पर समाज की सेवा, जनहित के विषयों, जन समस्याओं, प्रकृति की रक्षा के लिए भी एक मंच पर आकर काम करना चाहिए। सुंदर लाल यादव ने कहा कि हर त्योहार पर हमें पर्यावरण का विशेष ध्यान रखना है।

त्योहार के बहाने हमें यादगार के रूप में पेड़ भी लगाने चाहिए, ताकि हमारा पर्यावरण स्वच्छ बन सके। इस अवसर पर बच्चों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मंच का संचालन शिखा ने किया। सेवा भारती परिचय संध्या ने दिया। बच्चों के सभी कार्यक्रम सुनीता, राज, स्वाति, मधु, सुमिता, स्वाति खरे आदि कार्यकर्ताओं ने तैयार करवाए। मनोज, राहुल नेगी व जय भगवान ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। बच्चों में एक नवीन आत्मविश्वास का संचार हुआ।

लक्ष्मण विहार में चिकित्सा कैंप में 150 लोगों ने लिया लाभ

गुरुग्राम। पूर्व निगम पार्षद एवं भाजपा नेता मंगतराम बागड़ी की ओर से रविवार को निशुल्क हृदय रोग चेकअप कैंप का आयोजन कराया गया। लक्ष्मण विहार स्थित पार्षद कार्यालय में आयोजित इस कैंप में मेडीट्रिना हॉस्पिटल एवं सिविल हॉस्पिटल गुरुग्राम के हार्ट सेंटर के हृदय रोग विशेषज्ञ ने हेल्थ चेकअप किया। लक्ष्मण विहार में रहने वाले विभिन्न उम्र के 150 लोगों ने इस कैंप का लाभ उठाया। कैंप में जांच के अलावा दवाइयां भी मुफ्त उपलब्ध करवाई गई। भाजपा नेता एक दर्जन से अधिक फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन करा चुके हैं। पूर्व पार्षद बागड़ी ने कैंप में आए हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ सुशील सहित उनकी पूरी टीम का आभार जताया। मंगतराम बागड़ी पिछले कई वर्षों से 15 दिन से लेकर 1 माह की अवधि के अंतराल में नियमित तौर पर फ्री हेल्थ चेक अप कैंप का आयोजन करवाते हैं। पूर्व में उन्होंने नेत्र रोग जांच,

लक्ष्मण विहार स्थित पार्षद कार्यालय में आयोजित कैंप में जांच कराते लोग।

सामान्य रोग जांच, हड्डी रोग जांच, सहित कई निशुल्क कैंप का आयोजन करवाया है। लोगों की मांग थी कि अब यहां हृदय रोग की जांच के लिए कैंप लगवाया जाए। इसलिए वार्ड की जनता की आवश्यकता को देखते हुए हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम को यहां आमंत्रित किया गया।

दो दिन पहले हुए बुखार से बच्ची की मौत

फिरोजपुर झिरका। बारिश के बाद शहर में अब डेंगू तथा मलेरिया का खतरा बढ़ता जा रहा है। मौसम में उतार चढ़ाव से क्षेत्र में काफी लोग वायरल फीवर से भी ग्रस्त नजर आ रहे हैं। बीते दिनों तेज बुखार ने एक आठ माह की बच्ची की जान ले ली। बच्ची को दो दिन पहले तेज बुखार हुआ जिसके बाद अलवर के एक प्राइवेट अस्पताल में बच्ची की मौत हो गई। उधर स्वास्थ्य विभाग ने शहर में डेंगू तथा मलेरिया के संभावित खतरे को देखते हुए शहर के सभी वार्डों में फोगिंग का कार्य शुरू करवा दिया है। जानकारी के अनुसार वार्ड 15 के रहने वाले जब्बार ने बताया कि दो दिन पहले उनकी आठ माह की पोत्री को तेज बुखार हुआ था।

विधायक ने की हाईटेंशन तारों को हटाने के काम की शुरुआत

पटेल नगर से हाईटेंशन लाइन हटवाने की शुरुआत के अवसर पर क्षेत्रवासियों के साथ विधायक सुधीर सिंगला।

पटेल नगर में कई वर्षों से लोगों के लिए परेशानी का कारण बने हैं ये तार

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने पटेल नगर इलाके में मौजूद हाईटेंशन तारों के जाल को हटाने के काम की रविवार से शुरुआत की। इन तारों की वजह से क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी होती है। हाईटेंशन बिजली लाइन की वजह से अनेक हादसे इस क्षेत्र में हो चुके हैं।

शिव मंदिर पटेल नगर में विधायक का तार उतारने में पटेल नगर शिव मंदिर कमेटी एवं पटेल नगर निवासियों ने विधायक सुधीर सिंगला एवं सुभाष सिंगला पार्षद का फूल माला एवं गुलदस्ता भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि क्षेत्रवासियों द्वारा जो सम्मान उन्हें दिया गया है, इसके लिए वे सबके आभारी हैं। उन्होंने कहा कि पहले दिन से ही उनके यही प्रयास रहे हैं कि जनहित का कोई भी काम ना तो लंबित रहे और ना ही उसमें समय लगे। फिर भी कुछ विभागीय कार्यवाही के चलते काम थोड़े देरी से भी होते हैं। उन्होंने कहा कि नेक नीयत से उन्होंने इस हाईटेंशन लाइन को हटवाने के लिए प्रयास किए।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल के भी वे आभारी हैं कि जिन्होंने उनके द्वारा रखी गई समस्या को समझते हुए इसे दूर करने के आदेश दिए। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि हम सब इसी शहर, इसी क्षेत्र के वासी हैं। हम सामूहिक समस्याओं को बारीकी से जानते हैं। समय के साथ बहुत कुछ शहर में बदला है। यह विद्युत लाइन जी का जंजाल बनी हुई थी। इसे हटाना जरूरी हो गया। इसलिए सरकार ने इस पर अहम निर्णय लिया। इस लाइन को हटाने में भी काफी खर्चा आया है। उन्होंने कहा कि वर्षों से लंबित ये काम के होने से पूरे पटेल नगर के लोगों को काफी राहत मिलेगी। लोगों का जीवन सुलभ होगा। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि क्षेत्र के पार्षद सुभाष सिंगला का भी इस कार्य में विशेष योगदान है। वे लगातार इस कार्य के लिए फॉलोअप लेते रहे। क्षेत्र में विकास के कार्य कराने में वे सदा सक्रिय रहे हैं। इस दौरान पार्षद सुभाष सिंगला, सुमेर सिंह तंवर, अमित गोयल, आशीष गुप्ता, अजय जैन, योगेश, एसएन शर्मा, सत्यनारायण, राजकुमार गुप्ता, मुकेश, संजय कौशिक, करण सिंह, बीएल यादव, कृष्ण यादव अन्य लोग मौजूद रहे। तार हटवाने की शुरुआत के अवसर पर क्षेत्र के योगेश, करण सिंह, मुकेश वर्मा, जवाहर सिंह, बनवारी लाल शर्मा, लाल चंद शास्त्री राव रामकुमार यादव, संतोष शर्मा, नरेश गुप्ता, सतीश रस्तोगी, डॉक्टर बीएल यादव हरिप्रसाद, राव राजा राम यादव, सत्यनारायण शर्मा, चौधरी राधेश्याम, एसडीओ बिजली निगम पूनम चंद जेई, अन्य बिजली निगम का स्टाफ तथा पटेल नगर के लोगों ने बिजली की बड़ी लाइन व टावरों के पटेल नगर से उतरवाने पर कोटि-कोटि अभिनंदन किया।

प्रशिक्षकों की कमी से प्रेक्टिस नहीं कर पा रहे खिलाड़ी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद में प्रशिक्षकों की कमी के चलते खिलाड़ी प्रेक्टिस नहीं कर पा रहे हैं। जिसे देखते हुए विभिन्न खेलों के कोच की मुख्यालय से मांग की गई है। जिससे जिले में बेहतरीन खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके। यहां क्रिकेट, बैडमिंटन, कबड्डी, टेनिस सहित कई खेलों के कोच का पद रिक्त पड़े हैं।

प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के दावे तो कर रही है, लेकिन जिले में मांग के बाद भी खेल प्रशिक्षकों की कमी पूरी नहीं की जा रही है। हजारों खिलाड़ियों के ऊपर जिले में मात्र 17 ही कोच हैं, जिनके सहारे खेल विभाग चल रहा है।

हजारों खिलाड़ियों पर जिले में मात्र 17 प्रशिक्षक

जबकि औद्योगिक नगरी में दूसरे जिलों की तुलना में बेहतरीन मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। जिले में दो इंडोर स्टेडियम हैं। इसके अलावा हॉकी और एथलेटिक के खिलाड़ियों के आधुनिक मैदान हैं। लेकिन सुविधाओं के अनुसार खिलाड़ियों को प्रशिक्षण नहीं मिल पा रहा है। खेल निदेशालय व सरकार की ओर से सेक्टर-12 खेल परिसर में आवासीय खेल नर्सरी खोली जानी थी, लेकिन अभी तक यह नहीं खुल सकी है। हालांकि

विभाग का दावा है कि अगले सप्ताह तक आवासीय खेल नर्सरी शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए मुख्यालय से राशि स्वीकृत हो गई है।

जिले में कोच की स्थिति

एथलेटिक कोच-2, बास्केट-1, तीरंदाजी-1, शूटिंग-1, फुटबॉल-2, तलवारबाजी-1, हैंडबाल-1, हॉकी-1, स्वीमिंग-1, वालीबॉल-1, जिमनास्टिक के 1 कोच सहित कुल 17 कोच हैं।

इन खेलों के कोच नहीं

विभाग में काफी समय से टेबल टेनिस, बैडमिंटन, रेसलिंग, बॉक्सिंग, लॉन टेनिस, जूडो व क्रिकेट का कोई कोच नहीं है। इस कारण स्टेडियम में इन खेलों की तैयारी करने वाले खिलाड़ियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

> **सुविधाओं** के अनुसार यहां 33 और कोच की जरूरत है। मुख्यालय से कोच की मांग की गई है, ताकि जिले में बेहतरीन खिलाड़ियों को तैयार किया जा सके।
>
> **देवेंद्र सिंह गुलिया, जिला खेल अधिकारी**

खेलों में ओलंपिक व नॉन ओलंपिक खेलों का आयोजन होता है। ओलंपिक खेल खेल विभाग के अधीन आते हैं और नॉन ओलंपिक खेल खेल एसोसिएशन व पंचायत की ओर से आयोजित किए जाते हैं। ओलंपिक खेलों में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, साइकलिंग, तलवारबाजी, फुटबॉल, गोल्फ, जिम्नास्टिक, हैंडबाल, हॉकी, जूडो, स्वीमिंग, शूटिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, लॉन टेनिस, वालीबॉल, वेट लिफ्टिंग व रेसलिंग सहित मात्र 26 खेल हैं। नॉन ओलंपिक खेलों में बेस बॉल, बिलियर्ड्स, चेस, क्रिकेट, कबड्डी हरियाणा स्टाइल, कबड्डी नेशनल स्टाइल, कराटे, खो-खो, नेट बॉल, स्केटिंग, स्नोकर, सोफ्ट बाल, स्क्वैस, थ्रो बॉल व योग सहित मात्र 16 खेल हैं।

संक्षिप्त समाचार

स्कूल के रक्तदान शिविर में 40 यूनिट रक्त एकत्रित

फरीदाबाद। जेबीएन स्कूल फरीदाबाद, रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद, आरडब्ल्यूए सेक्टर-21बी फरीदाबाद, एनजीओ खुशी एक एहसास, टेन स्माइल फाउंडेशन ने मिलकर जीबीएन स्कूल 21डी में ब्लड कैंप का आयोजन किया। जिसमें सभी महिलाओं, वयस्क और बुजुर्गों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। करीब 72 लोगों ने इसमें हिस्सा लिया और 52 यूनिट ब्लड एकत्र किया गया। अमरजीत सिंह नारंग प्रेसिडेंट ऑफ रोटरी क्लब, महेंद्र सेठी सेक्रेटरी, गुलशन नारंग एसोसिएट गवर्नर जोनल 24 और क्लब मेंबर जगदीप मैनी, पवन मदान भी उपस्थित थे। रोटरी ब्लड बैंक फरीदाबाद की तरफ से दीपक प्रसाद और जीबीएन स्कूल की डायरेक्टर अनीता सूद भी उपस्थित थीं। खुशी एक एहसास की तरफ से यह थैलेसीमिया बच्चों के लिए 40वां ब्लड कैंप लगाया गया था। अमरजीत सिंह नारंग ने कहा कि ब्लड देना एक बहुत ही अच्छा काम है। इसलिए आप सभी से प्रार्थना करते है कि ब्लड कैंप में जरूर हिस्सा करें, क्योंकि रक्तदान महादान है।

अवैध हथियार की तस्करी करने का आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच बदरपुर बॉर्डर प्रभारी संदीप कुमार की टीम ने अवैध हथियार की सप्लाई करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी का नाम आशिक उर्फ दातु उर्फ आसिफ है। आरोपी फरीदाबाद की न्यू राजीव कॉलोनी का रहने वाला है। क्राइम ब्रांच टीम ने आरोपी को सूचना से थाना डबुआ के एरिया से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर तीन देसी पिस्टल, एक देसी कट्टा, एक जिंदा रोंद व पिट्ठू बैग बरामद किए गए हैं। आरोपी के खिलाफ थाना डबुआ में अवैध हथियार रखने की धारा में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ के लिए अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अवैध हथियार को किसी व्यक्ति से 33,000 में बेचने के लिए खरीद कर लाया था। आरोपी पर फरीदाबाद में आठ मुकदमे पूर्व में दर्ज हैं। पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया।

रक्तदान शिविर में 36 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

पलवल। गांव पेलक में हिंटक्लब फाउंडेशन एवं रोटरी ब्लड बैंक मथुरा ने संयुक्त रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में गांव के सरपंच जगदीश प्रसाद ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। हिंटकल्ब फाउंडेशन के संस्थापक राष्ट्रपति अवार्डी हरीश पेलक ने बताया कि यह उनका 18वां रक्तदान है। साथ ही गांव पेलक में आयोजित होने वाला यह पहला रक्तदान शिविर है, जिसमें सभी ग्रामवासियों ने सहयोग किया और 36 यूनिट रक्त एकत्रित किया। फाउंडेशन के निदेशक दिनेश कुमार ने स्वयं रक्तदान कर आगे भी रक्तदान शिविर आयोजित करने की बात कही। रोटरी ब्लड बैंक मथुरा से डॉ. पंकज, कपिल शर्मा, ललित शर्मा, देवेंद्र, राहुल, समीर, परविंदर ने सहयोग किया। सभी रक्तदाता को प्रमाणपत्र और वाटर बोतल देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर दलीप, योगेश, जोगिंदर, राज, मुरली भारद्वाज, मोहित, डॉ. धर्मेंद्र गन्नीकी, संदीप मुख्य रूप से मौजूद रहे।

स्नातक में दाखिले के लिए पोर्टल खुला, 26 तक होंगे दाखिले

फरीदाबाद। कॉलेजों में स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिले से वंचित विद्यार्थियों को उच्चतर शिक्षा विभाग ने एक और मौका दिया है। ऐसे छात्र-छात्राओं के लिए विभाग ने शनिवार से दाखिला फार्म भरने के लिए पोर्टल खोल दिया है और वह 26 अगस्त तक अपने मनपसंद कॉलेज में दाखिला ले सकेंगे। इसके लिए उन्हें 25 अगस्त तक पंजीकरण कराना होगा। रिक्त सीटों पर कॉलेज की ओर से सूची जारी की जाएगी। उसके बाद कॉलेजों में फिजिकल काउंसिलिंग भी शुरू हो जाएगी। इसके आधार पर वह 26 अगस्त तक दाखिला ले सकेंगे। दाखिले से वंचित विद्यार्थियों को पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होगा। उसके बाद उनके दस्तावेज की जांच होगी। सभी दस्तावेज पूरा होने के बाद उन्हें दाखिला दिया जाएगा। जिन विद्यार्थियों ने पहले पंजीकरण करा रखा है और अभी तक दाखिला नहीं लिया है। वे पुराने पंजीकरण नंबर से ही फिजिकल काउंसिलिंग में शामिल हो सकेंगे। राजकीय महिला कॉलेज की दाखिला प्रभारी डॉ. अर्चना ने बताया कि स्नातक प्रथम वर्ष में रिक्त सीटों पर दाखिले के लिए पोर्टल खोला गया है। देर शाम उच्चतर शिक्षा विभाग निदेशक द्वारा जारी पत्र के माध्यम से मिली थी। वहीं, पीजी में दाखिले के लिए 23 अगस्त तक दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके साथ ही काउंसलिंग शुरू हो जाएगी। दयानंद महिला कॉलेज की दाखिला प्रभारी गीता आहुजा का कहना है कि रिक्त सीटों पर ही दाखिले होंगे।

महिला से लूटा एटीएम कार्ड, खाते से उड़ाया कैश

पलवल। महिला से एटीएम कार्ड लूटकर उसके खाते से 36 हजार रुपए निकाल लिए। कैंप थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। कैंप थाना प्रभारी सत्यनारायण के मुताबिक न्यू कॉलोनी निवासी ज्योति ने शिकायत दी है। वह इस्लामाबाद स्थित स्कूल में बतौर गैस्ट टीचर नौकरी करती है। पीड़िता सल्लागढ़ रेलवे फ्लाईओवर से नीचे उतरी और एटीएम बूथ से पैसे निकालने के लिए पहुंची। पैसे निकालते समय अचानक दो युवक बूथ के अंदर आ गए। पीड़िता के अनुसार, युवकों ने पहले तो बातों से उसका ध्यान भटकाने का प्रयास किया, लेकिन जब वह उनकी बातों में नहीं आई तो उन्होंने उसका एटीएम कार्ड मशीन से निकाल लिया और उसके जैसा दूसरा कार्ड लगा दिया। उसके बाद युवकों ने उससे कैश व मोबाइल फोन लूटने का प्रयास किया। पीड़िता ने बताया कि उसने शोर मचाया तो दोनों युवक कार्ड लेकर फरार हो गए। इसके बाद खाते से 36 हजार रुपए निकलने का मैसेज आया। उसने बैंक व पुलिस को लिखित शिकायत दी। बैंक ने एटीएम कार्ड बंद कर दिया, जबकि पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

झपकी आने से यूपी रोडवेज बस ट्रैक्टर से भिड़ी, 30 यात्री घायल

सुबह चार बजे हुआ हादसा, चालक-परिचालक फरार

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

रविवार तड़के चार बजे नेशनल हाईवे पर दिल्ली गेट चौक के पास हादसा हो गया। यूपी रोडवेज की बस के चालक को नींद की झपकी आ गई, जिससे बस आगे चल रहे ईंटों से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। दुर्घटना में ट्रैक्टर चालक सहित बस में सवार 30 लोग घायल हुए। घायलों को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां से 15 की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

रविवार सुबह चार बजे यूपी रोडवेज की बस दिल्ली से आगरा सवारी लेकर जा रही थी, लेकिन जब बस पलवल फ्लाईओवर को क्रॉस

करके दिल्ली गेट चौक के अंडर पास पर चढ़ने लगी तो आगे चल रहे ईटों से भरे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई।

प्रत्यदर्शियों ने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि धमाके की आवाज आई और बस में चीख-पुकार मच गई। सैर करने के लिए निकले लोगों व राहगीरों ने घायलों को बस से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी।

बताया जा रहा है कि सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वाहनों का इंतजाम करके घायलों को उपचार के लिए जिला नागरिक अस्पताल भिजवाया गया। 15 की हालत नाजुक होने पर चिकित्सों ने उन्हें दिल्ली स्थित सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, जबकि कुछ स्वयं ही निजी अस्पतालों में अपना इलाज कराने के लिए चले गए। पुलिस ने जब बस के चालक और परिचालक का पता किया तो दोनों को चोट आई हैं, लेकिन डर के कारण मौके से दोनों फरार हो गए।

शहर थाना प्रभारी तेजपाल ने बताया कि घायल सवारियों के अनुसार, बस चालक की लापरवाही से यह हादसा हुआ है, क्योंकि वह बस को लापरवाही से चला रहा था। उन्होंने कई बार उससे कहा भी, लेकिन वह नहीं माना। इसी दौरान चालक को नींद की झपकी आ गई और बस आगे चल रहे ट्रैक्टर से जा टकराई। शिकायत मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

घायलों में आगरा निवासी रवि, गजियाबाद निवासी सुभाष, दिल्ली निवासी रेखा, शेखर व ओपी बत्रा, कन्नोज निवासी हर्षित, फरीदाबाद निवासी कमला, मोनिका, मोहन देवी व बृजेश, हापुड़ निवासी केशव, मैनपुरी निवासी सचिदानंद, पलवल निवासी कस्तूरी और बल्लभगढ़ निवासी धर्मवीर व शेखर आदि शामिल हैं।

पलवल के 37 स्कूल शहीदों के नाम पर होंगे

होडल 12, पलवल 10, हथीन नौ, हसनपुर में छह स्कूलों की पहचान बदलेगी

पलवल। शहीदों के मान-सम्मान को बढ़ावा देना और उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देना उनको याद करना है। शहीदों को याद रखने के लिए प्रदेश के जिन गांवों में शहीदों के परिवार रहते हैं, उन गांवों के सरकारी स्कूलों के नाम शहीदों के नाम कर रखकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी जाएगी। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने जिला पलवल के 33 शहर और गांवों के 37 सरकारी स्कूलों के नाम शहीदों के नाम पर रखने की घोषणा की है।

जजपा के जिलाध्यक्ष देवेंद्र सौरोत ने बताया कि सरकारी स्कूलों के नाम बदल कर शहीदों के नाम पर रखकर उप-मुख्यमंत्री ने शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि देने का काम किया है। शहीदों को आने वाली पीढ़ी भी याद रखेंगी, यही शहीदों को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी। शहीदों के परिवारों को भी पूरा मान सम्मान देने का काम किया है। जजपा के मुखिया की यही सोच अन्य नेताओं से अलग है। वे सभी का मान-सम्मान करके प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

इन स्कूलों के नाम होंगे शहीदों के नाम पर : जिले के पलवल उपमंडल के चांदहट, घोड़ी, असावटा, छज्जूनगर, छपरोला, सल्लागढ़, सोफ्ता, रतीपुर, बलई व रायपुर, हथीन के बहीन, हथीन, घरोंट, मानपुर के दो, स्यारोली, बूराका, बिचपुरी, बिघावली, होडल के बंचारी के दो, सोंदहद, सीहा, भुलवाना, दीघोट, गढ़ीपट्टी, सैलोटी, फुलवाड़ी, मीतरोल, बहरोला, सराय व हसनपुर के कोराली, बड़ौली, टीकरी गुर्जर, घासेडा, अछेजा और भवाना के सरकारी स्कूलों के नाम शहीदों के नाम पर रखे जाएंगे।

नाबालिग का अपहरण कर स्टेडियम में किया दुष्कर्म

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

नाबलिग का घर से अपहरण कर स्टेडियम में ले जाकर दुष्कर्म किया व विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

महिला थाना प्रभारी सुशीला देवी के अनुसार, मुंडकटी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने दी शिकायत में कहा है कि उसकी नाबालिग बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। छुट्टी होने के बाद उसकी बेटी बच्चों के साथ घर के बाहर चौपाल पर खेल रही थी। उसी दौरान मनोज नामक युवक वहां आया और उसकी बेटी को कहने लगा कि चल स्टेडियम में खेलने चलते हैं और बहला-फुसलाकर उसकी बेटी को स्टेडियम में ले गया।आरोप है कि मनोज ने स्टेडियम में उसकी बेटी के साथ गलत काम किया और जब उसकी बेटी रोने लगी तो उसे जान से मारने की धमकी दी। जिससे उसकी नाबालिग बेटी डर गई।

नाबालिग बच्ची ने सारी बातें अपने घर आकर अपनी मां को बताई। बच्ची की मां ने बच्ची और परिवार की बदनामी के डर से यह बात दबा दी। लेकिन इसी दौरान उसकी भाभी तीज पर्व पर उससे मिलने के लिए आई तो उसने पूरी बात अपनी भाभी को बताई।

जिसके बाद उसकी भाभी उसे लेकर महिला थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत महिला थाना पुलिस को दी। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा द कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी रजमा देवी का कहना है कि आरोपी की तलाश में दबिश दी जा रही है, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एसबीआई अधिकारी बन किया फोन, क्रेडिट कार्ड से एक लाख निकाले

फरीदाबाद। साइबर ठगों ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का अधिकारी बनकर एनआईटी निवासी एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड से एक लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित रविंदर सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चार अगस्त को उसके पास एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को एसबीआई का बड़ा अधिकारी बताया और मुख्यालय से बात करने की जानकारी दी। उसने क्रेडिट कार्ड पर 3100 रुपये का प्रोटेक्शन चार्ज लगने की बात बताई। इस पर पीड़ित ने किसी प्रकार के प्रोटेक्शन संबंधित आवेदन करने से इंकार कर दिया। आरोपी ने पीड़ित को कहा कि इसे रद्द करवा सकते हैं। वह आरोपी के झांसे में आ गया।

एलएन पाराशर ने 17वीं बार बांटी कानून की किताबें

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एवं न्यायिक सुधार संघर्ष समिति के अध्यक्ष एलएन पाराशर ने कहा कि युवा वकीलों को कानूनी ज्ञान होना बहुत जरूरी है। तभी कोर्ट के समक्ष निडरता एवं निर्भयता से अपना पक्ष रख सकेंगे। एलएन पाराशर ने युवा वकीलों को 17वीं बार मुफ्त में कानूनी की किताबें बांटी। इसमें हाल ही में लोकसभा में कानून संशोधन संबंधी किताब भी शामिल हैं।

फरीदाबाद कोर्ट परिसर के लॉयर चेंबर नंबर 382 में शनिवार सुबह युवा वकीलों की भीड़ लगी रही। फरीदाबाद बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान एवं न्यायिक सुधार संघर्ष समिति के अध्यक्ष एडवोकेट एलएन पाराशर ने लगातार 17वीं बार युवा वकीलों को मुफ्त में कानूनी किताबें प्रदान की। किताबों को लेकर युवा वकीलों में उत्साह रहा। एडवोकेट पाराशर ने बताया कि हाल ही में लोकसभा सत्र में भारत सरकार ने कानूनी धाराओं में संशोधन विधेयक पास किया है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह विधेयक अभी राज्यसभा में भी पास होना है, लेकिन वह चाहते हैं कि फरीदाबाद का कोई भी युवा वकील किसी भी परेशानी का सामना न करें। नए विधेयक की धाराओं को पढ़कर कोर्ट में निडरता एवं निर्भयता से अपना पक्ष रख सकें। इसलिए नए संशोधन संबंधी कानूनी किताबों को बांटा है। एडवोकेट पाराशर समय-समय पर इस तरह के आयोजन करते रहते हैं।

वह चाहे बार एसोसिएशन के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को राशन वितरण का कार्य हो, या मेडिक्लेम सुविधा देना हो। इस मौके पर बार एसोसिएशन के प्रधान राजेश बैसला, सचिव ओम दत्त शर्मा समेत अन्य वकील मौजूद रहे।

ऊंचा गांव में नवजात बच्ची का शव मिला

फरीदाबाद। ऊंचा गांव में रविवार को एक नवजात बच्ची का शव मिला है। शव की सूचना आशा वर्कर ने पुलिस को दी। पुलिस ने आशा वर्कर की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को सुबह आशा वर्कर ललिता पत्नी संजीव कुमार सुबेदार कॉलोनी ऊंचा गांव ने जानकारी दी। शिकायत में कहा कि एक खाली प्लॉट में छह-सात महीने की नवजात बच्ची का शव पड़ा है। एसआई प्रवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम तुरंत मौके पर पंहुची और बच्ची के शव को प्लॉट में भरे पानी से बाहर निकाला। बच्ची का शव कई जगह से कटा हुआ था, उसके हाथ व पैर को किसी जानवर ने खा रखा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल पहुंचाया व मामला दर्ज पर आगे जांच शुरू कर दी है।

महिला पुलिसकर्मियों ने थाने में सहकर्मियों संग मनाया हरियाली तीज पर्व

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी महिला थाने में महिला पुलिस कर्मचारियों ने हरियाली तीज पर धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर महिला पुलिस कर्मियों ने झूला-झूलकर डांस किया तथा घेवर बांटकर खुशियां मनाई।

इस अवसर पर थाना प्रभारी माया के साथ एएसआई जगवती, एएसआई सरिता, एएसआई अंजू, एएसआई मुनेश, हैड कांस्टेबल सोनिया, प्रोमिला, आशा, अनिता, सिपाही शशि, निर्मला सहित अन्य महिलापुलिस कर्मी मौजूद रहीं। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि इस अवसर पर महिला थाना प्रभारी माया ने उपस्थित सभी महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाली तीज भगवान शिव व मां पार्वती को समर्पित पर्व है। भारतीय संस्कृति परंपरा के अनुसार तीज का त्यौहार पूरे देश में मनाया जाता है। तीज के त्यौहार को हरितालिका तीज या कजली तीज भी कहते है। तीज का त्योहार हिंदू महिलाओं का त्योहार होता है। तीज का त्योहार हर वर्ष सावन माह के शुक्ल पक्ष में आता है। तीज के त्योहार के दिन लड़कियां योग्य वर की प्राप्ति के लिये तीज का व्रत रखती हैं और शादीशुदा महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और उनके जीवन के सभी कष्टों को दूर करने के लिये तीज का व्रत रखती हैं।

यह भारतीय परंपरा रीती-रिवाज के साथ धूमधाम से बड़े उत्सव के साथ मनाया जाता है। भारत में तीज त्योहार सबसे अधिक महत्व दिया गया है। तीज त्योहार हर वर्ष अगस्त महीने मे आता है। तीज त्योहार में लड़कियां और महिलाएं व्रत रखती हैं और सोलाह शृंगार करती हैं। सुहागन महिलाएं अपने पति के नाम का माथे में सिंदूर लगाती है, हाथों में चूड़ियां पहनती हैं और मेंहदी लगाती हैं।

डीसीपी ट्रैफिक ने यातायात नियमों का पालन कराने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीसीपी ट्रैफिक अमित यशवर्धन ने रविवार को सभी जोन के ट्रैफिक इंस्पेक्टर, पीआई, जेड ओ के साथ बैठक आयोजित करके ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने तथा इसमें सुधार करने के लिए आज डीसीपी ट्रैफिक ने सभी जोन के ट्रैफिक इंस्पेक्टरों, पीआई, जेड ओ के साथ बैठक आयोजित करके उन्हें यातायात से संबंधित अहम निर्देश दिए। डीसीपी ने कहा कि उनका उद्देश्य शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाना, यात्रियों के आवागमन को सुगम बनाना तथा यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क दुर्घटना की संभावना को कम से कम करना है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें कड़े प्रयास करने होंगे, ताकि सड़क

दुर्घटनाएं घटित न हों और वाहन चालक सुरक्षित अपनी मंजिल तक पहुंच सकें।

उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें आमजन को ट्रैफिक नियमों का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रा करने के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है। परंतु कुछ व्यक्ति यातायात नियमों को ताक पर रखकर यात्रा करते हैं। इस प्रकार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनका चालान करने के निर्देश दिए गए। डीसीपी ट्रैफिक ने कहा कि यातायात पुलिस यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए वह लगातार प्रयास करती रहेगी।

हिमाचल त्रासदी

बेलगाम निर्माण

हिमाचल प्रदेश में आई भयानक त्रासदी का कारण नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में बेलगाम निर्माण है। बरसात के वर्तमान मौसम में हिमाचल प्रदेश, पंजाब व हरियाणा भयानक विभीषिका का सामना कर रहे हैं जिससे इन राज्यों को भारी नुकसान हुआ है। लगातार बरसात ने सूखी नदियों को भयानक रूप दे दिया है जिससे आम जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है, अनेक लोगों की जान गई है तथा संपत्ति का भारी विनाश हुआ है। यह स्थिति केवल प्रकृति के प्रकोप के कारण नहीं है, बल्कि यह मनुष्यों की बेलगाम कार्रवाइयों का भी नतीजा है जिसने प्रगति व पर्यावरण दायित्व के बीच नाजुक संतुलन में बाधा पहुंचाई है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में होटल व रिजार्ट बनाने की प्रवृत्ति इस त्रासदी में व्यापक योगदान कर रही है। जलस्रोतों के किनारे संपत्ति का लालच बेलगाम मुनाफे की भावना से पैदा हुआ जिसमें अक्सर पर्यावरण तथा स्थानीय समुदायों की व्यावहारिक आवश्यकताओं की अनदेखी होती है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में फैले ये निर्माण पानी के प्राकृतिक बहाव में बाधा डालते हैं। इसके कारण भारी बरसात होने पर विनाशकारी परिणाम सामने आते हैं। संकुचित दृष्टिकोण से किए इस विकास के नतीजे पूरी तरह सामने आ रहे हैं। नदियों के प्राकृतिक मार्ग में बाधा डालने वाले मानव-निर्मित अवैध कब्जों के कारण हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। विनाशकारी विभीषिका आश्चर्यजनक है, घर मलबे में बदल गए हैं और आजीविका नष्ट हो गई है। लेकिन मानवीय नुकसान संपत्ति के नुकसान से आगे जाता है तथा

इतनी खराब स्थिति में स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे और ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। अकेले हिमाचल में 100 से अधिक लोगों की जानें गई हैं तथा हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति नष्ट हुई है। वास्तव में यह लालच तथा प्रकृति के बेलगाम दोहन की इच्छा का प्रत्यक्ष नतीजा है। बिल्डरों, राजनेताओं व नौकरशाहों के 'गठजोड़' ने राज्य को मुसीबत में धकेल दिया है। जब अवैध निर्माण पूरी गति से चलता है तब नौकरशाही अपनी आंखें बंद कर लेती है।

लगातार बरसात ने अचानक बाढ़, भूस्खलन तथा अन्य आपदाओं को जन्म दिया है जिससे संकट और गहरा गया है। लोगों के जीवन व कृषि पर आने वाला संकट हृदय-विदारक है। इसके साथ ही दोनों राज्यों में भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। हरियाणा और पंजाब में सैकड़ों करोड़ के नुकसान का अनुमान है, जबकि हिमाचल प्रदेश में असाधारण रूप से 8,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्र में मानव बस्तियों के बेलगाम विस्तार पर कठोर नियम लागू होने चाहिए तथा भूमि का प्रयोग जिम्मेदारी से होना चाहिए। दीर्घकालीन रूप से पर्यावरण के टिकाऊपन पर अल्पकालीन आर्थिक लाभ को वरीयता देने के नतीजे कष्टदायक रूप से सामने आ रहे हैं। इस विभीषिका के सबक हमारे लिए कठोर चेतावनी हैं कि हमारी कार्रवाइयों के पर्यावरण तथा स्थानीय जनता पर गहरे प्रभाव पड़े हैं। ऐसे में आवश्यक है कि न केवल तत्कालीन राहत उपायों के लिए जवाबदेही तय की जाए, बल्कि उस व्यवस्था पर नियामकीय दृष्टिकोण से नजर डाली जाए जिसने बेलगाम निर्माण की अनुमति दी है। यह बाढ़ 'विकास' के प्रति हमारे दृष्टिकोण में परिवर्तनकारी सिद्ध होनी चाहिए। केवल जिम्मेदार नियोजन तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता से ही हम ऐसी विभीषिकाओं को बार-बार आने से रोक सकते हैं।

सिविल-सेना संबंधों की पवित्रता

राजनेताओं को सशस्त्र बलों को अकेले छोड़ देना चाहिए। उनका प्रयोग लाभ उठाने के लिए नहीं होना चाहिए। सेनाओं के राजनीतीकरण से बचना होगा।

भूपिंदर सिंह
(लेखक, सेवानिवृत्त सैनिक अधिकारी हैं)

किसी राष्ट्रीय पार्टी के आईटी सेल के राष्ट्रीय समन्वयक द्वारा अपनी विरोधी राजनीतिक पार्टी के सदस्यों व नेताओं के प्रति पूर्णत: पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाना अनुचित नहीं कहा जा सकता है। वह अपनी पार्टी की राजनीति के दृष्टिकोण से सुझावात्मक व उकसावे वाली बयानबाजी कर सकता है और इस विचार से सत्य को थोड़ा 'तोड़-मरोड़' सकता है। लेकिन जब संवैधानिक प्रशासन का सवाल हो तो उसके पवित्र व अनुल्लंघनीय कार्यों पर सवाल उठाना रचनात्मकता के दायरे से बाहर चला जाता है। इसे किसी प्रकार भी उचित नहीं ठहराया जा सकता है। अब तक यह माना जाता रहा है कि सैनिक मामलों पर सिविलियन नियंत्रण होना चाहिए। भारत के सशस्त्र बलों की क्षमतायें महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय हैं। वे सशस्त्र बलों को अपने संप्रभु राष्ट्र या राष्ट्रप्रमुख की ओर से आंतरिक या बाहरी शत्रुओं के खिलाफ हिंसा का प्रयोग करना उचित ठहराती हैं।

ऐसी हिंसा का आदेश तत्कालीन वैध सरकार दे सकती है। एक पेशेवर सैनिक से यही उम्मीद की जाती है कि वह निष्पक्ष व तटस्थ तथा बिना किसी पूर्वाग्रह के 'सिविल-सेना संबंधों' की संवैधानिक सीमाओं में स्वयं को बांधे रखेगा। सैनिक बलों द्वारा ऐसी कार्रवाई करते समय कोई आदेश मानने या उसे न मानने के सारे सकारात्मक व नकारात्मक नतीजे उन सक्षम अधिकारियों के लिए होते हैं जिनसे सिविलियन सोच सही व सर्वाधिक बेहतरीन तरीके से प्रकट करने की आशा की जाती है। मोर्चे या जमीन पर काम कर रहे सैनिक केवल 'आदेश' प्राप्त करते हैं और इन आदेशों का क्रियान्वयन उनकी जिम्मेदारी होती है। इन आदेशों का पालन न करना उसके दायित्व का उल्लंघन माना जाता है। यह अनुशासन बनाए रखना 'राष्ट्र की सैनिक शक्ति' का अराजनीतिक चरित्र बनाए रखने के लिए जरूरी है। सशस्त्र सैनिक बल अपने इसी अराजनीतिक प्रकृति के कारण संप्रभु की सेवा करते हैं और उन पर इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कौन सी पार्टी उस समय देश की सत्ता में है। लेकिन अक्षम, गलत या पक्षपाती राजनेता कभी कभी इस निष्पक्ष आदर्श का उल्लंघन या इसकी अनदेखी करते हैं। वे या तो भारतीय सैनिकों की 'वीरता व क्षमता' पर कब्जा करने व उसे अपने हित में प्रयोग करने का प्रयास करते हैं अथवा सैनिकों के उस समय के 'इरादों' या कार्रवाइयों पर सवाल उठाने लगते हैं जब वे 'बावर्दी' थे तथा देश की सेवा कर रहे थे। दोनों स्थितियों में इस प्रवृत्ति को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता है और यह अपने निहितार्थों में बहुत खतरनाक है। सशस्त्र बल अपनी आपरेशनल आवश्यकताओं से आगे जा कर कभी काम नहीं करते हैं और उनमें ऐसा करने की प्रवृत्ति भी नहीं होती है। जब कभी वे ऐसा करते भी हैं तो उसके पीछे सरकार की इच्छा या उसके द्वारा दिए गए निर्देश होते हैं। केवल दुश्मन देश और दुश्मनों के सशस्त्र बल ही अपनी इच्छा से सैनिकों को आपरेशनल कार्रवाई की बात करते हैं। ऐसी बातें करने वाले निश्चित रूप से संवैधानिक भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण दृष्टिकोण अपनाते हैं। स्वतंत्रता के बाद भारत का इतिहास बहुत जटिल और कष्टदायक रहा है।

भारत को अनेक विद्रोही आंदोलनों का सामना करना पड़ा है जिसमें सशस्त्र बलों का प्रयोग करना जरूरी हो गया था। उनका उद्देश्य हमेशा भारतीय नागरिकों की रक्षा करना रहा है और उनको इसलिए तत्कालीन सरकार के आदेश पर मैदान में उतरना पड़ा क्योंकि परंपरागत रूप से पुलिसिंग की कार्रवाई करने वाले बल विपरीत परिस्थितियों के कारण अपना दायित्व निभाने में विफल रहे थे। वैसे सामान्य या थोड़ा कठिन परिस्थितियों में सशस्त्र बल यह काम करने के लिए तैयार नहीं होते हैं और न वे इसकी इच्छा रखते हैं। लेकिन विपरीत परिस्थितियों में आंतरिक अराजकता की स्थितियों में संप्रभु की इच्छा व 'अंतिम विकल्प' के रूप में उनको देश के अंदर सक्रिय शत्रुओं को कुचलने के लिए मैदान में उतरना पड़ता है।

यह खासकर चिन्ता का विषय है कि देश की सेना के अधिकांश मजबूत सैनिक सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों तथा संवेदनशील सीमान्त राज्यों, जैसे पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर, राजस्थान, पूर्वोत्तर राज्यों, आदि से आते हैं। लेकिन अपने पेशेवर सैनिक प्रशिक्षण के कारण उन्होंने हमेशा राजनीतिक झुकावों या सुझावों से सम्मानपूर्ण 'दूरी' बनाए रखी है। भारतीय सशस्त्र बलों के ये सैनिक हमेशा पंजाब, जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर, आदि क्षेत्रों में अलगाववाद व चरमपंथ के अंधेरे कालखंड में विजय प्राप्त करने में सफल रहे हैं। उन्होंने बिना किसी व्यक्तिगत 'इरादे' के अपने सैनिक दायित्व पेशेवर ढंग से पूरे किए हैं।

हाल ही में अतीत की ऐसी एक कष्टदायक घटना, यानी मिजोरम में हवाई हमलों का उल्लेख करना है। दु:ख की बात है कि इसका उल्लेख एक पूर्णत: राजनीतिक अवसर पर अविश्वास प्रस्ताव के दौरान राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए किया गया। इस मुद्दे को एक पार्टी समन्वयक के अति-जोशीले दृष्टिकोण ने और उछाल दिया जब एक प्रतिद्वंद्वी के पिता वायुसेना अधिकारी पर आरोप लगाया गया कि वे 'एज़वाल पर बम वर्षा करने वाले भारतीय वायुसेना के विमानों को उड़ा रहे थे।' इस बयान को स्वर्गीय वायुसेना अधिकारी के राजनेता पुत्र ने यह कह कर खारिज किया कि 'आपकी तारीखें और तथ्य गलत हैं। हां वायुसेना के एक पायलेट ने बम गिराए थे। पर यह घटना 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में भारत-पाक युद्ध के दौरान हुई थी। यह दावा करना गलत है कि यह घटना 5 मार्च, 1966 को मिजोरम में हुई थी।' उन्होंने आगे कहा, 'उनकी भारतीय वायुसेना में तैनाती केवल 29 अक्टूबर, 1966 को हुई थी।'

एक अराजनीतिक संस्थान तथा 'बावर्दी' बिरादरी के लोगों को राजनीतिक निर्णयों के विवादों में घसीटने का एक और खतरनाक परिणाम हो सकता है। भारत की लगभग सभी राजनीतिक पार्टियों की कतारों में सेवानिवृत्त सैनिक व सैन्य अधिकारी पाए जाते हैं। आमतौर से यह गर्व का विषय माना जाता है और देश के सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों में सेवानिवृत्त सैनिकों की उपस्थिति गंभीर चिंतन-मनन के लिए आवश्यक भी है। इससे सुरक्षा परिदृश्य के बारे में राजनीतिक दलों का दृष्टिकोण बनाने व उसे स्पष्ट करने में सहायता भी मिलती है। लेकिन किसी पूर्व सैनिक कार्रवाई में शामिल होने वाले सैनिक के अंतर्निहित 'इरादों' पर सवाल उठाना भारतीय सेना जैसे अराजनीतिक संस्थान के लिए भयानक नकारात्मक परिणामों वाला हो सकता है। इसी प्रकार वर्तमान समय में सत्तारूढ़ तथा तत्कालीन विरोधी पार्टी द्वारा अवस्थापना पर सवाल उठाना भी विवादों का विषय बन सकता है। ऐसे में बाद में होने वाली सैनिक कार्रवाइयों पर भी सवाल उठाए जा सकते हैं। हालांकि, 1984 में आपरेशन ब्लू स्टार, आदि पर सवाल उठ सकते हैं, लेकिन उन सैनिकों के व्यक्तिगत 'इरादों' पर सवाल उठाना किसी प्रकार उचित नहीं है जो केवल अपने अधिकारियों से आदेश प्राप्त करते थे। हालांकि, इस संबंध में दिए गए बयान को भी सही नहीं कहा जा सकता है। यह अत्यन्त दु:खद है कि 'बावर्दी' सैनिकों व सैनिक अधिकारियों द्वारा अपने दायित्व निर्वहन में किए गए कामों को राजनीतिक रंग से देखा जाए।

विडंबना है कि कुछ अत्यधिक उल्लेखनीय सेवानिवृत्त सैनिक अधिकारी कथित समन्वयक का प्रतिनिधित्व करने वाली राजनीतिक पार्टी में आ गए हैं। वे सेवानिवृत्ति के बाद पहले की किसी सैनिक कार्रवाई में अपने कामों और व्यवहार तथा सहभागिता को उचित ठहरा रहे हैं, भले ही वह आंतरिक विद्रोह या अलगाववाद की घअना रही हो या युद्ध। लेकिन इसे उनके व्यक्तिगत 'इरादों' से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। यह अत्यन्त दु:ख की बात है कि सशस्त्र बलों व राजनीति के बीच की कठोर लाइनों को धुंधला किया जा रहा है। राबर्ट फ्रास्ट ने जोर दिया था कि 'अच्छे पड़ोसी होने के लिए अच्छी बाड़ें होना जरूरी है'। यह बात संवेदनशील सिविल-सेना संबंधों पर भी लागू होती है।

नियंत्रण रेखा-एलओसी के पार उनके सशस्त्र बलों के व्यक्तिगत 'इरादे' हो सकते हैं और इसी कारण उसे भारत के उलट 'राज्य के भीतर राज्य' कहा जाता है। इसी कारण एक राष्ट्र के रूप में वह देश बदहाली का सामना कर रहा है। यदि राजनीति में सच बोलना विरले ही होता हो तो भी कम से कम 'वर्दी' को ऐसे विमर्श से दूर रखा जाना चाहिए।

अपनी सामर्थ्य को पहचानें महिलाएं

हमें अपनी बेटियों और बहनों को यह सिखाने की जरूरत है कि एक महिला की ताकत और महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं है।

साक्षी सेठी
(लेखिका, एक शिक्षिका हैं)

हमारी दुनिया एक बेहतर जगह है जहां सभी लोगों को उनके लिंग की परवाह किए बिना उनकी प्रतिभा, कौशल और क्षमताओं के लिए स्वीकार किया जाता है। सदियों से, महिलाएं कांच की छत का शिकार रही हैं। ग्लास सीलिंग एक रूपक है जिसका उपयोग महिलाओं को सिस्टम से ऊपर उठने से रोकने के लिए दी गई अदृश्य बाधाओं को दर्शाने के लिए किया जाता है। यह बाधा लिंग भूमिकाओं, उम्र, रंग, मजदूरी और कई अन्य चीजों की पूर्व-धारणा के कारण मौजूद है। सफलता का रोडमैप महिलाओं के लिए भी मौजूद नहीं है। एक शोध में यह पाया गया कि कार्यकारी पदों पर महिलाओं का अनुपात बड़े पैमाने पर असमान है, खासकर एशिया और प्रशांत क्षेत्र में। साथ ही विकसित देशों में भी हालात ज्यादा निराशाजनक नहीं हैं।

यथास्थिति हमेशा लड़कों का क्लब रही है और महिलाओं को कभी भी नेतृत्व की भूमिका निभाने पर विचार नहीं किया गया है।

सुधा मूर्ति के शब्दों में, 'आज की महिलाएं उद्यमियों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।' वह उल्लेखनीय उद्यमों के निर्माण में लगने वाले समर्पण, त्याग और शक्ति के महत्व को समझाती हैं। सफलता का मतलब केवल मील के पत्थर हासिल करना नहीं है, बल्कि उन बाधाओं को तोड़ना है जो दूसरों के लिए मार्ग प्रशस्त करती हैं। प्रेरक संख्याओं के साथ, आज की महिलाएं दूसरों को प्रेरित और मार्गदर्शन कर रही हैं, विशेष रूप से भावी पीढ़ियों के दिलों को प्रज्वलित कर रही हैं।

प्रेरणादायक भारतीय महिलाएं जैसे इंद्रा नूई (पेप्सिको की पूर्व सीईओ); किरण मजूमदार शॉ (बायोकॉन की संस्थापक और सीईओ); स्मृति ईरानी

(भारत में महिला एवं बाल विकास मंत्री); अक्षता मूर्ति (कैटामरैन वेंचर्स की निदेशक) और कई अन्य लोग दिखाते हैं कि दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के साथ, महिलाएं सभी बाधाओं को पार कर सकती हैं और अपने लक्ष्य हासिल कर सकती हैं। उनमें से प्रत्येक एक अग्रणी रहा है और अपने काम में पूरी तरह से पहचाना गया है। इतना ही नहीं बल्कि निर्मला सीतारमण के भारत की पहली पूर्णकालिक वित्त मंत्री बनने से लेकर पीवी सिंधु के बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप जीतने तक, महिलाओं ने हमेशा खुद को अपने पुरुष समकक्षों के बराबर साबित किया है। इसके अलावा, 1963 में राज्य के अस्तित्व में आने के बाद से हेकानी जखालू और सल्हौतुओनुओ क्रूस जैसी हस्तियां 60 सदस्यीय नागालैंड विधानसभा के लिए चुनी जाने वाली पहली महिला भी बनीं।

कॉर्पोरेट जगत में, 'ग्लास सीलिंग' शब्द आज भी उतना ही प्रचलन में है जितना वर्षों पहले था। जैसा कि पहले कहा गया है, कार्यस्थलों में अभी भी कांच की छतें पाई जाती हैं, न केवल वेतनमान के भेदभाव में, बल्कि यौन उत्पीड़न, कार्यस्थल पर शोषण और विपरीत लिंग के आचरण के कारण महिलाओं में असुरक्षा की भावना भी देखी जाती है। सदियों से, जब से एक महिला जन्म लेती है, उन्हें एक दायित्व माना जाता है और इस रूढ़िवादी सोच को तोड़ने के लिए, आज के पुरुषों को इस संबंध में शिक्षित करना समय की मांग बन गई है, जिससे उन्हें समान अवसर और प्रोत्साहन मिल सके। लैंगिक समानता में बाधा.

याद रखें, किसी को कभी भी खुद पर संदेह नहीं करना चाहिए, ऐसे बहुत से लोग हैं जो ऐसा करेंगे। हर महान महिला के पीछे एक और महिला होगी जो उसके कान में फुसफुसा कर कहेगी, 'तुम्हारे पास यह है।' हमेशा ऐसे लोग होते हैं जो इस बात पर विश्वास नहीं करते कि एक महिला अपने पैरों पर खड़ी हो सकती है और अपना खुद का कुछ बना सकती है लेकिन तथ्य यह है कि वह ऐसा कर सकती है और वह ऐसा कर रही है।

हमें अपनी बेटियों और बहनों को यह सिखाने की जरूरत है कि एक महिला की ताकत और महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं है। उन्हें कांच की चप्पलों में फिट होने के बारे में कम और कांच की छत के टूटने के बारे में अधिक चिंता करना सिखाया जाना चाहिए, जिससे एक-दूसरे का उत्थान हो सके और साथ ही स्त्रीत्व को गले लगाया जा सके, क्योंकि इसमें सुंदरता है।

प्रत्येक क्रांति को एक साउंडट्रैक की आवश्यकता होती है।

आप की बात

विधानसभा चुनाव

चुनाव की तारीखें घोषित करने से पूर्व ही भाजपा ने मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ की 60 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुनावी युद्ध का आगाज कर दिया है। बीजेपी की तत्परता दिखाती है कि वह समय का उपयोग करते हुए शतरंज की बिसात के सभी मोहरे बैठा लेना चाहती है। पिछली बार हारी गई सीटों पर उसने सबसे पहले उम्मीदवार घोषित किए हैं ताकि वहां किसी भीतरधात व हलचल से निपटा जा सके। आगामी विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनाव में फिलहाल बीजेपी का पलड़ा भारी है। इसलिए उसे सबसे अधिक सतर्कता बरतनी होगी। राजनीतिक दलों ने चुनाव वाले राज्यों आचार संहिता लगने से पूर्व ही रेवड़िया बांटना शुरू कर दिया है। इसके बाद आचार संहिता उनके वितरण में किसी प्रकार से बाधा नहीं दे सकेगी। अब देखना होगा कि मतदाता क्षणिक मीठी रेवड़ियों के स्वाद में उलझता है या दीर्घावधि के लिए अपने परिवार के जीवन की सुरक्षा व सुविधाओं पर गौर करता है। भाजपा पर निश्चित रूप से येन-केन-प्रकारेण सत्ता में पहुंच कर माल खाने वाले परिवारवादी व भ्रष्टाचार में डूबे दलों का दबाव है। देखना होगा कि वह जनता को समझाने के क्या प्रयास करती है और उसे इन प्रयासों में कहां तक सफलता मिलती है।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

मोदी का आत्मविश्वास

मोदी ने लाल किले पर फिर तिरंगा फहराने की बात कही। इसपर खडगे कहते हैं ये उनका अहंकार है। वे 2024 में लाल किले पर नहीं बल्कि अपने घर पर तिरंगा फहराएंगे। खड़गे जी ये मोदी जी का अहंकार नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों से प्राप्त आर्शीवाद से मन में पनपा आत्मविश्वास है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा व आरएसएस की आइडियोलॉजी महिलाओं को पढ़ने नहीं देना और सिर्फ उनसे काम ही करवाना है। भारत में किसी भी सरकार ने नारियों के न पढ़ने की बात ही नहीं की बल्कि उनके उत्थान के लिए ही काम किए तभी तो आजकल नारी शक्तिकरण की गूँज पूरे देश में हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में जमीनी स्तर पर समाज की सबसे कमजोर महिलाओं के सशक्तकरण की कई योजनायें घोषित की हैं। इनमें 15,000 महिला समूहों को ड्रोन पायलेट बनाने की योजना भी शामिल है। मोदी सरकार ने ग्रामीण स्तरों पर महिला समूहों को विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के अभूतपूर्व व असाधारण प्रयास किए हैं। सभी सर्वेक्षण बताते हैं कि महिलाओं की बड़ी संख्या मोदी को वोट देती है। इससे भी उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

महिला उत्पीड़न

आजादी के दशकों बाद भी महिलाओं के साथ निरंतर बढ़ रहे घरेलू हिंसा के मामले चिंताजनक हैं। हिंदुस्तान में जहाँ एक तरफ स्त्री को देवी का दर्जा दिया जाता है, वहीं समाज में दोहरा चरित्र अपनाये कुछ लोग घरों के भीतर महिलाओं के साथ अमानवीयता की सारी हदें तोड़ देते हैं। कभी-कभी तो इनके साथ ऐसी निर्लज्ज बर्बरता की जाती है जिसे एक सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता है। किसी महिला को दहेज के नाम पर प्रताड़ित करना, मारपीट करना, चरित्र पर दोषारोपण करना, दुर्व्यवहार करना, बार-बार अपमानित करना व उसकी पारिवारिक प्रतिष्ठा को आहत करना जैसे अनेक मामले घरेलू हिंसा की श्रेणी में आते हैं। ऐसे अत्याचारों को अधिकांश महिलाएं छुपा लेती हैं। किंतु कुछ इस असहनीय पीड़ा से आहत होकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेती हैं। लंबे समय तक घरेलू हिंसा की शिकार होने वाली महिलाएं अवसाद ग्रस्त तथा अनेक मानसिक बीमारियों की शिकार हो जाती हैं। भारत में ऐसे अपराधो के विरुद्ध महिलाओं को कानून का संरक्षण प्रदान किया गया है। उनको कानून की मदद लेनी चाहिए।

–**शिवेन्द्र यादव,** कुशीनगर

भ्रष्टाचार से संघर्ष

पहले के मुकाबले अब भ्रष्टाचारियों को पकड़ने की गति में तेजी आई है! और उच्चाधिकारियों को भी पहली बार सजा मिलते हुए देखा है। फिर भी देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के अनुपात में यह कुछ भी नहीं है। पूरे देश की जनता देख रही है कि 5000 रुपये रिश्वत लेने वाला पटवारी शीघ सजा पा जाता है, वहीं उच्चाधिकारियों के मामले लंबे समय तक चलते हैं। नेताओं को तो सजा पाने के बाद भी मुछ पर ताव लगाते हुए थोड़े ही दिनों में बाहर आते हुए देखा है। जब कानून में सभी समान है तो कोर्ट बड़े मगरमच्छ और छोटी मछलियों के बीच स्पष्ट भेदभाव क्यों करती है? सभी राज्यों से लेकर केंद्र तक में लोकायुक्त पुलिस है। मगर शायद अब सबसे अधिक भ्रष्टाचार भी इसी विभाग में होने लगा है। कहा जाता है कि इस विभाग को उच्चाधिकारियों तक की जांच के अधिकार प्राप्त होने से इन्हें मोटी रिश्वत मिलती है। भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष को ऊपर से नीचे की ओर लाना होगा क्योंकि जब तक गंगोत्री साफ नहीं होगी तब तक गंगा का स्वच्छ होना संभव नहीं है। तकनीक ने भ्रष्टाचार-निवारण में काफी सहायता की है।

–**विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

नगर निगमों में पशुओं की अंत्येष्टि के लिए बनेंगे इलेक्ट्रिक शवदाह गृह

● सभी जनपदों में दुग्ध समितियों के गठन को मिलेगा विस्तार,1.85 लाख से अधिक गोवंश आमजन को सुपुर्द

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में निराश्रित गो आश्रय स्थलों के प्रबन्धन और प्रदेश में दुग्ध उत्पादन, संग्रह की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये कि किसी भी दशा में मृत पशुओं को नदियों में प्रवाहित न किया जाए। इसके लिए लोगों को व्यवस्था देनी होगी। सभी नगर निगमों में पशुओं, जानवरों की अंत्येष्टि के लिए इलेक्ट्रिक शवदाह गृह का निर्माण कराया जाए। साथ ही चरणबद्ध रूप से इसे अन्य नगरीय निकायों में भी स्थापित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पशु संवर्धन व संरक्षण के लिए सेवाभाव के साथ सतत् प्रयासरत है। गोवंश पालकों सहित सभी पशुपालकों के प्रोत्साहन के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। पात्र लोगों को इसका लाभ मिलना सुनिश्चित कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि निराश्रित गोवंश संरक्षण की दिशा में सतत् प्रयासों के संतोषप्रद परिणाम मिल रहे हैं। वर्तमान में 6889 निराश्रित गो आश्रय स्थलों में 11.89 लाख गोवंश संरक्षित हैं। छोटे-छोटे निराश्रित गोवंश स्थलों के स्थान पर बड़े गोवंश स्थल उपयोगी हो सकते हैं। हमें नस्ल सुधार व गोबरधन प्लाण्ट जैसे कार्यक्रमों को बढ़ाने की जरूरत है। विकास खण्ड तथा जनपद स्तर पर स्थापित वृहद गो आश्रय स्थल इस कार्य के लिए उपयोगी हो सकते हैं। इन्हें नियोजित रूप से प्रोत्साहित करें। हर विकास खण्ड व जनपद स्तर पर 4000-5000 गोवंश क्षमता के वृहद गो आश्रय स्थल के लिए स्थान चिन्हित किया जाए। प्रत्येक निराश्रित गो आश्रय स्थलों पर केयर टेकर की तैनाती जरूर हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निराश्रित गोवंश संरक्षण का कार्य समाज के सहयोग के बिना कभी पूर्ण नहीं हो सकता है। निराश्रित गोवंश के संरक्षण में आम जन को सहयोग के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए। गाय हमारी संस्कृति में पूजनीय है। बड़ी संख्या में लोग स्थानाभाव के कारण गो.सेवा नहीं कर पाते हैं। ऐसे परिवारों से एक निश्चित आर्थिक सहयोग लेकर उनके द्वारा चिन्हित गोवंश की निराश्रित गो आश्रय स्थल पर सेवा की जानी चाहिए। यदि गाय दूध दे रही है तो उसका उपयोग भी सम्बन्धित परिवार को करने की अनुमति दी जाए। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित विभाग द्वारा स्पष्ट नीति तैयार की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निराश्रित गो आश्रय स्थलों में आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शेड का निर्माण कराया जाए। गो आश्रय स्थल में नन्दी के लिए पृथक व्यवस्था होनी चाहिए। गोवंश का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी होना चाहिए। निराश्रित गो आश्रय स्थलों में गोवंश के भरण.पोषण की अच्छी व्यवस्था रहे। इसके लिये मॉनीटरिंग की आवश्यकता है। भूसा, हरा चारा, चोकर आदि की व्यवस्था समय से कर ली जानी चाहिए। सरकार की ओर से गो आश्रय स्थलों को पर्याप्त धनराशि दी जा रही है। इस धनराशि का समुचित उपयोग हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि निराश्रित गो आश्रय स्थलों में व्यवस्था के निरीक्षण के लिए हर जनपद में नोडल अधिकारी तैनात किया जाए। ब्लॉक स्तर पर पशु चिकित्साधिकारी की जिम्मेदारी हो। जनपद स्तर पर व्यवस्था की साप्ताहिक समीक्षा करते हुए शासन को मासिक रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। विधिवत सत्यापन के साथ ही निराश्रित गो आश्रय स्थलों के लिए धनराशि आवंटित कर दी जाए। पशुपालन, ग्राम्य विकास, पंचायती राज व नगर विकास विभाग अंतर्विभागीय समन्वय के साथ गो.आश्रय स्थलों में अच्छी तथा सुदृढ़ व्यवस्था के लिए कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान के अच्छे परिणाम मिले हैं। अब तक 29 जिलों में 2536 हेक्टेयर भूमि कब्जा मुक्त कराई गई है। राजस्व विभाग के साथ समन्वय बनाते हुए पशुपालन विभाग द्वारा यहां नेपियर घास, सहजन, सुबबूल आदि की बुआई कराई जाए। इस भूमि की जियो टैगिंग भी कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवंश संरक्षण के लिए संचालित मुख्यमंत्री निराश्रित, बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना के आशातीत परिणाम मिले हैं। अब तक 01 लाख 85 हजार से अधिक गोवंश इस योजना के तहत आमजन को सुपुर्द किए गए हैं। गोवंश की सेवा कर रहे सभी परिवारों को 900 रुपये प्रतिमाह की राशि हर महीने उपलब्ध करा दी जाए। इसमें कतई विलम्ब न हो। डीबीटी के माध्यम से धनराशि सीधे परिवार को भेजी जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सहकारी दुग्ध समितियों से जुड़े दुग्ध उत्पादकों के दुग्ध का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करते हुए आम जनमानस को गुणवत्तायुक्त दूध और दूध उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। सतत् समन्वित प्रयासों से प्रदेश में दुग्ध समितियों ने दुग्ध उत्पादनए संग्रह, विक्रय आदि में अभूतपूर्व कार्य किया है। इससे हमारे पशुपालकों की आय में बढ़ोत्तरी हुई है। बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर जैसी संस्थाओं ने अनुकरणीय कार्य किया है। सभी जनपदों में दुग्ध समितियों के गठन को और विस्तार दिया जाए। इसमें महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य है। गांवों में दुग्ध सहकारी समितियां गठित कर दुग्ध उत्पादकों को गांव में ही उनके दूध के उचित मूल्य पर विक्रय की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु नन्द बाबा दुग्ध मिशन योजना संचालित की गयी है। इसके अच्छे परिणाम मिले हैं। अधिकाधिक दुग्ध उत्पादकों को इसका लाभ दिलाया जाए। पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, विक्रय, नस्ल सुधार आदि सम्बन्धित विषयों की सम्बन्धित विभागीय मंत्री द्वारा साप्ताहिक समीक्षा की जाए। लक्ष्य निर्धारित करें तथा उसके सापेक्ष प्रयास करें।

मुख्यमंत्री योगी ने नाग पंचमी पर प्रदेशवासियों को दीं शुभकामनाएं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाग पंचमी के पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। भारतीय संस्कृति में जीव जन्तु, वृक्ष वनस्पति सभी के साथ आत्मीय सम्बन्ध जोड़ने की समृद्ध एवं प्राचीन परम्परा है। नाग पंचमी का पर्व प्रकृति के साथ हमारे इस जुड़ाव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाग पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से चला आ रहा है। हमारे धर्मशास्त्रों में नाग जागृत कुण्डलिनी शक्ति का प्रतीक है। सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु शेषनाग पर ही शयन करते हैं। शेषनाग छत्र बनकर उन्हें छाया प्रदान करते हैं। ज्ञान और मोक्ष के प्रदाता भगवान शिव के आभूषण ही सर्प एवं नाग हैं। सावन में भगवान शिव के पूजन का विशेष महत्व है। श्रावण मास में नाग पंचमी भगवान शिव संग नागों की पूजा के लिए प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शक्ति के प्रतीक नाग पंचमी के पर्व पर हमारे समाज में पारम्परिक रूप से कुश्ती आदि खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें जनता उत्साह के साथ प्रतिभाग करती है।

स्वयं सहायता समूहों के पन्द्रह लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को मिले 1001 करोड़ रुपए

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की स्वीकृति से प्रदेश के 1.4 लाख स्वयं सहायता समूहों के 15 लाख से अधिक परिवारों को 1001.32 करोड़ रुपये की धनराशि निर्गत की गयी है। यह धनराशि अंतर्गत रिवॉल्विंग फण्ड के रूप में 57150 स्वयं सहायता समूहों को 85.73 करोड़ रुपये तथा 83236 स्वयं सहायता समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के रूप 915.6 करोड़ की धनराशि निर्गत किया गया। दीन दयाल अन्त्योदय योजना., राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के लक्ष्यों के दृष्टिगत राष्ट्रवाद, सुशासन और समग्र विकास से अन्त्योदय के लक्ष्यों की पूर्ति की दिशा में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कुशल मार्ग दर्शन में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन प्रदेश के समस्त 75 जनपदों के 826 विकास खंडो में इंटेंसिव रूप 1ण्08 करोड़ अधिक ग्रामीण परिवारों को 8ण्23 लाख स्वयं सहायता समूहों 55ए763 ग्राम संगठन एवं 2889 संकुल स्तरीय संघ के माध्यम से विकास कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता, स्वरोजगार, उद्यमशीलता एवं कौशल विकास द्वारा आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत अभी तक 594456 समूहों को रिवॉल्विंग फण्ड के रूप में 891.68 करोड़ रूपए एवं 410610 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के रूप में 4516.71 करोड़ रूपए तथा 375790 समूहों को बैंक क्रेडिट लिंकेज के माध्यम से 3339.56 करोड़ रुपये का ऋण रोजगार सृजन हेतु निर्गत किया गया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में आज़ादी के अमृत महोत्सव के दौरान डिजिटल क्रांति के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को मूर्त रूप प्रदान करने की दिशा में आजीविका गतिबिधियो के सुचारू ढंग से संचालन हेतु वृहद् जागरूकता अभियान संचालित किया गया।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक सी इंदुमती के अनुसार ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार सितम्बर 2023 तक प्रदेश में 1.18 करोड़ परिवारों को समूह से आच्छादित करने की प्रक्रिया तीव्र गति से अग्रसर है। मिशन स्तर से रणनीति बनाकर समूह से आच्छादित सभी परिवारों को रिवॉल्विंग फण्ड एवं सामुदायिक निवेश निधि से प्रदान कर कृषि एवं गैर कृषि क्षेत्रो में आजीविका संबर्धन करते हुए आत्म निर्भर बनाने की कार्यवाही की जा रही है उप मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन एवं निरंतर दिशा निर्देश में आजीविका मिशन प्रधानमंत्री जी के विजन अनुसार मिशन समूहों की दीदियो के सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक उन्नयन व स्वावलंबन की दिशा में लगातार अग्रसर है ।

देश इस समय संक्रमण के दौर से गुजर रहा है: नंदा

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर रविवार को मिश्रिख संसदीय क्षेत्र की समीक्षा बैठक पार्टी के प्रदेश मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में हुई। जिसमें सीतापुर, हरदोई तथा कानपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्षों, विधानसभा अध्यक्षों, जोनल प्रभारियों तथा पूर्व प्रत्याशियों ने भी भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने की। पूर्व मंत्री आरके चौधरी भी समीक्षा बैठक में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विकास यादव ने किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश इस समय संक्रमण के दौर से गुजर रहा है।

देश में एकाधिकार वादी विचारधारा वाली प्रवृत्तियां बढ़ रही है और संसद की भी स्वायत्ता पर संकट है। ऐसे में लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बेदखल करना बेहद जरूरी है। इसके लिए हर बूथ स्तर पर सभी फ्रंटल संगठनों और महिलाओं की तैनाती होनी चाहिए। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने और मतदाताओं के साथ सम्पर्क पर विशेष जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को सभी 80 सीटों पर हराना है। छत्रपाल सिंह यादव जिलाध्यक्ष सीतापुर, मुनीन्द्र शुक्ला जिलाध्यक्ष कानपुर ग्रामीण, वीरेन्द्र सिंह जिलाध्यक्ष हरदोई, निर्भय सिंह पूर्व जिलाध्यक्ष हरदोई, पूनम सरोज जिलाध्यक्ष महिला सभा हरदोई के अलावा पूर्व प्रत्याशी रचना सिंह बिल्हौर, रामबली बालामऊ हरदोई, रामपाल राजवंशी सीतापुर एवं अनिल वर्मा विधायक भी मौजूद रहे। बैठक में जोनल प्रभारी तथा विधानसभा अध्यक्ष भी मौजूद रहे। बैठक में सभी के विचार सुने गए। उनके सुझावों पर विचार का आश्वासन दिया गया।

उपचुनाव प्रचार के दौरान भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान पर स्याही फेंकी गई

मऊ, लखनऊ। घोसी विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए प्रचार करने आए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार दारा सिंह चौहान पर रविवार को स्याही फेंकी गई। अपर पुलिस अधीक्षक महेश सिंह अत्री ने बताया कि चौहान कोपागंज ब्लाक में स्थित एक कॉलेज में जन चौपाल समाप्त होने के बाद दूसरे कार्यक्रम में जा रहे थे। उन्होंने बताया कि चौहान अदरी चट्टी पर पहुंचे और वहां मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं को देखकर अपनी कार से बाहर निकले, उसी दौरान मोनू यादव नामक युवक ने उनके ऊपर काली स्याही फेंक दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अत्री ने बताया कि एकाएक हुई इस घटना से अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। इसी बीच, स्याही फेंकने वाला मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है। घटना के बाद चौहान बिना प्रचार किए ही वापस लौट गए। भाजपा प्रत्याशी चौहान ने इस घटना को अपने खिलाफ विपक्ष की साजिश बताया है। उन्होंने दावा किया कि उपचुनाव में उन्हें मिल रहे व्यापक जनसमर्थन से घबराकर विपक्ष ने ऐसा किया है। दारा सिंह चौहान 2022 में घोसी सीट से ही समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर चुने गए थे मगर पिछले महीने वह विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए। घोसी सीट चौहान के त्यागपत्र की वजह से रिक्त हुई है। इस सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान पांच सितंबर को होगा और वोटों की गिनती आठ सितंबर को की जाएगी।

सपा मुखिया अखिलेश से मिले सुपरस्टार रजनीकांत

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से साउथ की फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकान्त ने रविवार को उनके आवास पर भेंट की। रजनीकान्त ने अखिलेश यादव को गले लगाया। सांसद डिम्पल यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे। रजनीकान्त ने स्व. मुलायम सिंह यादव की याद करते हुए उनके चित्र पर श्रद्धासुमन भेंट किए। उन्होंने कहा कि नेताजी मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। रजनीकान्त ने कहा कि मैं अपने दोस्त से मिलने आया हूं। अखिलेश यादव से मेरी 9 साल पहले मुम्बई में एक कार्यक्रम में मुलाकात हुई थी। उसी दिन से हम दोस्त है। फोन पर दोनों लोगों की बात होती है। उन्होंने कहा कि वे पांच साल पहले एक शूटिंग के लिए लखनऊ आये थे पर तब अखिलेश से मुलाकात नहीं हो पाई थी। अखिलेश यादव से मुलाकात हुई। रजनीकान्त से मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि जब दिल मिलते हैं तो लोग गले मिलते हैं। मैसूर में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान पर्दे पर रजनीकान्त को देखकर जितनी खुशी होती थी, वो आज भी बरकरार है। 9 साल पहले हम जब व्यक्तिगत रूप से मिले थे तबसे हमारी दोस्ती है। रजनीकान्त ने उप्र में अखिलेश यादव के मुख्यमंत्रित्वकाल में हुए विकासकार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आगरा.लखनऊ एक्सप्रेस.वे विशेषकर बहुत ही शानदार है। रजनीकान्त ने अखिलेश यादव को तमिलनाडु आने का आमंत्रण दिया। 74 वर्षीय रजनीकान्त मूलत: महाराष्ट्र के हैं। उनके दादा पिता कर्नाटक में जाकर बसे। रजनीकान्त ने बाद में तमिल भाषा सीखी और आज वे साउथ की फिल्मों के सुपर स्टार हैं। हिन्दी सिनेमा प्रेमियों में भी उनकी बहुत लोकप्रियता है। लखनऊ में इन दिनों उनकी फिल्म जेलर प्रदर्शित हो रही है।

रजनीकांत ने अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर मे पूजा-अर्चना की

अयोध्या, लखनऊ। जाने-माने अभिनेता रजनीकांत ने रविवार को अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा-अर्चना की। हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत राजू दास ने बताया कि फिल्म अभिनेता ने मंदिर में लगभग 10 मिनट बिताए। राजू दास ने कहा कि मैं रजनीकांत को धन्यवाद देता हूं कि अब तक लोग अयोध्या आने से घबराते थे लेकिन आज देश के अलग-अलग हिस्सों से, अलग-अलग पेशे से और बॉलीवुड से लोग अयोध्या और उप्र की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

सपा सैनिक प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के अनुमोदन से समाजवादी सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल शरद सरन ने प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर दी है। कर्नल शरद सरन ने प्रदेश कार्यकारिणी में एक प्रदेश उपाध्यक्ष एक प्रदेश महासचिव और एक कोषाध्यक्ष,14 प्रदेश सचिव, 28 प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और एक विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया है। प्रदेश कार्यकारिणी में कानपुर के राजेन्द्र कुमार को उपाध्यक्ष, गोरखपुर के प्रदीप कुमार को महासचिव और अम्बेडकरनगर के छोटे लाल को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

कार्यों में शिथिलता बरते वाले अधिकारियों पर होगी कार्रवाई:डॉ. संजय निषाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मत्स्य मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने निर्देश दिए कि निदेशालय शासन से निर्गत पत्रों पर समयबद्ध रूप से कार्यवाही सभी अधिकारी सुनिश्चित करें इसमें शिथिलता बरती जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। मछुआ दुर्घटना बीमा योजनान्तर्गत पात्र व्यक्तियों का बीमा कराये जाने हेतु कैम्पों का आयोजन किया जाये। निदेशालय स्तर से मत्स्य पालकों को तात्कालिक जानकारी, सुविधा के दृष्टिगत हेल्पलाईन नम्बर जारी किया जाये। मंत्री डॉ. संजय निषाद ने यह निर्देश रविवार को मत्स्य विभाग की संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा मत्स्य निदेशालय के वीडियो कान्फ्रेंसिंग के दौरान दिए। समीक्षा बैठक में एनएस रहमानी संयुक्त निदेशक मत्स्य, पुनीत कुमार उप निदेशक मत्स्य, अंजना वर्मा उप निदेशक मत्स्य, डॉ. हरेन्द्र प्रसाद, उप निदेशक मत्स्य, लखनऊ एजाज अहमद नकवी, मुख्य महाप्रबन्धक, मत्स्य विकास निगम लि., लखनऊ उपस्थित रहे। मंत्री संजय कुमार निषद द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिये गये कि योजनान्तर्गत एसएनए खाते में अवमुक्त धनराशि का शतप्रतिशत व्यय अविलम्ब सुनिश्चित किया जाए एवं जो चयनित लाभार्थी परियोजना का कार्य नहीं करा रहे है, उन्हें डीएलसी के माध्यम से तत्काल बैक आउट कराते हुए अन्य लाभार्थियों से नियमानुसार कार्य कराया जाय। योजनान्तर्गत कम व्यय करने वाले जनपद कौशाम्बी, वाराणसी, बागपत, रामपुर, सिद्धार्थनगर, लखनऊ, मथुरा, औरैया, महोबा, देवरिया, महराजगंज, अयोध्या, अमेठी के अधिकारियों को तत्काल परियोजनाओं को पूर्ण कराते हुए शत प्रतिशत व्यय किये जाने के कड़े निर्देश दिये गये। बैठक में मत्स्य उत्पादन के त्रुटिपूर्ण आंकड़े अंकित करने वाले जनपदों को भी फिरोजाबाद, बरेली, श्रावस्ती, फर्रूखाबाद, गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, वाराणसी, मैनपुरी, कासगंज, लखीमपुरखीरी, प्रयागराज के मण्डलीय एवं जनपदीय अधिकारियों को मत्स्य उत्पादन के आंकड़े परीक्षण कर सही-सही रिर्पोट करने के निर्देश दिये गये तथा समस्त अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि मत्स्य उत्पादन के स्रोतवार आंकड़ों को एकत्रित करते हुए पंजिकाबद्ध किया जाए एवं त्रैमासिक आधार पर सभी मण्डलीय अधिकारियों द्वारा एवं प्रदेश स्तर से इसका रिव्यु किया जाए।

प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना एवं मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत अनुदानित लाभार्थियों के प्रोजेक्ट के दो डिस्पले बोर्ड बनाए जाए एक परियोजना स्थल पर तथा दूसरा परियोजना स्थल पर जाने वाले मुख्य मार्ग पर लगाया जाएए जिसमें योजना के विस्तृत विवरण सहित दिये गये अनुदान का स्पष्ट उल्लेख हो। निषादराज बोट योजनान्तर्गत अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त करने एवं प्रयागराज, वाराणसी, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर में लाभार्थियों को कार्यक्रम के माध्यम से इस नवीन योजना का शुभारम्भ कराये जाने के निर्देश दिये गये। रिवर रैंचिंग कार्यक्रम अन्तर्गत प्रदेश के रिवर रैंचिंग हेतु लक्षित सभी जनपदों में विश्व मात्सियकी दिवस 21 नवम्बर के अवसर पर मत्स्य अंगुलिका का नदियों में रैंचिंग कार्यक्रम सम्पादित किये जाए। रैंचिंग के समय मत्स्य अंगुलिका के पैकेट जिसमें मत्स्य अंगुलिकाओं की संख्या का स्पष्ट उल्लेख हो सहित रैंचिंग स्थल पर लाते हुए कार्यक्रम निर्धारित दिशा निर्देशों के अनुरूप कराया जाए। मत्स्य बीज वितरण हेतु निगम की हैचरियों से निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष 50 प्रतिशत से कम उपलब्धि वाले मण्डल मुरादाबाद, मेरठ, गोरखपुर, आजमगढ़, अलीगढ़, सहारनपुर, आगरा, चित्रकूट के मण्डलीय अधिकारियों को एक सप्ताह के अन्दर इसमें सुधार लाने के निर्देश दिये गये। अनिस्तारित विभागीय प्रबन्धान्तर्गत जलाशयो के निस्तारण हेतु मण्डलीय अधिकारी ससमय मूल्यांकन की कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुए उन्हें निस्तारित करायें।

वित्तीय संस्थाओं की स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में यूपी फिर रहा टॉप पर

● रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अगस्त 2023 बुलेटिन के अनुसार 2022-23 में 16.2 प्रतिशत रहा यूपी का कुल शेयर

लखनऊ। विधानसभा के मॉनसून सत्र में नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने वन ट्रिलियन इकॉनमी के संकल्प का मजाक उड़ाते हुए सरकार से इसके रोडमैप पर सवाल किया था। तब सीएम योगी ने खड़े होकर विपक्ष के एक-एक सवाल का चुन चुनकर जवाब दिया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का अगस्त 2023 का बुलेटिन न सिर्फ सीएम योगी के तर्कों की तस्दीक करता है बल्कि आलोचकों को करारा जवाब भी देता है। बुलेटिन में दिए गए आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में जुटे मुख्यमंत्री योगी के सुशासन पर न सिर्फ देश और दुनिया भर के निवेशकों को भरोसा है, बल्कि सभी राष्ट्रीय बैंक और वित्तीय संस्थाओं को भी उनके संकल्प पर पूर्ण विश्वास है और हर गुजरते साल के साथ यह भरोसा और मजबूत होता जा रहा है। आरबीआई के अगस्त 2023 बुलेटिन के अनुसार उत्तर प्रदेश बैंकों व वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में एक बार फिर सभी राज्यों से आगे रहा है। बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में उत्तर प्रदेश 2022-23 में 16.2 प्रतिशत शेयर के साथ लगातार दूसरे वर्ष नंबर वन पर रहा है। 2017 में उत्तर प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद सीएम योगी ने प्रदेश में लॉ एंड ऑर्डर, इफ्रांस्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी के साथ ही उद्योगों की स्थापना के लिए जो इकनॉमिक रिफॉर्म्स का दौर शुरू किया है वो आरबीआई की ताजा रिपोर्ट में साफ परिलक्षित हो रहा है। 2013.14 से 2020-21 की अवधि में हिस्सेदारी का औसत प्रतिशत 4.4 रहा था। इसके बाद विगत दो वित्तीय वर्ष में बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में अभूतपूर्व सुधार हुआ है।

2021-22 में बैंकों व वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत में उप्र की हिस्सेदारी 12ण्8 प्रतिशत रही थी, जो अन्य राज्यों की तुलना में सबसे बेहतर थी और तब भी उत्तर प्रदेश इस मामले में नंबर वन पर था। उसके बाद 2021-22 से 2022-23 के बीच महज एक वर्ष में इस हिस्सेदारी में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। 2013-14 से 2020-21 के बाद इन 2 वर्षों में बैंकों द्वारा परियोजनाओं की लागत में प्रदेश की हिस्सेदारी में 11.8 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। यह सीएम योगी के सुशासन और आर्थिक मामलों के प्रति उनकी दूरदृष्टि को इंगित करता है। बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से एकत्र किए गए परियोजनाओं के वित्त पोषण संबंधी आंकड़ों व एक्सपर्ट्स के कैलकुलेशन पर आधारित इस रिपोर्ट का एनालिसिस करने पर एक और बात स्पष्ट होती है और वो ये कि उत्तर प्रदेश में बैंकों व वित्तीय संस्थाओं द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की कुल लागत हिस्सेदारी में नियमित वृद्धि का ट्रेंड रहा है। 2013-14 से 2020-21 के मध्य औसत 4.4 प्रतिशत के बाद 2021-22 में 12.8 प्रतिशत से होती हुई 2022-23 में यह वृद्धि 16.2 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यानी उप्र में लगातार निवेशकों एवं परियोजनाओं को बैंकिंग सेक्टर का सहयोग प्राप्त होता रहा है। वहीं अन्य राज्यों में यह वृद्धि अनियमित है। किसी राज्य में अचानक एक वर्ष में वृद्धि हुई तो कहीं 2013-14 से 2020-21 के मध्य और 2021-22 व 2022-23 में इसके आंकड़ों में काफी उतार.चढ़ाव आया। कुछ राज्यों में तो वृद्धि की बजाय गिरावट दर्ज की गई है। मसलनए गुजरात में जो हिस्सेदारी 2013.14 से 2020.21 के बीच औसत 14.3 प्रतिशत थी वो 2022-23 में 14 पर है। यानी 0.3 प्रतिशत कम। ओडिशा में 2013-14 से 2020-21 के बीच जो हिस्सेदारी औसतन 4.5 प्रतिशत थी वो 2021-22 में लुढ़कर 2.2 प्रतिशत पर पहुंच गई। 2022.23 में इसमें अचानक वृद्धि हुई और यह 11.8 प्रतिशत पर आ गई। महाराष्ट्र में यह 2013-14 से 2020.21 के बीच औसतन 13 प्रतिशत से 2021-22 में 9.7 और 2022-23 में 7.9 प्रतिशत पर पहुंच गई है तो कर्नाटक में 2013-14 से 2020-21 के बीच औसतन 8.5 प्रतिशत से 2021-22 में 6.9 और 2022-23 में 7.3 प्रतिशत हिस्सेदारी रही है। अन्य राज्यों में हिस्सेदारी का प्रतिशत 2013-14 से 2020-21 के बीच औसतन 9.4 से लुढ़ककर 2021-22 में 4 और 2022-23 में 5.5 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

योगी सरकार ने विगत 6 वर्षों में अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए सुशासन को बेहतर करने, कारोबारी निर्णय में तेजी लानेए कारोबारी सुगमता को बढ़ाने, मौजूदा नियमों का सुचारु क्रियान्वयन करने के जो प्रयास किए हैं उससे प्रदेश में औद्योगिक परियोजनाओं को शुरू करने के लिए एक माहौल बना है। इसी वर्ष फरवरी माह में संपन्न हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्राप्त 36 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव इन्हीं प्रयासों का नतीजा है। बड़ी संख्या में निवेशक अपनी परियोजनाओं को उप्र में स्थापित करने के लिए लालायित हैं। इन उद्यमों की आर्थिक आवश्यकताओं को देखते हुए बैंकों और वित्तीय संस्थाओं का भी उत्साह बढ़ा है और वो तेजी से परियोजनाओं की फंडिंग के लिए स्वीकृति प्रदान कर रहे हैं। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्राप्त इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने के साथ ही यह हिस्सेदारी और भी नए प्रतिमान स्थापित करेगी और सीएम योगी के वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी।

केंद्र सरकार की गिनाईं उपलब्धियां, तारीफों के बांधे पुल

● केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने की प्रेसवार्ता

लखीमपुर.खीरी। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा ने मानसून सत्र 2023 पर प्रेस वार्ता जिला पंचायत सभागार लखीमपुर में आयोजित की। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा के द्वारा पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस मानसून सत्र में राज्यसभा एवं लोकसभा में बहुत से प्रश्नों का उत्तर दिया गया जो ऐसे मुद्दे थे जैसे 370 पर जो सांसदों ने प्रश्न उठा, इसके साथ.साथ इसके कई महत्वपूर्ण बिन्दु थे हमने सोचा था कि विपक्ष से हमे उम्मीद थी कि ऐसे सकारात्मक बिलों में निश्चित रूप से अपनी भागीदारी करेंगे परन्तु दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति रही कि उन्होंने जैसे.जैसे संसद का सत्र बढ़ा विपक्ष लगातार व्यवधान प्रदान करने लगा था। सत्र के दौरान बाधाएं पैदान करने की तथा देश की जनता को गुमराह करने के विपक्ष के गठबंधन के विफल प्रयासों के बाद भी मोदी सरकार ने सेवाए सुशासन और गरीब कल्याण पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत को अमृत काल में ले जाने की दिशा में अपने कदमों को मजबूती से आगे बढ़ाया है। संसद के मानसून सत्र में मणिपुर की स्थिति पर विपक्ष ने लगातार व्यवधान डाला जिसमें नारेबाजीए वेल में आना, वॉकआउट और महत्वपूर्ण कानून पर बहम में भाग न लेना शामिल था राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय को ताक पर देखते हुए, मणिपुर की स्थिति पर राजनीतिक लाभ उठाने के लिए विपक्ष के गठबंधन के प्रयास की देशभर में भर्त्सना की जा रही है। विपक्ष ने विधायी कार्यक्रम को रोककर इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए स्थगन प्रस्ताव के लिए कई नोटिस प्रस्तुत किए। संसद सत्र में अनियंत्रित आचरण, अध्यक्ष के निर्देशों का पालन करने में विफलता आदि के कारण विपक्ष के कई सांसदों के निलंबन किए गए। जिसमें आम आदमी पार्टी के राज्यसभा एवं लोकसभा सांसद, कांग्रेस, एआईटीसी के सांसद भी शामिल है। विपक्ष ने मणिपुर हिंसा मुद्दे पर चर्चा शुरू करने के लिए सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाया था। अविश्वास प्रस्ताव के दौरान मोदी सरकार के विभिन्न नेताओं ने सदन को संबोधित किया जिनमें अमित शाह एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी भाग लिया। प्रधानमंत्री भाषण के दौरान पूरे विपक्ष ने मणिपुर मुद्दे पर उनके बयान सुनने के बजाय वॉकआउट कर दिया। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार कानूनए 1991 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक 2023 संशोधित करता है। यह विधेयक इसलिए भी महत्वपूर्ण भी है क्योंकि यह दिल्ली एनसीटी में भ्रष्टाचार मुक्त शासन सुनिश्चित करेगा। मानसून सत्र 2023, निम्नलिखित कारणों से 2023 के सबसे सफल सत्रों में से एक रहा है इस मानसून सत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने 2 घंटे से ज्यादा एक-एक सवाल का जवाब दिया और मणिपुर के मुद्दे पर भी उन्होंने बहुत ही स्पष्ट रूप से जवाब दिया। इस प्रेस वार्ता में जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विनीत मनार, जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, सांसद प्रतिनिधि अरविन्द सिंह ष्संजयष्ए सांसद प्रतिनिधि जितेन्द्र त्रिपाठी जीत एड., सांसद प्रतिनिधि संजय मिश्रा, सांसद प्रवक्ता अम्बरीष सिंह, राहुल चौरसिया, सुरेन्द्र कश्यप सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

हत्यारोपी को मिली आजीवन कारावास की सजा

संवाददाता। निघासन . खीरी

अपराधियों को उनकी करनी का फल दिलाने हेतु पुलिस महानिदेशक द्वारा चलाए जा रहे आपरेशन कनविक्शन अभियान के अंतर्गत जिला एवं सत्र न्यायालय लखीमपुर खीरी द्वारा गत दिवस स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के हत्यारोपी को आजीवन कारावास तथा पांच हजार जुर्माने ? की सजा सुनाई गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मु 0अ 0सं0 212/21 धारा 302 से संबंधित अभियुक्त नीरज पुत्र केशव निवासी ईश्वरी पुरवा को माननीय जिला एवं सत्र न्यायालय लखीमपुर खीरी द्वारा उम्रकैद तथा पांच हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई गई ।

गौरतलब है कि उक्त मामले में अभियुक्त को सजा दिलाने में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली निघासन प्रभातेश कुमार श्रीवास्तव ए लोक अभियोजक शिवगोबिंद राठौर तथा पैरोकार कांस्टेबल आसिफअली की भूमिका सराहनीय रही। इस प्रकार स्थानीय पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अभियोजन की प्रभावशाली ढंग से की गई पैरवी के चलते हत्यारोपी को उसकी करनी का दण्ड मिल गया ।

तालाब में उतराता मिला बच्चे का शव, हत्या का लगाया आरोप

बरेली। कल शाम को घर से निकले एक बच्चे की लाश आज सुबह घर से कुछ ही दूरी पर तालाव में तैरती पाई गई मृतक के घर वालों ने पड़ोसी पर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी।देवरनिया थाने के गांव सेमीखेडा निवासी इकबाल के 7 वर्षीय बेटे फैज की लाश आज सुबह घर से लगभग 500 मीटर दूर स्थित तालाब में तैरती पाई गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि फैज कल शाम को घर से खेलने की बातें कर बाहर निकला था लेकिन वह वापस नहीं लौटा रात भर घर के लोग उसको तलाश करते रहे लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला आज सुबह लोगों ने उसकी लाश को तालाब में करते देखा और घटना की जानकारी पुलिस को दी घर वालों ने पड़ोस में रहने वाले रफीक पर है फैज की हत्या का आरोप लगाते हुए बताया कि कल दिन में बच्चों को लेकर रफीक और फैज के पिता इकबाल के बीच बच्चों को लेकर विवाद हो गया था जिसके बाद रफीक और उसके घर वालों ने इकबाल के घर घर में घुसकर मारपीट की थी उसी रंजिश के चलते रफीक ने फैज की हत्या कर सबको तालाब में फेंक दिया उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी ।

यूपीएस अलीगंज निजी स्कूल को दे रहा मात, हेडमास्टर मीनाक्षी ने बदली तस्वीर

● सुविधा से लैस सरकारी विद्यालय अलीगंज को मिला स्कूल ऑफ़ द वीक का खिताब

लखीमपुर खीरी। ब्लॉक बांकेगंज यूपीएस अलीगंज जिले में शैक्षिक उत्कृष्ट के लिए नए आयाम स्थापित कर रहा। इंण् प्रधानाध्यापक मीनाक्षी साहू ने यूपीएस में नियुक्ति के बाद से जिस तरह अभिनव प्रयोगों के साथ कार्य किया‌ए वह प्रशंसनीय है। बेसिक शिक्षा में सूचनाए संचार और प्रौद्योगिकी की जान फूंककर यूपीएस अलीगंज को नया आयाम दिलाया। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अभिनव पहल बेस्ट स्कूल आफ द वीक के तहत इस सप्ताह के सर्वश्रेष्ठ विद्यालय का खिताब इसी स्कूल को दिया गया है। इं. प्रधानाध्यापक मीनाक्षी साहू और सहयोगी स्टाफने जिस तन्मयता के साथ मेहनत करके बच्चों का भविष्य सरकारी स्कूल में संवारने का बीड़ा उठायाए उसके परिणाम न केवल ब्लॉक अपितु जनपद स्तर तक देखे गए। यह स्कूल पढ़ाई की गुणवत्ता और सुविधाओं के मामले में कान्वेट स्कूलों से मुकाबला कर रहा है।

यूपीएस अलीगंज में छात्रों की शिक्षा को रुचिकर बनाने के लिए विद्यालय में प्रोजेक्टर के जरिए स्मार्ट क्लास स्थापित है। बच्चे उनमें अत्याधुनिक साधनों के जरिए शिक्षा ग्रहण कर रहे। शिक्षक विभिन्न प्रकार के टीएलएमए गतिविधियों के माध्यम सेए गणित व विज्ञान किट के माध्यम से तथा आईसीटी के तहत दीक्षा ऐपए रीड अलोंग ऐपए टीचर्स ऐप का प्रयोग करकेए प्रिंट रिच सामग्री का प्रयोग करते है, जिससे छात्र विषय की सामग्री को सरलता से ग्रहण कर सके। शिक्षक छात्रों को अपने बेस्ट अनुभवों से आगे बढ़ने का अवसर, माहौल प्रदान करते हैं। इनका मानना है की शिक्षक अपने छात्रों को विषय पुस्तक के पाठ को समझाने के साथ प्रैक्टिकल अर्थात व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान करें और असल जीवन से जोड़कर समझा, ताकि उन्हें समझने में आसानी हो।

विद्यालय में शिक्षकों के निरंतर प्रयासों से छात्र संख्या में वृद्धि हुई। सत्र 2019.20 में छात्र संख्या 274 ए सत्र 20.21 में छात्र संख्या 313, सत्र 21.22 में छात्र संख्या 363, सत्र 22.23 में छात्र संख्या 461, सत्र 23.24 में अभी तक छात्र संख्या 428 है। और प्रतिदिन एडमिशन हो रहे हैं। सत्र 2022.23 में शासन द्वारा दिए नामांकन लक्ष्य 83 के सापेक्ष 30 सितंबर 2022 तक 202 छात्रो का नामांकन पूर्ण किया, जो न्याय पंचायतए ब्लाक बांकेगंज में सबसे अधिक था। विद्यालय में सत्र 2023.24 में 19 अगस्त 2023 तक कक्षा 06 में 137 नामांकन हुये हैं। विद्यालय में नामांकन में अभी और वृद्धि होंगी। विद्यालय के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि दिसम्बर 2022 में विद्यालय से पासआउट छात्र सचिन कुमार का चयन अग्निवीर में हुआ। जब यह खुशखबरी देने सचिन विद्यालय आये और बोले मैम देखो आपका बेटा फौजी बन गया। यह सुनकर हम सभी का हृदय गर्व से प्रफुलित हो गया। सचिन की इस कामयाबी को देखकर विद्यालय के सभी छात्र प्रेरित हुये।

क्विक न्यूज

टेंपो में धक्का लगा रहे युवक को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

बरेली। सड़क पर अचानक बंद हुए एक टेंपो को टैंपो में बैठा युवक बाहर निकल कर धक्का मारने लगा। इसी दौरान तेजी से आ रहे ट्रक ने टेंपो को पीछे से टक्कर मार दी जिससे धक्का लगा रहे युवक की मौत हो गई पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला बिहारीपुर में मेमरान निवासी 25 वर्षीय विमल पुत्र भगवानदास की कल रात लगभग 9: 00 बजे जिला जेल के पास हुई सड़क दुर्घटना में मौत हो गई पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घरवालों ने बताया कि विमल के ससुर मुन्ना लाल काफी समय से जिला जेल में सजा काट रहे थे और कल शाम को उनको जेल से रिहा किया गया था विमल अपनी पत्नी राखी साली मुस्कान और 6 माह के बेटे के साथ ससुर मुन्नालाल को टेंपो से जिला जेल से लेकर घर लौट रहा था लेकिन कुछ दूर चलने के बाद टेंपो अचानक बंद हो गया तब टेंपो चालक ने विमल से टेंपो में धक्का लगाने को कहा तब विमल टैंपू से नीचे उतर कर धक्का लगाने लगा इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ट्रक ने टेंपो को टक्कर मार दी जिससे धक्का लगा रहा विमल गंभीर रूप से घायल हो गया टेंपो में बैठे उसके परिजन बाहर निकले हैं लेकिन तब तक ट्रक फरार हो चुका था घायल को अस्पताल ले जाने की कोशिश की गई लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी घटना की जानकारी पुलिस को दी गई मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।

प्रसिद्ध संत त्यागी महाराज का भक्तों ने लिया आशीर्वाद

सीतापुर। जनपद सीतापुर में गांजरी इलाके के प्रसिद्ध संत त्यागी महाराज रविवार को कस्बा मानपुर क्षेत्र के गोवर्धनपुर गांव पहुंचे। उनके आने की खबर पाकर भक्तों का हुजूम सा उमड़ पड़ा। तमाम लोगों ने गोवर्धनपुर पहुंचकर त्यागी महाराज का आर्शीवाद लिया। गांव में प्रवेश करते ही उनके दर्शन पाने और आर्शीवाद प्राप्त करने के लिए लोग दौड़ पड़े, जिसे देखो वही आगे बढ़कर प्रणाम करने लगा। बताया जाता है कि प्रसिद्ध संत त्यागी महाराज का ग्राम गोवर्धनपुर के अवधपाल सिंह चौहान के यहां आगमन हुआ था। त्यागी महाराज अवधपाल सिंह चौहान के यहां जितनी देरतक ठहरे तब तक उनके भक्तों का जमावड़ा वहां लगा रहा।

सिधौली से एक हजार शिव भक्तों का काफिला देवदेवेश्वर धाम को हुआ रवाना

सीतापुर। नगर सिधौली से एक हजार शिव भक्तों का काफ्लिा रविवार को नैमिषारण्य के देवदेवेश्वर धाम गोमती नदी के लिए रवाना हुआ। यह शिवभक्त गोमती नदी से जल भर कर सावन माह के सातवें सोमवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा कर नगर वासियों ने उन्हें विदाई दी। हाल ही में बसपा छोड़ भाजपा में शामिल हुए पुष्पेंद्र पासी ने भी शिवभक्त कांवरियों पर पुष्प वर्षा की। सभी कांवरिया आज गंगा गोमती से कांवर भरकर 40 किलोमीटर की पदयात्रा कर सिधौली कस्बा स्थित भगवान सिद्धेश्वर महादेव का सोमवार को जलाभिषेक करेंगे।

गायत्री महायज्ञ को सकुशल संपन्न कराने पर हुआ विचार

सीतापुर। जिला स्तरीय कार्यकर्ता संकल्प गोष्ठी में गायत्री महायज्ञ को सकुशल संपन्न कराने पर विचार किया गया। गोष्ठी में सीतापुर, लखीमपुर-खीरी, बहराइच जनपद के गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। गायत्री चेतना केंद्र ग्राम बिसवाँ खुर्द में अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा अनुमोदित 108 कुण्डीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ 15 दिसंबर से 18 दिसंबर तक संपन्न की जानी है। इसी कार्यक्रम को लेकर तैयारियों पर चर्चा की गई। टोली नायक जय प्रकाश वर्मा, सियाराम जायसवाल, प्रभाकर, अजय वर्मा, रमाकान्त अवस्थी सहज राम वर्मा, रमेश वर्मा, अवधेश वर्मा, गंगासागर वर्मा, हरीश पटेल, प्रेमदीप जायसवाल, अनिल त्रिवेदी, शुयश श्रीवास्तव, वीरेंद्र कुमार मौर्य आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने मनायी पूर्व पीएम भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती

संवाददाता। सीतापुर

शहर स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर कांग्रेसजनों ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती मनाई। सबसे पहले राजीव गांधी के चित्र पर पार्टी पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। तत्पश्चात गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का संचालन आमोद मिश्र ने किया। जिला अध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी ने कहा कि राजीव गांधी स्वप्नदृष्टा थे। उन्होंने आधुनिक भारत का सपना देखा था। वह सादगी और समरसता की प्रतिमूर्ति थे। गोष्ठी में प्रमुख रूप से महिला जिला अध्यक्ष निर्मला चौधरी, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष नरेंद्र वर्मा, यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव सुभाष राजवंशी, अल्पना सिंह, शिशिर बाजपेई, संजय दीक्षित, राजेंद्र गोंड, चोक्ष विभु अवस्थी, रफीक बेग, रामाश्रय अवस्थी, रवि प्रकाश दीपक आदि मौजूद रहे।

सीएमओ ने किया तीन पीएचसी सहित एक सीएचसी का निरीक्षण

● जानी स्वास्थ्य मेलों की जमीनी हकीकत

लखीमपुर खीरी। शासन के निर्देश पर आयोजित हो रहे मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों और स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत जाने के लिए सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने रविवार को पीएचसी रोशन नगर, पीएचसी परेली व पीएचसी गोला और सीएचसी गोला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक बेहतर करने के लिए निर्देश दिए, तो वहीं अनुपस्थित मिले अधिकारियों कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए हैं।

सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने बताया कि रविवार को उनके द्वारा तीन पीएचसी व एक सीएचसी का औचक निरीक्षण किया गया है। जिसमें सीएचसी बांकेगंज की पीएचसी रोशन नगर और पीएचसी परेली का निरीक्षण किया। रोशन नगर में मेन गेट की मरम्मत और कमरे की फर्स सहित बिजली व्यवस्था सहित साफसफाई को बेहतर करने के साथ ही सभी डॉक्टर्स को पीएचसी पर ही रुकने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में निरीक्षण के समय तक 34 मरीज देखे गए थे। वहीं डिस्प्ले बोर्ड पर डॉक्टरए पैरामेडिकल स्टाफका नाम और नंबर अंकित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान चांदनी प्रभाकर एलटी सहित एक अन्य कर्मचारी अनुपस्थित मिलाए इन्हें स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। वहीं पीएचसी परेली में निरीक्षण के समय तक 77 मरीजों को देखा गया था। यहां भी डिस्प्ले बोर्ड पर डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफके नाम और मोबाइल नंबर अंकित सहित साफ सफाई और बिजली कनेक्शन के लिए पत्राचार करने के निर्देश दिए। इसके बाद में पीएचसी गोला पहुंचे जहां स्वास्थ्य मेले में निरीक्षण के समय तक 63 मरीजों को देखा गया था। इन सभी जगह पर साफ सफाई व्यवस्था और डिस्प्ले बोर्ड सहित दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिसके बाद वह सीएचसी गोला पहुंचे। यहां निरीक्षण के दौरान वीरेंद्र प्रताप, अभिषेक वर्मा, नैमिष पटेलए पुष्पेंद्र कुमारी, शुभम दीक्षित, शिवा दीक्षित अनुपस्थित मिले। इन सभी कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं उन्होंने मेला ड्यूटी का भी निरीक्षण किया। इस दौरान मेला ड्यूटी में लगे डॉक्टरए पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य स्टाफ को सीएचसी पर आकर रजिस्टर में हस्ताक्षर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सभी अधीक्षकों को शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने व साफ सफाई सहित अन्य स्वास्थ्य योजनाओं के लिए आम जनमानस को जागरूक करने के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रचार प्रसार के भी निर्देश सीएमओ द्वारा दिए गए।

छह वारन्टियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता। बरेली

अलग-अलग घटनाओं को अंजाम देने के बाद फरार चल रहे 6 वारंटियो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।मीरगंज थाना क्षेत्र के गांव नथपुरा निवासी गुरु वचन उर्फगुड्डू पुत्र महेंद्र, कांता प्रसाद पुत्र महेंद्र पाल, राजीव पुत्र महेंद्र पाल, करण पुत्र सोमपाल और मीरगंज थाने के गांव हल्दी खुर्द निवासी आबिद पुत्र शकील और मीरगंज के ही गांव अफसरान निवासी जुबेर पुत्र कुदरत उल्लाह को पुलिस ने आज अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार किए हुए सभी अपराधियों पर थाने में गंभीर धाराओ में मुकदमे दर्ज हैं वह लंबे समय चल रहे थे अदालत ने उनके विरुद्ध वारंट जारी किए थे जिसके पास पुलिस में तलाश में जुटी थी और आज एक-एक कर सभी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा।

कस्बे के बेंहटा चौराहे में विहान आर्थो केयर का हुआ भव्य शुभारम्भ

लालगंज रायबरेली। क्षेत्र के गंभीर हड्डी रोगियो को अब जिला मुख्यालय व लखनऊ के चक्कर नही काटने पड़ेगें। उन्हे कस्बे के बेहटा चौराहे में ही राजधानी जैसी आधुनिक सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। लखनऊ के प्रसिद्व हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. वीपी सिंह ने नि:शुल्क मरीजो का परीक्षण व उपचार किया। निशुल्क हड्डी चिकित्सा शिविर में तकरीबन 300 से अधिक मरीज का उपचार किया गया। कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित तूफानी मार्केट में विहान आर्थो केयर सेंटर का भव्य शुभारम्भ केशव कुमार सिंह पूर्व प्रधानाध्यापक इंटर कालेज रौतापुर ने फीता काटकर किया। जिसके बाद डा. वीपी सिंह ने आधा सैकडा मरीजो का चिकित्सीय परीक्षण कर उनका इलाज किया। पत्रकारो के बातचीत करते हुए डा. वीपी सिंह ने बताया कि वह क्षेत्र के ही कहिंजर निवासी

है। उनके पिता सेना में थे जिसके चलते उनकी प्राथमिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालयों में सम्पन्न हुई। जिसके बाद उन्होने पीएमटी परीक्षा उत्तीर्ण कर असम से एमबीबीएस के साथ पीजी थी किया। इसके बाद उन्होने लखनऊ के अपोलो व मेंदातां में भी सेवायें दी। वर्तमान समय में वह टीएसएम मेडिकल कालेज में बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर कार्यरत है। बुजुर्गो की सलाह पर क्षेत्र की जनता की सेवा करने का मन में विचार आया है। इसी के चलते उन्होने लालगंज में विहान आर्थो केयर सेंटर का शुभारम्भ किया है। इस मौके पर पूर्व विधायक अशोक सिंह, तूफानी सिंह, रामबहादुर सिह, रामदेव सिंह, वंश बहादुर, दिलीप सिंह, शिवमोल, डा. अनिल, डा. पंकज, धनपाल सिंह, माईदीन भदौरिया, गोपाल समेंत भारी संख्या में गणमान्य उपस्थित रहे।

विशेष प्रवर्तन अभियानः जिले भर में गठित टीमों ने की छापेमारी, 14 अभियोग दर्ज

● पांच सितंबर तक चलेगा विशेष प्रवर्तन अभियान, अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री, तस्करी, परिवहन पर कसेगा शिकंजा

लखीमपुर खीरी। अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी, परिवहन पर अंकुश लगाये जाने के उद्देश्य से आबकारी आयुक्त उप्र के आदेश, डीएम महेंद्र बहादुर सिंह, एसपी गणेश प्रसाद साहा के दिशा निर्देश एवं डीईओ राजवीर सिंह के नेतृत्व में गठित प्रशासनए पुलिस, आबकारी महकमे की संयुक्त टीम ने विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। जो 05 सितंबर तक चलेगा। जिला आबकारी अधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि सभी आबकारी निरीक्षकों द्वारा लगातार अपने.अपने क्षेत्रो में कार्य कर रहे, जिससे किसी प्रकार की अवैध मदिरा की बिक्री न होने पायेए इस प्रकार जनपद में दबिश के दौरान

जनपद में कुल 14 अभियोगो को पंजीकृत किया गया। 214.4 लीटर अवैध शराब और 950 किग्रा लहन बरामद की।

जनपद खीरी के आबकारी निरीक्षक अवधेश कुमार क्षेत्र 1 सदर ने मय स्टाफसंग ग्राम छोटा निजामपुर रामदीन एवं ओयल थाना खीरी में दबिश दीए दबिश में संदिग्ध घरों और उनके आस पास के स्थानों की तलाशी ली। तलाशी के दौरान प्लास्टिक के पाउचों में कच्ची शराब और पीपियों में लहन बरामद किया। मौके पर लहन को नष्ट करते हुए 2 अभियुक्तो को कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। आबकारी निरीक्षक रुद्र कांत मिश्र क्षेत्र 2 मोहम्मदी ने मय स्टाफ व उचौलिया पुलिस थाना उपनिरीक्षक लोकेश सिंग राना के साथ संयुक्त टीम बनाकर ग्राम मठ बालदेवता, कंजा, जलालपुर थाना उचौलिया एवं ग्राम झारा खेमपुर थाना मोहम्मदी में दबिश दी। दबिश में संदिग्ध घरों और दुकानों से अवैध देशी शराब (बंटी बबली ब्रांड के 7 पौवे एवं विंडीज ब्रांड के 15 पौवे 36 डिग्री) कुल 4.4 लीटर बरामद की। 02 अभियुक्तो को अवैध देशी शराब बेचते हुए मौके पर गिरफ्तार कर जेल भेजा। आबकारी निरीक्षक मनोज कुमार यादव क्षेत्र 3 निघासन ने मय स्टाफ द्वारा ग्राम मदनापुरए सैतेपुरवा थाना निघासन में दबिश दी। दबिश में नाले और तालाब किनारे से कच्ची शराब प्लास्टिक की बोतलों में बरामद की। मौके पर 02 अभियुक्तों को कच्ची शराब बिक्रित करते हुए पकडे। जिनमे से एक को जेल भेजा। आबकारी निरीक्षक केपी सिंह क्षेत्र 4 पलिया ने मय स्टाफ द्वारा ग्राम थारूपुरवा थाना पलिया में दबिश दी। दबिश में संदिग्ध स्थान से कच्ची शराब बरामद की। आबकारी निरीक्षक प्रेम सिंह क्षेत्र 5 गोला ने मय स्टाफ द्वारा ग्राम बहेराए कुडवाए जलालपुरए महराजनगरए कुनैठिया थाना गोला में दबिश दीए दबिश में संदिग्ध घरों और खेतों से कच्ची शराब और लहन बरामद की। मौके पर लहन और भट्ठियों को नष्ट किया। आबकारी निरीक्षक अब्दुल अज़ीज़ क्षेत्र 7 धौरहरा ने मय स्टाफद्वारा ग्राम कलुआपुर थाना धौरहरा में दबिश दी। दबिश में नहर किनारे से कच्ची शराब और लहन बरामद की। मौके पर लहन को नष्ट किया।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 21 अगस्त, 2023

शिक्षक से मारपीट पर शिक्षक संघ आक्रोशित, दी आंदोलन की चेतावनी

● तीन दिन के भीतर गिरफ्तारी न हुई तो होगा आन्दोलन- अमित पाण्डेय

संवाददाता। राजापुर, चित्रकूट

ब्लाक पहाड़ी अन्तर्गत ग्राम पंचायत कुसेली के ही एक व्यक्ति द्वारा प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक के साथ मारपीट की घटना से पूरे शिक्षक समुदायों में भारी आक्रोश ब्याप्त है। प्रधानाध्यापक ने राजापुर थाना में एक लिखित तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

शनिवार को प्राथमिक विद्यालय कुसेली के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार विद्यालय में शिक्षण कार्य मे स्टाप सहित छात्र छात्राओं को पढ़ा रहे थे और सहायक अध्यापक कंचन सिंह, शिक्षामित्र रीता सिंह तथा रसोइयां सुशीला, उर्मिला व छंगिया खाना बनाने में लगी हुई थीं कि लगभग 9:30 बजे गांव के कोमल सिंह पुत्र छविलाल सिंह के भाई के दो बच्चे स्कूल आ गए थे। उनका नामांकन विद्यालय में नहीं था तथा आई फ्लू से दोनों बच्चे पीड़ित होने के कारण उन्हें घर भेज दिया गया था कि दोनों बच्चों को घर मे देखकर कोमल सिंह आग बबूला होते हुए दोनों बच्चों के साथ स्कूल पहुँचकर गाली गलौज, मारपीट व पूरे स्टॉप के साथ अभद्रता करते हुए घण्टों ताण्डव करता रहा। उसके जाने के बाद विद्यालय बन्द कर उक्त शरारती तत्व के विरुद्ध थाना राजापुर में तहरीर देकर गिरफ्तारी की मांग की है।

उधर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षा संघ ब्लाक पहाड़ी के अध्यक्ष अमित पाण्डेय ने कहा कि शरारती तत्व के द्वारा जो शिक्षकों के साथ मारपीट की घटना की गई है उसकी निन्दा करते हुए कहा है कि थाना राजापुर में रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद भी गिरफ्तारी नहीं की गई। यदि तीन दिन के अन्दर गिरफ्तार नहीं हुआ तो शिक्षक संघ धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होगा।

उधर प्रभारी निरीक्षक थाना राजापुर भास्कर मिश्रा ने बताया कि वादी की तहरीर पर संगीन धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 5014 अभ्यर्थियों ने लिया भाग

फर्रुखाबाद। श्री विश्वनाथ सामाजिक सेवा संस्थान द्वारा संचालित एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट द्वारा 5 केंद्रों पर सामान्य ज्ञान परीक्षा में कुल 5014 छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने छात्रवृत्ति व पुरस्कार पाने के लिए दिमागी कसरत की। परीक्षा में समसामयिक, राजनीति, खेलकूद, तार्किक योग्यता, भूगोल इतिहास, गणित आदि के प्रश्नों को शामिल किया गया।

संस्था के निदेशक सुरेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि यह प्रतियोगिता 20 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रही है। इसके माध्यम से जहां एक ओर छात्र वर्तमान समय के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ते हैं, वहीं दूसरी ओर संस्थान द्वारा छात्रों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित भी किया जाता है। सामान्य ज्ञान परीक्षा का परिणाम सीनियर वर्ग 25 व 26 अगस्त 2023 एवं जूनियर वर्ग 26 अगस्त 2023 को एशियन कंप्यूटर इंस्टीट्यूट की शाखाओं पर घोषित होगा।

प्रबंध निदेशक आकांक्षा सक्सेना ने बताया कि प्रतियोगिता के माध्यम से प्रवेश लेने वाले प्रथम 10 छात्रों को कंप्यूटर सेट प्रदान किया जायेगा एवं 50 प्रतिशत व उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की कांग्रेसियों ने मनाई जयंती

संवाददाता। उरई, जालौन

● जयंती पर किया गया मरीजों को फल वितरण एवं वृक्षारोपण

शहर कांग्रेस कमेटी उरई के तत्वाधान में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी के 79 वे जन्म दिवस के अवसर पर जनपद के प्रमुख कांग्रेस जनों के द्वारा उत्साह पूर्वक मनाया गया कांग्रेस जनों द्वारा इस दिन को भारत में सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। आज के दिन सबसे पहले कांग्रेस जनों ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया तथा उरई स्थित शहीद स्थल राम कुंड घटिया वाले महावीर के पास वृक्षारोपण किया गया जिसके पश्चात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय राम पाल मौर्य पत्नी श्रीमती सरस्वती देवी को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर राजीव गांधी के द्वारा किए गए देश के लिए अभूत पूर्व कार्यों को याद किया गया।

उधर कोंच में सरोजनी नायडू पार्क में पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी के जन्म दिन कांग्रेस नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में मनाया गया जिसमें सर्व प्रथम राजीब गांधी के चित्र पत्र माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए तत्पश्चात जिला महासचिव-सभाषद आजाद उद्दीन ने उनके संस्मरणों को याद करते हुए बताया कि राजीब गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 में हुआ था और 1991 में एक चुनावी रैली के दौरान एल एल टी ई ने बम धमाका करके उनकी हत्या कर दी थी। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने सेवा काल मे विज्ञान प्रौद्योगिकी और सम्बंधित उद्योगों के लिए समर्थन बढ़ाया जिसमें कम्प्यूटर एयरलाइंस रक्षा और दूर संचार पर आयात कोटा कर और टैरिफ कम कर दिए थे। उन्हें डिजिटल इंडिया का आर्किटेक्ट और सूचना तकनीकी और दूर संचार क्रांति का जनक कहा जाता है। तहसील के समीपस्थ और उन्हीं की पहल पर अगस्त 1984 में भारतीय दूर संचार नेटवर्क की स्थापना के लिए सी डॉट की स्थापना हुई थी जिसके बाद पूरे देश में जगह जगह पी सी ओ जन सुविधाओं के लिए खोले गए पंचायती राज व्यवस्था और युवाओं को 18 बर्ष की आयु में मतदान का अधिकार दिलाने की प्रक्रिया को भी हमारे राष्ट्रीय नेता ने संचालित किया था।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कई मार्गों का किया लोकार्पण और शिलान्यास

संवाददाता। फतेहपुर

केंद्रीय राज्यमंत्री ने अमौली विकास खंड के ग्राम मदरी में सांसद निधि से पंद्रह लाख रूपये की लागत से निर्मित दो सौ बीस मीटर लंबे सीसी रोड का जिले की सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने लोकार्पण किया। तत्पश्चात ग्राम महादेवपुर मजरे सिजौली में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत निर्मित होने वाले सिजौली से महादेवपुर सम्पर्क मार्ग का शिलान्यास किया।

इस मार्ग का निर्माण पैसठ लाख तीस हजार की लागत से किया जायेगा। जिसकी लंबाई नौ सौ पचास मीटर रहेगी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्मित होने वाले फ्तेहपुर जोनिहा रोड से फ्तेहपुर बिंदकी मार्ग वाया तारापुर असवार मोहनखेड़ा का शिलान्यास भी किया। इस मार्ग का निर्माण छह करोड़ सैंतीस लाख रूपये की लागत से 9 किलोमीटर तीन सौ मीटर किया जायेगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत निर्मित होने वाली फ्तेहपुर बिन्दकी से ओझी खड्गसेनपुर मय भदबा सम्पर्क मार्ग का शिलान्यास भी किया। इस मार्ग का निर्माण तीन करोड़ सत्तावन लाख रूपये की लागत से किया जायेगा।

जिसकी लंबाई 5 किलोमीटर एक सौ पचास मीटर रहेगी। केंद्रीय राज्यमंत्री ने मलवां विकास खंड की ग्राम पंचायत महमूदपुर में सांसद निधि से बारह लाख रूपये की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया। जिसकी लम्बाई एक सौ अस्सी मीटर है। इसी गांव में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत निर्मित होने वाली महमूदपुर से अजमेरीपुर सम्पर्क मार्ग का शिलान्यास कर शुभारंभ किया। यह मार्ग पचास लाख 91 हजार रूपये की लागत से बनेगा। देवमई विकास खंड की ग्राम पंचायत पहाड़ीपुर में जल जीवन मिशन-हर घर जल योजना के अन्तर्गत 77 लाख रुपए से निर्मित होने वाली पानी की टंकी का शिलान्यास भी किया।

पुलिस ने तीन के कब्जे से 85 क्वार्टर देशी शराब की बरामद

चित्रकूट। अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम का जारी अभियान में पुलिस ने तीन लोगों के कब्जे से 85 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। रविवार को प्रभारी निरीक्षक राजापुर भास्कर मिश्रा की अगुवाई में दरोगा कन्हैया सिंह की टीम ने मुन्ना सिंह पुत्र राजकुमार सिंह निवासी बरुआ के कब्जे से 20 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। इसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा कन्हैया सिंह, सिपाही उज्जवल पाण्डेय शामिल रहे। थानाध्यक्ष भरतकूप सुबेदार बिन्द की अगुवाई में दरोगा शैलेन्द्र सिंह की टीम ने योगेंद्र सिंह पुत्र चंद्रभवन सिंह सिकरी सानी थाना पहाड़ी के कब्जे से 45 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। इसके खिलाफ थाने में आबकारी धिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में शैलेन्द्र सिंह, सिपाही सताश यादव शामिल रहे। थानाध्यक्ष भरतकूप सुबेदार बिन्द की अगुवाई में दरोगा अजहर जमाल की टीम ने राकेश पुत्र दिनेश कुमार यादव के कब्जे से 20 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है।

पानी बचाओ जन जागरूकता रैली निकाल किया जागरूक

संवाददाता। फतेहपुर

इंडियन रेडक्रास सोसाइटी, आरोग्य भारती व डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में चेयरमैन व पर्यावरण प्रमुख कानपुर प्रान्त आरोग्य भारती डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के नेतृत्व में पानी बचाओ जन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली मोटेश्वर महादेव मंदिर से निकलकर ज्वालागंज, चौक, पत्थरकटा, पटेल नगर, वर्मा चौराहा होते हुए पुन: मोटेश्वर महादेव मंदिर पहुंची।

रैली में डेढ़ सैकड़ा से अधिक बाइक में तीन सैकड़ा से भी अधिक प्रबुद्ध वर्ग के शिक्षक, समाजसेवी, अधिवक्ता, चिकित्सकों के अलावा नागरिकों ने प्रतिभाग किया। सभी लोग पानी बचाओ जीवन बचाओ, जल ही जीवन है, जल है तो कल है जैसे नारे लगाते धीरे धीरे आगे बढ़ रहे थे। रैली का जगह जगह पुष्पवर्षा कर एवं पानी बिस्कुट इत्यादि वितरित कर स्वागत किया गया। प्रत्येक चौराहे में रैली कुछ समय के लिये रोककर गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के प्रधान पपिंदर सिंह, डॉ अनुराग श्रीवास्तव, महेंद्र शुक्ल समाजसेवी, प्रह्लाद सिंह गौतम ने अपील किया कि दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन ने अपने को जीरो डे घोषित कर दिया है वहां के लोगों को नहाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। देश में भी आ रहे सर्वेक्षण से दो हजार चालीस तक पीने का पानी समाप्त हो जाएगा इसलिए हम सभी को सड़कों को सींचने, नालियों को धुलने इत्यादि में पानी व्यर्थ नष्ट स्वयं भी नहीं करना है।

क्विक न्यूज

गंगा में स्नान करते समय युवक की डूबकर हुई मौत

फर्रुखाबाद। शमशाबाद थाना क्षेत्र में गंगा बाढ़ के गहरे जल में स्नान करते समय पैर फिसलने पर युवक की डूबकर मौत हो गई। शमशाबाद थाना पुलिस ने बताया कि ग्राम हुसैनपुर तराई का निवासी सचिन दिवाकर उम्र करीब 24 वर्ष सायकल 4: 15 बजे गांव समीपवर्ती गंगा बाढ़ के पानी में स्नान करने गया। इस दौरान सचिन दिवाकर का अचानक पैर फिसलने से वह गहरे जल में डूब गया। इसके बाद ग्रामीणों की मची चीख पुकार के साथ ही ग्रामीणों ने मशक्कत करके युवक को जल से बाहर निकाला और शमशाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेगए जहां चिकित्सक ने उपचार के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। इधर घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू की।

संजय कुमार ने संभाला कैलिया थाने का कार्यभार

कोंच, कैलिया। थानाध्यक्ष कैलिया राम प्रकाश का स्थानांतरण पुलिस अधीक्षक पीआरओ के लिए हो जाने के कारण रिक्त पद पर चौकी प्रभारी इटौरा उपनिरीक्षक संजय कुमार को थानाध्यक्ष कैलिया के पद पर भेजा गया जहां दिन रविवार को थानाध्यक्ष संजय कुमार ने पदभार ग्रहण करते ही अपने सहयोगियों की एक बैठक कर परिचय के साथ साथ कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त रखने के दिशा निर्देश दिए वहीं मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने बताया कि मै जनपद बलिया का मूल निवासी हूं और 2012 बैच का अधिकारी हूं जनपद में इसके पूर्व पुलिस अधीक्षक पीआरओ के पद भी कार्य कर चुका हूं उन्होंने अपने प्राथमिकताओं के बारे में बताते हुए कहा कि सरकार के दिशा निर्देशों का पूर्णतया पालन किया जाएगा और हर पीड़ित को न्याय दिलाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी।

कालपी कॉलेज में होगी बायो मैट्रिक मशीन से हाजिरी

कालपी, जालौन। शासकीय विद्यालयों एवं डिग्री कालेजों मे शिक्षक-शिक्षिकाओं की शत-प्रतिशत हाजिरी की हकीकत को परखने के लिए बायो मैट्रिक मशीन को स्थापित करने के लिए पहल शुरू हो गई है। कालपी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सूर्यनारायण सिंह ने बताया कि जल्द ही कालपी कॉलेज कालपी में व्हाई मैट्रिक मशीन को स्थापित कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय में महाविद्यालय के प्राचार्यो की बैठक प्रदेश की उच्च शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में झांसी में आयोजित की गई थी। जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को सुचारू तरीके से लागू करने पर जोर दिया गया है। बैठक में महाविद्यालय में सेमेस्टर परीक्षाओं को लेकर चर्चा करके मसौदा तैयार किया गया है।

पेज एक का शेष

कांग्रेस की...

वरिष्ठ नेताओं को कार्य समिति समिति में स्थान दिया जाता रहा है। मौजूदा समय में कांग्रेस की चार राज्यों कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में सरकारें हैं। इनमें राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की गिनती पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं में होती है। जयराम रमेश, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, आनंद शर्मा और कुछ अन्य वरिष्ठ नेता सीडब्ल्यूसी में शामिल किए गए हैं। कार्यसमिति में कुल 15 महिलाओं को स्थान मिला है। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, कुमारी सैलजा, अंबिका सोनी, मीरा कुमार और दीपा दासमुंशी को बतौर सदस्य इस नई कार्यसमिति में शामिल किया गया है। प्रतिभा सिंह, मीनाक्षी नटराजन, फूलो देवी नेताम और रजनी पाटिल स्थाई आमंत्रित सदस्य होंगी। यशोमती ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, परिनीति शिंदे, अलका लांबा और नेटा डिसूजा कार्य समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाई गई हैं। पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, वरिष्ठ नेता मीरा कुमार और कुमारी सैलजा कांग्रेस की कार्य समिति में प्रमुख दलित चेहरे हैं। कांग्रेस कार्य समिति के 39 सदस्यों में मुस्लिम समुदाय से तारिक अनवर, सलमान खुर्शीद, गुलाम अहमद मीर और सैयद नासिर हुसैन शामिल हैं। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पार्टी के कोषाध्यक्ष पवन कुमार बंसल, वरिष्ठ नेता मोहन प्रकाश, वीरप्पा मोइली, मनीष तिवारी, के. राजू और बी.के. हरि प्रसाद को कार्यसमिति में स्थाई आमंत्रित सदस्य के रूप में जगह दी गई है। कार्य समिति में शामिल आनंद शर्मा, मनीष तिवारी और थरूर कभी उस जी 23 समूह का हिस्सा थे जिसने लगभग तीन साल पहले सोनिया गांधी को पत्र लिखकर पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़े किए थे। इस कार्यसमिति के पुनर्गठन में चुनावी राज्यों का भी खयाल रखा गया है। राजस्थान से संबंधित सात नेताओं सचिन पायलट, अभिषेक मनु सिंघवी, महेंद्रजीत मालवीय, जितेंद्र सिंह, हरीश चौधरी, पवन खेड़ा और मोहन प्रकाश को कार्य समिति का हिस्सा बनाया गया है। मध्य प्रदेश से दिग्विजय सिंह, कमलेश्वर पटेल और मीनाक्षी नटराजन तथा छत्तीसगढ़ से ताम्रध्वज साहू और फूलो देवी नेताम को कार्य समिति में स्थान दिया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पिछले साल 26 अक्टूबर को पदभार संभाला था। इसके करीब 10 महीने बाद कार्यसमिति की घोषणा की गई है।

सीडब्ल्यूसी में...

महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा 51 साल की हैं। पार्टी ने अपनी कार्यसमिति में हमेशा की तरह वरिष्ठ नेताओं को तरजीह दी है। इसमें शामिल पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की उम्र 90 साल है, तो वरिष्ठ नेता एके एंटनी 82, अंबिका सोनी 80 और मीरा कुमार 78 साल की हैं। पार्टी अध्यक्ष खरगे खुद 81 साल के हैं, जबकि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी 76 वर्ष की हैं।

आपदा से...

कोष (एसडीआरएफ) के लिए 200 करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। त्रासदी को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की मांग का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि पर्याप्त वित्तीय सहायता दी जाएगी और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाता है या नहीं। उन्होंने कहा कि इससे पहले एसडीआरएफ के केंद्रीय हिस्से से 10 अगस्त और 17 अगस्त को दो किश्तों में 360 करोड़ रुपए दिए गए थे और आपत्तियों पर रोके गए 315 करोड़ रुपए में से 189 करोड़ रुपए भी जारी किए गए थे। नड्डा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा केंद्र को आवश्यक जानकारी सौंपने के बाद शेष राशि भी जल्द ही जारी कर दी जाएगी। स्थिति का जायजा लेने के लिए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल के साथ नड्डा राज्य के दौरे पर हैं। नड्डा ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की लगभग 20 टीम राज्य में तैनात हैं और वायुसेना के तीन हेलीकॉप्टर ने 70 उड़ानों में 1000 से अधिक लोगों को बचाया है। हिमाचल प्रदेश सरकार ने भारी बारिश से हुए नुकसान को देखते हुए शुक्रवार को राज्य को प्राकृतिक आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने दावा किया कि राज्य को 10 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने एजेंसी को बताया था कि प्रदेश में पिछले रविवार की रात से हुई 78 मौतों में से 24 मौत अकेले शिमला में तीन बड़े भूस्खलनों के कारण हुईं। उन्होंने बताया कि इनमें से 17 लोगों की मौत समर हिल के शिव मंदिर में हुई, जबकि फागली में पांच लोगों की और कृष्णानगर में दो लोगों की जान चली गई। राज्य आपातकालीन अभियान केंद्र के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में 24 जून को हुई मॉनसून की शुरुआत के बाद से बारिश से संबंधित घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में 338 लोगों की मौत हुई है तथा 38 लोग लापता हैं। इसने कहा कि 338 मृतकों में से 221 लोगों की मृत्यु बारिश संबंधित घटनाओं में हुई है।

दिए जाएंगे...

पहले 10 और 17 जुलाई को दो किस्तों में राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के केंद्रीय हिस्से से 360.80 करोड़ रुपए की अग्रिम राशि को मंजूरी दी थी। प्रवक्ता ने बताया कि केंद्र सरकार ने सात अगस्त को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से राज्य की पिछली बकाया राशि के 189.27 करोड़ रुपए भी जारी किए थे। इस मानसून में हिमाचल प्रदेश के सभी 12 जिले बारिश, बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने से प्रभावित हुए। आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पिछले एक सप्ताह में भूस्खलन की 25 घटनाएं और बादल फटने की एक घटना हुई।

मुख्यमंत्री ने...

अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ बैठक की और राज्य की स्थिति की गंभीरता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 10 अगस्त तक केंद्र सरकार को राज्य में हुए नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट भेजकर 6,700 करोड़ रुपए का दावा किया है। बैठक में सुक्खू ने केंद्र सरकार से अंतरिम राहत की पहली किस्त देरी से जारी करने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने दावा किया कि आपदा के कारण 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है।

भाजपा ने...

से संपर्क किया जाए और पन्ना प्रमुख जैसे बूथ स्तरीय पदाधिकारियों की नियुक्ति जैसे काम समय पर पूरे हों और उनमें आखिरी समय में चुनौती पेश नहीं आएं। भाजपा ने वर्ष 2014 और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली में सभी सात सीटें जीती थीं।

विक्रम व...

एक महत्वपूर्ण कदम है जो अंतरिक्ष अन्वेषण में राष्ट्र की प्रगति को प्रदर्शित करता है। इस बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम का टेलीविजन पर 23 अगस्त को सीधा प्रसारण किया जाएगा, जो इसरो की वेबसाइट, इसके यूट्यूब चैनल, इसरो के फेसबुक पेज, और डीडी (दूरदर्शन) नेशनल टीवी चैनल सहित कई मंचों पर पांच बजकर 27 मिनट से शुरू होगा। इसरो ने कहा, चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग एक ऐतिहासिक क्षण है जो न केवल उत्सुकता बढ़ाएगा, बल्कि हमारे युवाओं के मन में अन्वेषण की भावना भी उत्पन्न करेगा। इसरो ने कहा कि इसके आलोक में देश भर में सभी स्कूल और शैक्षणिक संस्थानों को छात्रों और शिक्षकों के बीच इसे सक्रियता से प्रचारित करने के लिए आमंत्रित किया गया है, तथा चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग का परिसरों में सीधा प्रसारण आयोजित किया जाएगा। चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल और प्रणोदन मॉड्यूल 14 जुलाई को मिशन की शुरुआत होने के 35 दिन बाद बृहस्पतिवार को सफलतापूर्वक अलग हो गए थे। इसरो के सूत्रों ने पूर्व में कहा था कि प्रणोदन मॉड्यूल से अलग हुए लैंडर को एक ऐसी कक्षा में लाने के लिए डीबूस्ट (धीमा करने की प्रक्रिया) से गुजारा जाएगा, जहां पेरिल्यून (चंद्रमा से कक्षा का निकटतम बिंदु) 30 किलोमीटर और अपोल्यून (चंद्रमा से सबसे दूर का बिंदु) 100 किमी की दूरी पर होगा, जहां से चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर सॉफ्ट लैंडिंग का प्रयास किया जाएगा। उस दौरान, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में सॉफ्ट लैंडिंग की कोशिश की जाएगी। चंद्रयान-3 ने 14 जुलाई को प्रक्षेपण के बाद पांच अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया था। प्रणोदन और लैंडर मॉड्यूल को अलग करने की कवायद से पहले इसे छह, नौ, 14 और 16 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में नीचे लाने की कवायद की गई, ताकि यह चंद्रमा की सतह के नजदीक आ सके। इससे पहले,14 जुलाई के प्रक्षेपण के बाद पिछले तीन हफ्तों में पांच से अधिक प्रक्रियाओं में इसरो ने चंद्रयान-3 को पृथ्वी से दूर आगे की कक्षाओं में बढ़ाया था। गत एक अगस्त को एक महत्वपूर्ण कवायद में अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की कक्षा से सफलतापूर्वक चंद्रमा की ओर भेजा गया।

रूसी अंतरिक्ष...

आने से पहले रोसकॉसमॉस ने शनिवार को जानकारी दी कि असमान्य परिस्थिति उत्पन्न हो गई है और विशेषज्ञ समस्या का विश्लेषण कर रहे हैं। रोसकॉसमॉस ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा, अभियान के दौरान स्वचालित स्टेशन पर असमान्य परिस्थिति उत्पन्न हुई जिसकी वजह से विशिष्ट मानकों के अनुसार मार्ग में तय बदलाव नहीं किया जा सका। इस अंतरिक्ष यान को सोमवार को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरना था। इसकी प्रतिस्पर्धा भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चंद्रयान-3 से थी जिसे 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर उतरना है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव को लेकर वैज्ञानिकों की विशेष रुचि है जिसके बारे में माना जाता है कि वहां बने गड्ढे हमेशा अंधेरे में रहते हैं और उनमें पानी होने की उम्मीद है। चट्टानों में जमी अवस्था में मौजूद पानी का इस्तेमाल भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए वायु और रॉकेट के ईंधन के रूप में किया जा सकता है। केवल तीन देश चंद्रमा पर सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने में सफल रहे हैं, जिनमें पूर्ववर्ती सोवियत संघ, अमेरिका और चीन शामिल हैं। हालांकि, ए तीनों देश भी चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर नहीं उतरे थे। भारत और रूस दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला पहला देश बनने की होड़ में थे। रूस का यान अब दुर्घटनाग्रस्त हो चुका है और भारत के लोगों को 23 अगस्त को इस दौड़ में अपने देश के सफल होने की उम्मीद है। वर्ष 2019 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने का पिछला भारतीय प्रयास तब असफल हो गया था जब लैंडर चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। रूस ने 10 अगस्त को लूना-25 अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया था।

बाल विकास...

थाने को इसकी सूचना दी और आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबद्ध धाराओं तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत एक मामला दर्ज किया गया। किशोरी का बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज किया जाना अभी बाकी है। उन्होंने बताया कि मामले में पूछताछ की जा रही है।

उखरूल के...

को तैनात किए जाने की संभावना है। बीएसएफ (पूर्वी कमान) की अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) सोनाली मिश्रा ने चार वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हाल में राजभवन में राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की थी और उन्हें पूर्वोत्तर राज्य में मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी थी। इस बीच, मणिपुर में जातीय हिंसा से बचने के लिए मेइती समुदाय के 200 से अधिक जो लोग म्यांमा चले गए थे, वे तीन महीने से अधिक समय के बाद सुरक्षित राज्य लौट आए। उन्हें सेना और प्रशासन द्वारा भोजन और दवाएं प्रदान की गईं। तीन मई से अब तक मणिपुर में मेइती और कुकी समुदाय के बीच हुई झड़पों में 160 से अधिक लोग मारे गए हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

एम्बुलेंस में...

के सिर में गोली लगने के बाद उसकी मां मीना हैंगसिंग और चाची लिडिया लौरेम्बम उसे मणिपुर की राजधानी के एक अस्पताल में ले जा रही थीं। लड़के की मां मेइती समुदाय से थी जबकि उसके पिता कुकी हैं। सीबीआई के अधिकारियों को दो प्राथमिकी सौंपी गई हैं। इनमें एक लाम्फेल थाने में पुलिस द्वारा दर्ज की गई और दूसरी प्राथमिकी लड़के के पिता जोशुआ हैंगसिंग द्वारा कांगपोकपी थाने में दायर कराई गई थी। लाम्फेल थाने में मामला हत्या से संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया, जबकि कांगपोकपी में मामला गैर इरादतन हत्या के प्रयास के तहत दर्ज किया गया। अधिकारियों ने कहा कि जब भीड़ ने उन पर हमला किया तो टोनसिंग, उसकी मां और चाची (दोनों मेइती ईसाई), एक ड्राइवर और एक नर्स के साथ एम्बुलेंस में थे। ड्राइवर और नर्स को भाग जाने दिया गया जबकि पुलिस कर्मियों को पीछे हटना पड़ा जिन्होंने हवा में गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने कहा कि भीड़ ने लड़के की मां और चाची द्वारा उन्हें जाने देने की बार-बार की गई अपील को अनसुना कर दिया और एम्बुलेंस को आग लगा दी। तीनों एम्बुलेंस के भीतर थे। उन्होंने बताया कि टोनसिंग गोली लगने के कारण घायल हो गया था तथा कई अन्य लोगों की तरह एक राहत शिविर में रह रहा था। शिविर पर राज्य के बहुसंख्यक समुदाय के हथियारबंद लोगों के एक समूह ने हमला किया था। अधिकारियों ने कहा कि घटना के बाद, सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने तुरंत इंफाल के पुलिस अधीक्षक से संपर्क किया और रास्ते में सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा ताकि लड़के को अस्पताल ले जाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह निर्णय लिया गया कि केवल उसकी मां और चाची ही उसके साथ यात्रा करेंगी क्योंकि वे बहुसंख्यक समुदाय से थीं। अधिकारियों ने कहा कि सेना ने उन्हें इंफाल की सीमा पर पुलिस एस्कॉर्ट और एम्बुलेंस को सौंप दिया, लेकिन काफिले पर लगभग 2,000 लोगों की भीड़ ने हमला कर दिया। कांगपोकपी थाने में अपनी शिकायत में, जोशुआ ने कहा कि चार जून को, मेइती लीपुन, अरामबाई तेंगगोल और कांगलेइपाक कनबा लुप समूहों की मेइती भीड़ ने इरोइसेम्बा के पास एम्बुलेंस को रोक दिया और उसमें आग लगा दी। लाम्फेल थाने के अपने मामले में, पुलिस ने घटनास्थल पर इंफाल पश्चिम के पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी को स्वीकार किया और उल्लेख किया कि उन्होंने पुरुषों और महिलाओं की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हवा में गोलियां चलाईं। पुलिस ने कहा कि लेकिन मरीज और अन्य दो लोगों को भीड़ ने मार डाला और बाद में इरोइसेम्बा में एम्बुलेंस में आग लगा दी। सीबीआई को सौंपे गए 20 मामलों में से एक मेइती महिला का भी मामला है, जिसने दावा किया था कि तीन मई को अज्ञात आदिवासी कुकी नेताओं ने उससे बलात्कार किया था। अधिकारियों ने कहा कि यह एक जटिल मामला है क्योंकि जिस गांव में उसने बलात्कार किए जाने का दावा किया, वहां के अधिकारियों ने आरोपों से इनकार किया है और एक बयान जारी किया है। महिला ने दावा किया था कि तीन मई को चुराचांदपुर जिले के खुमुजाम्बा के पास उसका यौन उत्पीड़न किया गया था और बिष्णुपुर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हालांकि, गांव के अधिकारियों ने एक बयान जारी कर उसके दावे को खारिज कर दिया और कहा कि वह एक समय अपने परिवार के साथ चुराचांदपुर जिले के नगाथल गांव में रहती थी, लेकिन पांच साल पहले उसने अपने पति के साथ यह क्षेत्र छोड़ दिया था क्योंकि उस पर भारी कर्ज हो गया था। बयान में कहा गया है कि तब से परिवार गांव नहीं लौटा।

दिल्ली में...

के माध्यम से 25 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर उसे बेचेंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को लगभग 10 मोबाइल वैन भेजी जाएंगी और धीरे-धीरे और क्षेत्रों को कवर किया जाएगा। जोसफ ने कहा कि थोक बाजारों में बफर प्याज मंडी दर पर बेचा जा रहा है, जबकि खुदरा बाजारों में 25 रुपए प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर बेचा जा रहा है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 21 अगस्त, 2023

डेनमार्क भी देगा यूक्रेन को लड़ाकू विमान

● नीदरलैंड के बाद एफ-16 लड़ाकू विमान देने की पेशकश की

भाषा। आइंडहोवेन (नीदरलैंड)

नीरदरलैंड और डेनमार्क ने रविवार को घोषणा की कि उनका देश 19 एफ-16 लड़ाकू विमान यूक्रेन को दान में देगा। बहुप्रतीक्षित घोषणा के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह देश की सेनाओं का उत्साह बढ़ाने के लिए अहम घोषणा है और इससे रूस का मुकाबला करने में मदद मिलेगी। नए लड़ाकू विमान देने की पेशकश यूक्रेन के एक सिनेमाघर पर रूस के मिसाइल हमले के एक दिन बाद की गई है। यूक्रेन में रूस के हमले से उत्तरी शहर चेर्नीहीव में छह साल की बच्ची सहित सात लोग मारे गए थे और लगभग 150 अन्य घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने हमले का बदला लेने की कसम खाई थी। यूक्रेनी वायुसेना को मजबूत करने के लिए जेलेंस्की महीनों से सहयोगी देशों से एफ-16 देने का अनुरोध कर रहे थे। अमेरिका ने हाल ही में नीदरलैंड और डेनमार्क को यूक्रेन को अमेरिका निर्मित लड़ाकू विमान देने की मंजूरी दी थी। इन विमानों को हासिल करने के तौर-तरीके को अंतिम रूप देने के लिए जेलेंस्की ने रविवार को दोनों देशों की यात्रा की।जेलेंस्की ने कहा, एफ-16 निश्चित रूप से सैनिकों और नागरिकों को नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और प्रेरणा देगा। मुझे यकीन है कि इससे यूक्रेन और पूरे यूरोप के लिए नए नतीजे सामने आएंगे। यूक्रेन को उम्मीद है कि हवाई हमले की क्षमता प्राप्त करने के बाद क्रेमलिन की सेना के खिलाफ जवाबी कार्वाई की जा सकेगी जिससे उसे बढ़त मिलेगी। अब तक उसके सैनिकों को रूसी विमानों और तोपखाने की दया पर निर्भर रहना पड़ रहा है। यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि ए लड़ाकू विमान कितनी जल्दी यूक्रेन को मिलेंगे या यूक्रेन के आसमान में होंगे। यह इस बात पर निर्भर करता है कि यूक्रेन कितनी जल्दी इन विमानों के परिचालन के लिए बुनियादी ढांचा तैयार करता है। नीदरलैंड के प्रधानमंत्री मार्क रूट ने जेलेंस्की से बातचीत में लड़ाकू विमान देने की पेशकश की थी। रूट ने आइंडहोवेन के हवाई अड्डे पर जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान कहा था कि कुछ शर्तें पूरी होने के बाद विमानों की आपूर्ति की जाएगी। यह घोषणा रूट और जेलेंस्की द्वारा हवाई अड्डे पर एक हैंगर में खड़े दो एफ-16 लड़ाकू विमानों का निरीक्षण करने के बाद की गई। यूक्रेन लंबे समय से अत्याधुनिक लड़ाकू विमान की मांग कर रहा है ताकि उसे युद्ध में बढ़त मिल सके।रूट ने कहा, हम चाहते हैं कि ए विमान यथाशीघ्र सक्रिय और क्रियाशील हों। ... अगले महीने के लिए नहीं, यह असंभव है, लेकिन उम्मीद है कि इसके तुरंत बाद। रूट से मुलाकात के कुछ घंटे के बाद जेलेंस्की ने डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन, रक्षामंत्री और युवरानी मैरी से दक्षिणी डेनमार्क के स्कराईडस्ट्रप हवाई ठिकाने पर मिले। फ्रेडरिक्सन ने कहा कि डेनमार्क यूक्रेन को 19 एफ-16 जेट उपलब्ध कराएगा।

जेलेंस्की ने चेर्नीहीव हमले का बदला लेने का संकल्प लिया

अपनी पत्नी के साथ जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने देश के उत्तरी शहर चेर्नीहीव मे एक रूसी मिसाइल हमले का कड़ा जवाब देने का रविवार को संकल्प लिया। एक दिन पहले हुए इस हमले मे सात लोग मारे गए और करीब 150 अन्य घायल हुए है। जेलेंस्की ने स्वीडन यात्रा के समापन पर रविवार तड़के प्रसारित एक वीडियो संबोधन मे कहा, मै आश्वस्त हूं कि हमारे सैनिक इस आतंकी हमले का रूस को जवाब देंगे। कड़ा जवाब देंगे। पिछले महीने लिथुआनिया मे उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के शिखर सम्मेलन मे शरीक होने के बाद से यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। उन्होने हमले मे मारी गई सोफिया नाम की छह वर्षीय एक बच्ची का जिक्र किया और घायलो मे 15 बच्चों के शामिल होने की पुष्टि की। चेर्नीहीव क्षेत्र के गवर्नर व्याचेस्लाव चौस ने रविवार को कहा कि घायलो की कुल संख्या बढ़ कर 148 हो गई है। खार्कीव के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह साइनीहुबोव के मुताबिक, रूसी सैनिको ने रविवार सुबह कुपियांस्क शहर पर गोलाबारी की, जिसमे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जेलेंस्की रविवार को नीदरलैड पहुंचे। इसके दो दिन पहले नीदरलैड ने कहा था कि अमेरिका ने डच और डेनिश अधिकारियो को यूक्रेन की वायुसेना को एफ-16 लड़ाकू विमानो की आपूर्ति करने की अनुमति दे दी है। प्रधानमंत्री मार्क रूट ने जेलेंस्की से कहा कि नीदरलैड और डेनमार्क, यूक्रेन को एफ-16 लड़ाकू विमान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। रूट ने कहा कि कुछ शर्ते पूरी होने के बाद विमानो की आपूर्ति की जाएगी। यह घोषणा रूट और जेलेंस्की द्वारा हवाई अड्डे पर एक हैगर मे खड़े दो एफ-16 लड़ाकू विमानो का निरीक्षण करने के कुछ देर बाद की गई। यह पेशकश ऐसे वक्त की गई है, जब दो दिन पहले नीदरलैड और डेनमार्क ने कहा था कि अमेरिका ने उन्हें यूक्रेन को अमेरिकी निर्मित एफ-16 युद्धक विमान देने के लिए अधिकृत किया है।इस बीच, रविवार को रूस मे, पांच लोग उस वक्त घायल हो गए जब एक यूक्रेनी ड्रोन ने कुर्स्क शहर पर एक रेलवे स्टेशन को निशाना बनाया।

माली के एक गांव में बंदूधारियों ने हमला कर 23 लोगों की हत्या की

बमाको (माली)। माली के एक गांव में बंदूकधारियों ने हमला कर कम से कम 23 लोगों की हत्या कर दी जबकि 12 अन्य को घायल कर दिया। अधिकारियों ने रविवार को इसकी जानकारी दी। बंदियागारा क्षेत्र के गवर्नर सिदी मोहम्मद अल बशीर ने बताया कि यारोउ गांव में शुक्रवार को अज्ञात हमलावरों ने दर्जनों लोगों की हत्या कर दी और कई घरों में आग लगा दी। क्षेत्रीय युवा संगठन के अध्यक्ष अमादोउ तूलू ने रविवार को बताया, हमलावर शाम 7 बजे तक गांव में रहे। उन्होंने गांव के कुछ हिस्से को जला दिया। दुकानों को क्षतिग्रस्त कर दिया और ग्रामीणों के मवेशियों को ले गए। उन्होंने कहा कि अब तक इस हमले की जिम्मेदारी किसी भी संगठन ने नही ली है। मध्य और उत्तर माली मे रहने वाले समुदाय के लोग 2012 से ही सशस्त्र हिंसा का सामना कर रहे है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादी हमले में 11 मजदूरों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में आतंकवादी हमले में कम से कम 11 मजदूरों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया की खबरों में रविवार को यह जानकारी दी गई। जियो न्यूज ने उपायुक्त रेहान गुल खट्टक के हवाले से बताया कि आतंकियों ने शनिवार को शावाल तहसील के गुल मीर कोट के पास 16 मजदूरों को ले जा रहे एक वाहन को विस्फोट करके उड़ा दिया। खट्टक ने बताया कि एक निर्माणाधीन सरकारी इमारत में काम करने वाले कम से कम 11 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए और तीन लापता है। अधिकारियों ने बताया कि ए मजदूर माकिन और वाना तहसील से ताल्लुक रखते थे। घायलो को पास के अस्पताल में ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि लापता श्रमिको का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे पहले शनिवार को अपर साउथ वजीरिस्तान के माकिन तहसील मे असामाजिक तत्वो ने बम निरोधक दस्ते के वाहन पर रॉकेट दागा था जिसमे चार कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

अमेरिका ने निकारागुआ के 100 से अधिक अधिकारियों के वीजा रद्द किए

मेक्सिको सिटी। अमेरिका के विदेश विभाग ने निकारागुआ के राष्ट्रपति डेनियल ओर्टेगा की सरकार का समर्थन करने के लिए मध्य अमेरिकी देश के 100 से अधिक अधिकारियो पर शनिवार को वीजा पाबंदियां लगाई। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि उनके कार्यालय ने निकारागुआ के उन 100 अधिकारियों पर वीजा पाबंदियां लगाने के लिए कदम उठाए है जिन्होंने निकारागुआ के नागरिकों के मानव अधिकारों का दमन किया और लोकतंत्र को कमजोर किया। उन्होंने कहा, हम सरकार से बिशप रोलैंडो अल्वारेज तथा अनुचित तरीके से हिरासत में लिए सभी लोगो को बिना किसी शर्त के तत्काल रिहा करने की मांग करते है। निकारागुआ सरकार के कट्टु आलोचक बिशप रोलैंडो अल्वारेज को सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियो की कथित तौर पर मदद करने के लिए ओर्टेगा सरकार ने जेल मे डाल दिया है। उन्हें 26 साल की सजा सुनाई गई है। ओर्टेगा ने 2021 के चुनाव मे लगातार चौथी बार जीतने के लिए विपक्ष के कई नेताओं को भी जेल में डाल दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने पहले भी निकारागुआ के शीर्ष अधिकारियों के साथ ही विपक्षी नेताओं तथा सांसदो को सजा सुनाने वाले न्यायाधीशों के वीजा रद्द किए थे।

अल्वी ने सरकारी गोपनीयता, थलसेना विधेयकों पर हस्ताक्षर करने से इनकार किया

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में एक नाटकीय घटनाक्रम के तहत राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने सरकारी गोपनीयता (संशोधन) विधेयक,2023, और पाकिस्तान थलसेना (संशोधन) विधेयक, 2023 पर हस्ताक्षर करने से रविवार को इनकार कर दिया। साथ ही, दावा किया कि यह जानकर वह स्तब्ध हैं कि उनके कर्मचारियों ने उनके आदेशों की अनदेखी की और निर्धारित समय के अंदर अहस्ताक्षरित विधेयकों को लौटाने में नाकाम रहे। राष्ट्रपति अल्वी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किए गए अपने बयान में दावा किया कि उन्होंने अपने स्टाफ को अहस्ताक्षरित विधेयक निर्धारित समय के अंदर लौटाने का निर्देश दिया था, ताकि उसे निष्प्रभावी किया जा सके। अल्वी ने कहा, खुदा गवाह है कि मैंने सरकारी गोपनीयता संशोधन विधेयक, 2023 और पाकिस्तान थलसेना संशोधन विधेयक,2023 पर हस्ताक्षर नहीं किए क्योंकि मैं इन कानूनों से असहमत था। अल्वी, राष्ट्रपति बनने से पहले जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ से संबद्ध थे। उन्होंने कहा, मैंने अपने कर्मचारी से अहस्ताक्षरित विधेयकों को निर्धारित समय के अंदर लौटाने को कहा था, ताकि उन्हें निष्प्रभावी किया जा सके। मैंने उनसे कई बार पूछा था कि क्या उन्हें लौटा दिया गया है? उन्होंने कहा, मैंने आज पाया कि मेरे कर्मचारी ने मेरे आदेश की अनदेखी की। उनके बयान से एक दिन पहले स्थानीय मीडिया में आई खबर में कहा गया था कि राष्ट्रपति ने दोनों विधेयकों पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी, खान के एक करीबी सहयोगी को पिछले साल एक गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक होने के सिलसिले में सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत शनिवार रात गिरफ्तार किए जाने के बाद विधेयक के कानून का रूप लेने की खबर आई थी। राष्ट्रपति भवन से कोई बयान नहीं जारी किया गया है। कानून मंत्रालय ने राष्ट्रपति के पोस्ट को लेकर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि उन्हें अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मंत्रालय ने कहा, संविधान के अनुच्छेद 75 के मुताबिक, जब एक विधेयक मंजूरी के लिए भेजा जाता है, राष्ट्रपति के पास दो विकल्प होते हैं: या तो मंजूरी दें या विषय को कुछ टिप्पणी के साथ संसद को भेज दें।

पाकिस्तानी अधिकार कार्यकर्ता एवं नेता सरकारी मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए गिरफ्तार

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी मानवाधिकार अधिवक्ता इमान मज़ारी और पूर्व जनप्रतिनिधि अली वज़ीर को रविवार को अधिकारियों ने गैरकानूनी सभा, प्रतिबंध और सरकारी मामलों में हस्तक्षेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। बाद में दोनों को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।मजारी और वजीर की गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी सहयोगी, पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को गोपनीय राजनयिक केबल के लीक होने के मामले में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत एक दिन पहले हिरासत में लिया गया था। मानवाधिकार मामलों की पूर्व मंत्री शिरीन मजारी की बेटी इमान और वजीर को जातीय पश्तून के अधिकारों की वकालत करने वाले पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट (पीटीएम) द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के दो दिन बाद रविवार सुबह इस्लामाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों को इन दोनों की जांच के तहत तलाश थी। प्राथमिकी के अनुसार, दोनों को धरना देने, प्रतिबंध और सरकारी मामलों में हस्तक्षेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, प्राथमिकी में कहा गया है कि 700 से 800 लोग उपस्थित थे और लाठियों और हथियारों से भी लैस कुछ लोगों ने प्राधिकारियों की अवहेलना करने और राजधानी की ओर मार्च करने का प्रयास किया।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत गिरफ्तार

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के निकट सहयोगी एवं पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को गोपनीय राजनयिक दस्तावेज लीक होने के आरोप में सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत शनिवार को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के उपाध्यक्ष कुरैशी (67) को शनिवार रात को गिरफ्तार किया गया और उसके तुरंत बाद संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के मुख्यालय में ले जाया गया। कुरैशी को आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि विदेश मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने अमेरिका में पाकिस्तानी दूतावास की ओर से विदेश कार्यालय को भेजे गए आधिकारिक दस्तावेज की गोपनीयता भंग की। कुरैशी को रविवार को एक सत्र अदालत में पेश किया गया जहां उन्हें एक दिन की एफआईए की हिरासत में भेज दिया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट एहतिशाम आलम खान ने आदेश जारी करते हुए एफआईए से पूर्व विदेश मंत्री को सोमवार को अदालत में पेश करने का निर्देश दिया। कुरैशी ने रिमांड पर भेजे जाने से पहले मीडिया से कहा, मैंने किसी असंबंधित व्यक्ति को ऐसा कोई दस्तावेज साझा नहीं किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के किसी गोपनीयता कानून से समझौता नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जिम्मेदारीपूर्वक काम किया है उन्होंने कहा, यह राजनीति से प्रेरित मामला है। पूर्व प्रधानमंत्री खान ने कई बार उन्हें पिछले वर्ष अप्रैल में प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने में विदेशी साजिश के सबूत के तौर पर लापता दस्तावेज का जिक्र किया है।

पूर्वी वॉशिंगटन में जंगल में आग से एक की मौत, 185 ढांचे क्षतिग्रस्त

भाषा। मेडिकल लेक (अमेरिका)

पूर्वी वाशिंगटन में हवा से भड़की जंगल की आग से एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 185 ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। आग के करण एक प्रमुख राजमार्ग बंद करना पड़ा है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्राकृतिक संसाधन विभाग की प्रवक्ता इसाबेल होयगार्ड ने बताया कि स्पोकेन काउंटी से लगभग 24 किलोमीटर दूर मेडिकल लेक शहर के पश्चिमी छोर पर शुक्रवार दोपहर आग की लपटें उठनी शुरू हुईं थीं। इसके बाद आग ने विकराल रूप ले लिया और शनिवार को यह लगभग 38 वर्ग किलोमीटर में फैल गई। काफी मकान और अन्य संरचनाएं आग से तबाह हो गईं। होयगार्ड ने बताया कि तेज हवाओं के कारण आग और फैल सकती है इसीलिए लोगों को सुरक्षित निकालने के आदेश दिए जा चुके हैं। आग के कारण राजमार्ग इंटरस्टेट 90 को बंद करना पड़ा है। परिवहन विभाग ने अपने वेबपेज पर कहा, राजमार्ग के दोनों तरफ आग की लपटें उठ रही हैं। होयगार्ड ने बताया कि अभी तक आग के कारण एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है। इस संबंध में ज्यादा जानकारी जारी नहीं की गई है। शहर से सुरक्षित निकाले गए लोगों को रातभर एक हाईस्कूल में आश्रय दिया गया।

न्यूजीलैंड में आएंगे हजारों प्रवासी पक्षी, बर्ड फ्लू खतरा

भाषा। ड्यूनडिन

बर्ड फ्लू बीमारी के प्रकोप से पूरी दुनिया प्रभावित है और न्यूजीलैंड को इसके संभावित तौर पर देश में दस्तक देने से पहले खुद को तैयार रखना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में, अधिक से अधिक पक्षी इस घातक वायरस के नए उप प्रकारों के साथ यहां आए हैं क्योंकि यह नई प्रजातियों को संक्रमित करने के लिए विकसित हो रहे हैं। यह अब जलीय पक्षियों के बीच पैनजूटिक (जानवरों की एक महामारी) का कारण बन रहा है। यह वायरस, जिसे अत्यधिक संक्रामक एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस के रूप में जाना जाता है, संभवतः पहले ही दुनिया भर में हजारों पक्षियों को मार चुका है (सटीक संख्या का अनुमान लगाना मुश्किल है)। इसके अलावा, स्तनधारियों जैसे गैर-पक्षी जीवों में इसका फैलाव आम होता जा रहा है।मानव में बर्ड फ्लू के केवल कुछ मामले सामने आए हैं लेकिन बिल्लियों, लोमड़ी और जलसिंह (सी लायन) में संक्रमण की दर चिंताजनक है। पिछले 20 वर्षों के दौरान अत्यधिक संक्रामक बर्ड फ्लू फैलाने वाले वायरस के उप प्रकारों का प्रसार अंतरमहाद्वीपीय स्तर पर हुआ है। इसके बावजूद न्यूजीलैंड में अभी तक कोई भी इससे संक्रमण का मामला दर्ज नहीं किया गया है। ऑस्ट्रेलिया को भी इस वायरस से मुक्त माना जाता है, हालांकि कुछ साल पहले ऐसा माना जाता था कि मुर्गियों में वायरस के एक उपस्वरूप का विकास स्थानीय मुर्गियों में हुआ है। एक कारण जिससे हम अभी तक पर जोर देते हैं, वह यह है कि प्रत्एक वसंत ऋतु में, हजारों प्रवासी पक्षी एओटेरोआ न्यूजीलैंड में आते हैं। क्या वे पक्षी इन्फ्लूएंजा वायरस के इन घातक प्रकारों को अपने साथ लाएंगे? इस प्रकार का एक अवांछित वायरल आने से हमारी जैव पारिस्थितिकी और उद्योगों के लिए विनाशकारी साबित हो सकते हैं। कैसे न्यूजीलैंड में भी बर्ड फ्लू दे सकता है दस्तक परंपरागत रूप से यह माना जाता है कि न्यूज़ीलैंड को अत्यधिक संक्रामक एवियन इन्फ्लूएंजा से कम खतरा है। ऐसा माना जाता है कि हम अन्य भूभागों से बहुत दूर हैं और उन मार्गों पर नहीं हैं जिन पर आमतौर पर प्रवासी प्रवास के लिए जाते हैं। ऐसा माना जाता है कि कोई भी प्रवासी समुद्री पक्षी जो आमतौर पर न्यूजीलैंड में उतरते हैं, हमारे तटों तक पहुंचने से पहले इस बीमारी से मर जाते हैं। लेकिन कुछ पक्षी बिना लक्षण वाले संक्रमण से प्रभावित हो सकते हैं, यहां तक कि ऐसे उप प्रकार भी आमतौर पर अत्यधिक संक्रामक होते हैं।इसके अलावा, समुद्री स्तनधारियों सहित संक्रमण को प्रसारित करने वाले अतिसंवेदनशील प्रजातियों के हालिया विस्तार से यह खतरा बढ़ गया है कि कुछ प्रजातियां यहां वायरस का प्रसार कर सकती हैं। जहां तक भौगोलिक विस्तार की बात है, तो अनुसंधान से ज्ञात हुआ कि पक्षियों का प्रवास यूरोप से लेकर अटलांटिक के पार अमेरिका और साथ ही पूरे यूरेशिया में वायरस फैलाने के लिए जिम्मेदार है। ऐसी परिस्थिति में न्यूज़ीलैंड क्यों नहीं? क्या हम सचमुच बहुत दूर हैं?महामारी को रोकने के लिए कैसी तैयारी करें- यदि यह अत्यधिक संक्रामक एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस आ जाता है, तो न्यूजीलैंड उतना तैयार नहीं है जितना वह हो सकता था। इसका प्रमुख कारण यह है कि हमारे पास वन्यजीवों की वायरस संबंधी निगरानी की उतनी सक्रिय व्यवस्था नहीं है। न्यूजीलैंड कई प्रकार की बीमारियों के लिए गाय, भेड़ और मुर्गी सहित पशुधन की निगरानी करता है। लेकिन लोगों और गैर-कुक्कुट पशुधन पर इस वायरस का प्रभाव न्यूनतम होने की संभावना है। पहला संकेत समुद्री पक्षियों या समुद्री स्तनधारियों की मृत्यु हो सकता है। हालांकि न्यूजीलैंड शायद कीवी या काकापो जितना प्रतिष्ठित नहीं है, लेकिन यह बड़ी संख्या में समुद्री पक्षियों का घर है जो ग्रह पर और कहीं नहीं पाए जाते हैं। कुछ प्रजातियां, जैसे तारा इति (या फेयरी टर्न) लुप्तप्राय हैं।

पाकिस्तान की पूर्व मानवाधिकार मंत्री शिरीन मजारी की बेटी गिरफ्तार

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की पूर्व मानवाधिकार मंत्री शिरीन मजारी की बेटी इमान मजारी को रविवार सुबह यहां उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। तरनूल थाने के एक अधिकारी ने बताया कि युवा वकील और कार्यकर्ता इमान मजारी पर सरकारी मामलों में दखल देने, धरना प्रदर्शन तथा विरोध करने के आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया है। उनकी मां शिरीन मजारी ने गिरफ्तारी को अपहरण बताया और कहा कि सादे कपड़ों में आए लोग हमारे घर के मुख्य दरवाजे को तोड़ने के बाद मेरी बेटी को अपने साथ ले गए। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा, वे हमारे सुरक्षा कैमरे और उसका लैपटॉप तथा मोबाइल फोन ले गए। हमने पूछा कि वे किसके लिए आए हैं और वे इमान को खींचकर बाहर ले गए। उन्होंने घर के कोने-कोने की तलाशी ली। मेरी बेटी नाइट ड्रेस में थी और उसने कहा कि मुझे कपड़े बदलने दो लेकिन उन्होंने उसे बाहर घसीट लिया। जाहिर तौर पर कोई वारंट या किसी कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बस में आग लगने से 18 यात्रियों की मौत

लाहौर (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत मे रविवार को ईंधन टैंक ले जा रही एक पिक-अप वैन से टकराने के बाद एक यात्री बस मे आग लगने से महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 18 यात्रियो की मौत हो गई और 16 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि कराची से 40 यात्रियो को लेकर इस्लामाबाद जा रही बस सुबह करीब साढ़े चार बजे फैसलाबाद राजमार्ग (मोटरवे) के पिंडी भट्टियां क्षेत्र मे पिक-अप वैन से टकरा गई। मोटरवे पुलिस के महानिरीक्षक (आईजी) सुल्तान ख्वाजा ने कहा, मोटरवे के पिंडी भट्टियां क्षेत्र मे बस ने एक खड़ी वैन मे टक्कर मार दी जो ईंधन टैंक ले जा रही थी। बस ने उसे पीछे से टक्कर मारी और दोनो वाहनो मे फौरन आग लग गई जिससे कम से कम 18 यात्रियो की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 16 अन्य घायलो को नजदीकी अस्पतालो मे भर्ती कराया गया है। आईजी ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कुछ घायलो की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्होने बताया कि बस से कूदकर बाहर निकलने वाले यात्री बच गए है। अन्य लोगो को बाहर निकलने का मौका नही मिला क्योंकि दोनो वाहन आग की चपेट मे आ गए थे। दोनो वाहनो के चालकों की भी मौत हो गई है।

संदिग्ध विमान पर खबर लिखने वाले मिस्र के पत्रकार को हिरासत में लिया गया

काहिरा। तथ्यो की जांच करने वाले एक मंच के लिए काम करने वाले एक पत्रकार को जाम्बिया मे एक विमान और उसमे लदा समान जब्त किए जाने के मामले की कवरेज करने के बाद हिरासत मे लिया गया है। पत्रकार को हिरासत मे लिए जान की पुष्टि करते हुए मंच ने बताया कि विमान को काहिरा मे उतरने के बाद जाम्बिया मे जब्त किया गया था। मंच मात्स्दा2श या डोंट बिलिव द्वारा जारी बयान के अनुसार, सुरक्षा बलो ने करीम असद को पूर्वी काहिरा के अल-शोरूक स्थित उनके आवास से शनिवार को गिरफ्तार किया। बयान मे मंच ने आरोप लगाया है कि असद को हिरासत मे लेने के दौरान सुरक्षा बलो ने पत्रकार की पत्नी की पिटाई की और उनके बच्चे को धमकी दी। बयान के अनुसार, असद को कहां ले जाया गया है, उसकी सूचना नही है। सरकार की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई प्रतिक्रिया नही आई है। मंच ने कहा कि सुरक्षा बलो ने काहिरा मे रूकने के बाद जाम्बिया मे जब्त किए गए संदिग्ध विमान पर विस्तृत कवरेज के बारे मे असद से सवाल किया। जाम्बिया के प्रशासन ने बताया कि प्रशासन को संदिग्ध विमान से 50 लाख से ज्यादा अमेरिकी डॉलर और जस्ता, तांबा तथा निकेल मिला हुआ 100 किलोग्राम से ज्यादा संदिग्ध सोना बरामद हुआ है।

बांग्लादेश में चुनाव से पहले विपक्षी कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस की झड़प, सैकड़ों लोग घायल

ढाका। पूर्वोत्तर बांग्लादेश मे आगामी चुनाव की निगरानी को लेकर मचे राजनीतिक घमासान के बीच पुलिस ने विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर करने के लिए लाठी चार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। बांग्लादेश मे अगले साल जनवरी महीने मे आम चुनाव होने की उम्मीद है। पुलिस और कार्यकर्ताओं ने रविवार को यह जानकारी दी। यहां से प्रकाशित बंगाली भाषा के प्रमुख अखबार प्रोथोम अलो के मुताबिक, शनिवार शाम को हुई झड़प मे लगभग 300 लोग घायल हो गए। कुछ लोगो को गोलियां लगी है। अखबार के अनुसार पुलिस ने पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के समर्थकों पर गोलियां बरसाईं। यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश एजेंसी ने बताया कि हबीगंज शहर में हुई झड़पों मे पुलिस अधिकारियों सहित लगभग 150 लोग घायल हो गए। हबीगंज जिले के एक पुलिस अधिकारी पलाश रंजन डे ने बताया कि पुलिस को कार्वाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा क्योंकि विपक्षी कार्यकर्ताओं ने पुलिस बैरिकेड तोड़ने की कोशिश करते हुए अचानक उन पर हमला कर दिया। जिया की पार्टी प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे और अगले आम चुनाव तक एक गैर-राजनीतिक पार्टी कार्यवाहक सरकार को सत्ता हस्तांतरित करने की मांग कर रही है। जिया की पार्टी और उसके सहयोगियों ने हसीना पर 2018 के चुनाव मे धांधली का आरोप लगाया है

अमेरिका में भारतीय दंपति और बेटे का शव मिला

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मैरीलैंड मे एक भारतीय दंपति और उनके छह वर्षीय बेटे का शव मिला है। पुलिस को इसके दोहरी हत्या या आत्महत्या का मामला होने का संदेह है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि तीनो लोग कर्नाटक के है और शुक्रवार को अपने बाल्टीमोर काउंटी स्थित घर मे मृत पाए गए। उनके शरीर पर गोली के जख्म है। मृतकों की पहचान योगेश एच. नागराजप्पा(37), प्रतिभा वाई. अमरनाथ(37) और यश होन्नल(6) के रूप मे हुई है। पुलिस ने बताया कि ऐसा माना जा रहा है कि वे पति-पत्नी और उनका बेटा है। द बाल्टीमोर सन अखबार ने बाल्टीमोर काउंटी के पुलिस प्रवक्ता एंथनी शेल्टन के हवाला से अपनी खबर मे कहा, प्रारंभिक जांच के आधार पर यह मामला दोहरी हत्या-आत्महत्या का लग रहा है, जिसे नागराजप्पा ने अंजाम दिया है। शेन्टन ने बताया कि तीनो के शरीर मे गोली लगी है।पुलिस ने बताया कि परिवार के सदस्यो को कथित तौर पर आखिरी बार मंगलवार शाम को जीवित हालत मे देखा गया था।

नाइजर: अपदस्थ राष्ट्रपति को बहाल करने से इनकार के बाद विद्रोहियों पर क्षेत्रीय प्रतिबंधों का दबाव

नियामी। नाइजर मे विद्रोही सैनिक क्षेत्रीय प्रतिबंधो का सामना कर रहे है क्योंकि उन्होंने देश के राष्ट्रपति को पद पर बहाल करने से इनकार कर दिया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नाइजर में सैन्य तख्तापलट करते हुए लगभग एक महीने पहले राष्ट्रपति मोहम्मद बजौम को अपदस्थ कर दिया गया था।नाइजर के नए सैन्य शासन और पश्चिम अफ्रीकी क्षेत्रीय गुट ईसीओडब्ल्यूएएस के एक प्रतिनिधिमंडल के बीच शनिवार की बैठक के बाद अधिकारी ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि देश के गहराते संकट का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के उद्देश्य से लगभग दो घंटे की चर्चा से कोई नतीजा नही निकला और अगले कदमो को लेकर कोई स्पष्ट स्थिति नही थी।उन्होंने बताया कि यह पहली बार था जब जुंटा (सैन्य शासन) के प्रमुख जनरल अब्दुर्रहमान त्चियानी ने प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। तख्तापलट के बाद सैन्य शासन के तहत गुट के तीन अन्य देशो गिनी, माली और बुर्किना फासो को शामिल नही किया गया था। ईसीओडब्ल्यूएएस ने 10 अगस्त को नाइजर में संवैधानिक शासन बहाल करने के लिए अतिरिक्त बल की तैनाती का आदेश दिया था। अधिकारी ने कहा कि बातचीत के दौरान त्चियानी ने तख्तापलट के बाद ईसीओडब्ल्यूएएस द्वारा लगाए गए आर्थिक और यात्रा प्रतिबंधो को हटाने पर जोर दिया।उन्होंने बताया कि त्चियानी ने कई बार चिंता व्यक्त की कि उसका पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस सक्रिय रूप से हमले की योजना बना रहा था।

जापान के पीएम किशिदा ने फुकुशिमा संयंत्र का दौरा किया

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रविवार को सुनामी से क्षतिग्रस्त फुकुशिमा परमाणु संयंत्र का दौरा किया और कहा कि प्रशांत महासागर में उपचारित रेडियोधर्मी अपशिष्ट जल छोड़ने का आसन्न कार्य स्थगित नही किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सुरक्षित कदम है, लेकिन उनकी सरकार दशको पुरानी परियोजना के दौरान मछली पकड़ने वाले समुदायो को नुकसानदायक अफवाहो के संभावित प्रभावों से बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। जापान के प्रधानमंत्री ने कैंप डेविड स्थित अमेरिकी प्रेशिडेंशियल रिट्रीट में अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया के नेताओ के साथ शिखर सम्मेलन मे हिस्सा लेकर वापस लौटने के कुछ ही घंटे बाद फुकुशिमा संयंत्र का दौरा किया। वाशिंगटन से रवाना होने से पहले शुक्रवार को किशिदा ने कहा था कि उपचारित पानी छोड़ने को लेकर विवाद की वजह से उसकी तारीख तय नही की गई है, लेकिन अब तारीख निर्धारित करने पर फैसला लेने का यह उपयुक्त समय है।

ब्रिक्स सहयोग में तेजी आने के बीच क्या अमेरिका के लिए ब्रिक्स नीति विकसित करने का समय आ गया है?

फेयरफील्ड (अमेरिका)। उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओ वाले ब्रिक्स समूह के नेताओं की आगामी 22 अगस्त से दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग मे दो दिवसीय बैठक शुरू होगी और इसमें कोई संदेह नही है कि अमेरिका मे विदेश नीति निर्माताओ की इस बैठक पर करीबी नजर होगी। ब्रिक्स समूह में पांच देश रूस, ब्राजील, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल है। ब्रिक्स समूह हाल के वर्षों में अमेरिकी वैश्विक नेतृत्व के कुछ प्रमुख सिद्धांतो को चुनौती दे रहा है। राजनयिक मोर्चे पर, इसने रूस पर पश्चिमी देशो द्वारा लगाए गए प्रतिबंधो का मुकाबला करके यूक्रेन पर अमेरिका की रणनीति को कमजोर कर दिया है।समूह अब 23 औपचारिक उम्मीदवारों के साथ इसका विस्तार करने पर विचार कर रहा है। यदि ब्रिक्स ईरान, क्यूबा या वेनेजुएला को स्वीकार करता है तो संभवतः समूह की अमेरिका विरोधी स्थिति मजबूत होगी।

पाकिस्तान के इसाइयों पर हुए हमले के विरोध में प्रदर्शन करते इसाई लोग

परिवारवाद की राजनीति जहर है : शाह

भाषा। भोपाल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को परिवारवाद की राजनीति को जहर करार देते हुए कहा कि इस व्यवस्था के तहत किसी पार्टी और उसके नेतृत्व वाली सरकार पर नियंत्रण एक ही परिवार के हाथ में रहता है। शाह ने समाजवादी पार्टी (सपा), कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) पर परिवारवादी राजनीति में शामिल होने का आरोप लगाया। शाह ने कांग्रेस पर 2015 के बाद से मध्य प्रदेश और कुछ अन्य राज्यों में "जातिवाद का जहर फैलाने" के लिए "जाति आधारित आंदोलनों" को प्रायोजित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने इसे 2018 में मप्र विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हार का कारण बताया।शाह मप्र की अपनी एक दिवसीय यात्रा के दौरान यहां पत्रकारों से बात कर रहे थे। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने वर्ष 2003 से 2023 तक मध्य प्रदेश सरकार का रिपोर्ट कार्ड जारी किया। मप्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। एक सवाल का उत्तर देते हुए शाह ने कहा, मैं किसी नेता का नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन कांग्रेस, सपा, द्रमुक, शिवसेना (यूबीटी) की परिवारवादी राजनीति का मतलब है कि पार्टी और सरकार में केवल एक ही परिवार के सदस्य आएंगे। इसे ही परिवारवादी राजनीति कहा जाता है। भाजपा नेताओं के परिवार के सदस्यों को टिकट देने का बचाव करते हुए शाह ने कहा, कहीं-कहीं कुछ लोगों को योग्यता के आधार पर टिकट दिए गए हैं। ऐसा कहकर परिवारवादी राजनीति के मुद्दे को कमजोर ना करें...यह जहर है। जब दल एक परिवार की जागीर बन जाएंगे तो जमीनी स्तर से आने वालों के लिए क्या जगह होगी? उन्होंने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की कोई राजनीतिक पारिवारिक पृष्ठभूमि नहीं थी। मैं पार्टी का अध्यक्ष बन गया, मेरे परिवार में कोई भी राजनीति में नहीं था। भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा जी के परिवार की कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है। मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी की पृष्ठभूमि क्या है? उन्होंने कहा, कांग्रेस के एजेंडे को घुमा फिराकर क्रांति खड़ी मत करिए। परिवारवाद बहुत स्पष्ट है, पार्टी और सत्ता पर नियंत्रण एक परिवार के हाथ में रहना। उसको परिवारवाद कहते हैं। यह पूछे जाने पर कि अगर साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा सत्ता बरकरार रखती है तो क्या चौहान मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इसके जवाब में शाह ने कहा, "आप पार्टी का काम क्यों कर रहे हैं? हमारी पार्टी अपना काम करेगी। शिवराज जी मुख्यमंत्री हैं और हम चुनाव में हैं...मोदी जी और शिवराज जी के विकास कार्यों को जनता के बीच ले जाएं। अगर कांग्रेस ने कोई विकास किया है तो उसे भी उजागर करें। कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के मद्देनजर मध्य प्रदेश में भाजपा की संभावनाओं के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में शाह ने मणिपुर, असम और उत्तर प्रदेश का उदाहरण दिया, जहां पार्टी ने लगातार चुनाव जीते और मोदी के नेतृत्व में केंद्र में भी जीत हासिल की। हम हार का सामना करके एक पार्टी बन गए हैं। 1950 में हमारे पास कुछ भी नहीं था, लेकिन अब पंचायत से संसद तक हमारी जीत की दर सबसे अच्छी है। यह हमारे नेता नरेन्द्र मोदी थे, जिन्होंने 30 साल के अंतराल के बाद दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। जब उनसे कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा भाजपा पर लगाए गए आरोपों के बारे में पूछा गया कि मध्य प्रदेश में भी नूंह (हरियाणा) की तरह दंगे भड़काए जाएंगे, तो शाह ने कहा, "उनके मन में जो है, वह उनके मुंह से निकल रहा है।

राहुल गांधी चीन की प्रोपेगैंडा मशीनरी की तरह काम कर रहे : भाजपा

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस दावे को खारिज कर दिया कि चीन ने लद्दाख में चारागाह भूमि पर कब्जा कर लिया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी चीन की प्रोपेगैंडा मशीनरी की तरह बयान देकर भारत का अपमान कर रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने गांधी के दावों को बिल्कुल गलत बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान के कारण चीन को गलवान में पीछे हटना पड़ा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कथन कि लद्दाख की एक इंच जमीन पर भी चीन ने कब्जा नहीं किया है, सच नहीं है। लद्दाख के दौरे पर आए राहुल गांधी ने अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा, लद्दाख के लोग चीनी सेना द्वारा कब्जे में ली गई अपनी चारागाह भूमि को लेकर चिंतित हैं। राहुल गांधी के दावों पर निशाना साधते हुए प्रसाद ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, आपने (गांधी ने) लद्दाख के बारे में जो कुछ भी कहा है वह बिल्कुल गलत है... मैं पार्टी की ओर से आपके पूरे बयान की निंदा करता हूं। भाजपा नेता ने कहा, राहुल गांधी जी, आप गलवान में हमारे सैनिकों की वीरता और बलिदान पर सवाल उठा रहे हैं[8230]। आप वहां जाकर भारत को बदनाम क्यों करते हैं? आप चीन की प्रोपेगैंडा मशीनरी क्यों बन जाते हैं? उन्होंने आरोप लगाया, राहुल गांधी, जब भी आप सीमावर्ती क्षेत्र का दौरा करते हैं तो आप कुछ ऐसा कहते हैं, जिससे चीन को भारत के खिलाफ दुष्प्रचार का मौका मिलता है। प्रसाद ने कहा कि भारतीय सैनिकों की बहादुरी और बलिदान के कारण चीन को गलवान में पीछे हटना पड़ा। उन्होंने पूछा, यह सच है या नहीं? प्रसाद ने आरोप लगाया, भारत-विरोधी बयान देना राहुल गांधी की आदत है। भाजपा नेता ने भारत की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर गांधी की समझ पर सवाल उठाया और कांग्रेस नेता से अपील की कि वह इस तरह की टिप्पणियों से देश का मनोबल कमजोर न करें। प्रसाद ने कहा, हम आपसे इस बात पर बहस कर सकते हैं कि आप भारत की सुरक्षा जरूरतों को कितना समझते हैं.।

क्विक न्यूज

जम्मू में धार्मिक भावनाएं आहत करने वाले नारे लगाने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू मे हाल ही मे एक रैली के दौरान एक विशेष समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाने के आरोप में पुलिस ने दो लोगो को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी पक्का डांगा थाने मे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 295-ए (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए जानबूझकर किया गया कृत्य) और 147 (दंगो के लिए सजा) के तहत प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद हुई है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को इस घटना पर जम्मू कश्मीर प्रशासन की आलोचना की और पूछा कि क्या नारे लगाने वालो के खिलाफ कोई कार्वाई की जा रही है। महबूबा ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, जब प्रशासन कश्मीर में तिरंगा यात्रा का दिखावा करने में व्यस्त था, तो जम्मू में एक और घटना हुई, जहां दक्षिणपंथी कट्टरपंथियो ने खुले तौर पर मुस्लिम नरसंहार का आह्वान किया। अपने पोस्ट में रैली का एक वीडियो साझा करते हुए जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू में रैली के दौरान भड़काऊ नारे लगाए गए। उन्होंने सवाल किया प्रशासन ने इन अपराधियो के खिलाफ क्या कार्वाई की है? रविवार को पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पुलिस मीडिया सेंटर जम्मू ने कहा कि मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और दो लोगो को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, दो आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे और भी गिरफ्तारियां होंगी। जम्मू में किसी भी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली ऐसी घटनाएं बर्दाश्त नही की जाएंगी। इस पर महबूबा ने कहा कि वह पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना करती है।

श्रीनगर में भारतीय सेना के 92 बेस अस्पताल के लिए सीटी स्कैन सेंटर का उद्घाटन

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की सीएसआर गतिविधियों की कार्यान्वयन शाखा एनएसई फाउंडेशन ने श्रीनगर जम्मूकश्मीर में भारतीय सेना के प्रतिष्ठित 92 बेस अस्पताल में एक अत्याधुनिक सीटी स्कैन विंग बनाया है। सीटी स्कैन विंग का उद्घाटन उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई 15 कोर कमांडरऔर आशीषकुमार चौहान, एमडी और सीईओए एनएसईआईएल की उपस्थिति में किया। जम्मूकश्मीर में 92 बेस अस्पताल एक 598 बिस्तरों वाला मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल है जहां कई आघात रोगियों को बंदूक की गोली के घाव छींटे और छर्रे की चोटों के साथ-साथ अन्य गंभीर चोटों के इलाज के लिए भर्ती किया जाता है जिनके लिए शीघ्र निदान की आवश्यकता होती है। उचित उपचार सुनिश्चित करने के लिए ऐसी चिकित्सा सुविधा के लिए एक कुशल और विश्वसनीय सीटी स्कैन मशीन से लैस होना जरूरी है। आपूर्ति किया गया उपकरण जीई रिवोल्यूशन मैक्सिमा का नवीनतम मॉडल है जो एक शक्तिशाली उच्च प्रदर्शन वाला और विश्वसनीय सीटी स्कैनर है। इसमें एआईआधारित तकनीक सहित कई नवीन प्रौद्योगिकियां शामिल हैं जो स्वचालित रूप से रोगी को स्कैनर के बोर में केंद्रित करती हैं। परिणामस्वरूपए रोगियों को अधिक तेज़ी से और सटीक रूप से स्कैन किया जा सकता हैए जिससे प्रतीक्षा समय कम हो जाता है और प्रभावी निदान हो जाता है। एनएसई के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने कहा एनएसई उन सशस्त्र बलों की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है जो निस्वार्थ रूप से हमारे देश की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बिहार जाली नोट मामले में मुख्य आरोपी रईसुद्दीन को पांच साल के कठोर कारावास की सजा

नई दिल्ली। बिहार की एक विशेष एनआईए अदालत ने पूर्वी चंपारण जाली नोट मामले के एक मुख्य आरोपी को पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोहनपुर गांव निवासी रईसुद्दीन पर पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के एक प्रवक्ता ने कहा कि अदालत ने 18 अगस्त को 2015 के (पूर्वी चंपारण जाली मुद्रा) मामले में उसे दोषी करार दिया था और उसे शनिवार को सजा सुनाई गई। अधिकारी ने कहा कि उसे भारतीय दंड संहिता और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओ के तहत पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई जबकि पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। रईसुद्दीन पूर्वी चंपारण जाली भारतीय नोट (एफआईसीएन) से संबंधित मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने वाला पांचवां अपराधी है। राजस्व खुफिया निदेशालय पटना ने एक अन्य आरोपी अफरोज अंसारी के पास से 5.94 लाख रुपए के जाली नोट बरामद किए थे। इसके बाद निदेशालय ने 19 सितंबर 2015 को इस संबंध में मामला दर्ज किया था। अंसारी फर्जी नोट की खेप लेकर नेपाल मे डिलीवरी के लिए भारत-नेपाल सीमा के निकट रक्सौल (पूर्वी चंपारण) लेकर जा रहा था। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बाद मे मामले को अपने हाथ में ले लिया और 23 दिसंबर, 2015 को इस मामले को दोबारा दर्ज किया। अधिकारी ने कहा, एनआईए की गहन जांच से पिछले आठ वर्षों मे आठ आरोपियो की गिरफ्तारी हुई और आरोप पत्र दायर किया गया।

बघेल ने दो हजार करोड़ रुपए कल्याण योजना के लाभार्थियों के खातों में भेजे, सोनिया की तारीफ की

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को एक कार्यक्रम मे राजीव गांधी किसान न्याय योजना (आरजीकेएनवाई) और अन्य योजनाओ के लाभार्थियो के खातों मे 2055.60 करोड़ रुपए डिजिटल तरीके से भेजे। इस कार्यक्रम मे कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने एक वीडियो संदेश मे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के सपने को साकार करने के लिए बघेल की सराहना की।यह समारोह राजीव गांधी की जयंती पर आयोजित किया गया, जिसे प्रशासन ने सद्भावना दिवस के रूप मे मनाया।राज्य सरकार की एक विज्ञप्ति मे कहा गया है कि आरजीकेएनवाई के तहत दूसरी किस्त के रूप मे।,810 करोड़ रुपए, राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना (आरजीबीकेएमएनवाई) के तहत 168.63 करोड़ रुपए, राजीव युवा मितान क्लब को 66.21 करोड़ रुपए, गोधन न्याय योजना के लाभार्थियो को 9.65 करोड़ रुपए और मुख्यमंत्री परब सम्मान निधि योजना के तहत 1.11 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए। सोनिया गांधी ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि बघेल सरकार ने समाज के सभी वर्गो के जीवन स्तर में सुधार करके राजीव गांधी के सपने को साकार किया है, जो दिवंगत प्रधानमंत्री को सबसे अच्छी श्रद्धांजलि है।उन्होंने कहा कि देश मे गरीबी से निपटने के लिए कृषि क्षेत्र मे प्रगति जरूरी है और छत्तीसगढ़ सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं, जिससे राज्य के कई लाख किसानों की वित्तीय स्थिति मे लगातार सुधार हुआ है। उन्होने कहा, उनके जीवन मे आशा की किरण और उनके परिवारो मे खुशी है। मुझे खुशी है कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत सरकारी सब्सिडी के अलावा, छत्तीसगढ़ के किसानो के उत्थान के लिए कई निर्णय लिए गए है, जो अन्य राज्यों के लिए एक उदाहरण है। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता गांधी ने कहा कि राज्य सरकार के फैसलो से रिकॉर्ड उत्पादन हुआ और किसानो की आय मे वृद्धि हुई, जबकि खेतिहर मजदूरो के लिए राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के तहत सार्थक कदम उठाए गए।उन्होंने कहा, राजीव जी कहते थे कि भारत एक प्राचीन देश है लेकिन एक युवा राष्ट्र है। उन्ही के शब्दो मे, मै युवा हूं और मेरा एक सपना भी है। मेरा सपना भारत को मजबूत, स्वतंत्र, आत्मनिर्भर बनाना और दुनिया के सभी देशो मे प्रथम स्थान पर लाना और मानव जाति की सेवा करना है। उन्होने कहा, आज जब हम राजीव जी के इन शब्दो को याद करते है तो समझ आता है कि देश के युवाओ और किसानो के बिना यह सपना पूरा नही हो सकता। राजीव जी को देश के किसानो से गहरा लगाव था। उन्होंने कहा था कि अगर किसान कमजोर होते है तो देश आत्मनिर्भरता खो देता है, लेकिन अगर वे मजबूत है तो देश की आजादी भी मजबूत हो जाती है।

गंगोत्री से लौट रहे गुजरात के सात श्रद्धालुओं की बस दुर्घटना में मौत

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गंगनानी के पास गंगोत्री से गुजरात के श्रद्धालुओं को लेकर लौट रही एक बस के खाई में गिर जाने से उसमें सवार सात लोगों की मृत्यु हो गई तथा 27 अन्य घायल हो गए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार, घायलों को एंबुलेंस के जरिए चिकित्सालय भेजा गया। दुर्घटना के समय बस में 35 लोग सवार थे। दिल्ली में मौजूद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शीर्ष अधिकारियों से बातकर दुर्घटना की जानकारी ली और उन्हें राहत एवं बचाव कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) तथा मेडिकल दल मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर देहरादून में एक हेलीकॉप्टर को मदद के लिए तैयार रखा गया है।

हिमाचल में मची तबाही का दौरा करते भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा

2022 में भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा शिकायतें गृह मंत्रालय, रेलवे, बैंक अधिकारियों के खिलाफ : सीवीसी

भाषा। नई दिल्ली

पिछले साल भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा शिकायतें केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों के खिलाफ आईं हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की हाल ही में जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद रेलवे और बैंक अधिकारियों के खिलाफ शिकायतें मिली हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल केंद्र सरकार के सभी विभागों और संगठनों में सभी श्रेणियों के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ऐसी कुल।,15,203 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 85,437 शिकायतों का निपटान किया जा चुका है जबकि शेष 29,766 शिकायतें लंबित हैं। इनमें से 22,034 शिकायतें तीन महीने से ज्यादा समय तक लंबित रहीं। एक अधिकारी ने कहा कि सीवीसी ने शिकायतों की जांच करने के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारियों के लिए तीन महीने की समय-सीमा निर्धारित की है, जो संस्था की दूरस्थ शाखा के रूप में कार्य करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जहां गृह मंत्रालय को उसके अधिकारियों के खिलाफ 46,643 शिकायतें मिलीं, वहीं रेलवे को 10,580 शिकायतें और बैंकों को 8,129 शिकायतें मिलीं। रिपोर्ट में कहा गया कि गृह मंत्रालय के कर्मियों के खिलाफ कुल शिकायतों में से 23,919 का निपटान कर दिया गया और 22,724 शिकायतें लंबित रहीं, जिनमें से 19,198 शिकायतें तीन महीने से ज्यादा समय तक लंबित रहीं। रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे ने 9,663 शिकायतों का निपटारा कर दिया है, जबकि 917 शिकायतें लंबित हैं, जिनमें नौ शिकायतें तीन महीने से अधिक समय से लंबित थीं। बैंकों ने भ्रष्टाचार की 7,762 शिकायतों का निपटारा किया, 367 लंबित थीं, जिनमें 78 शिकायतें तीन महीने से अधिक समय से लंबित थीं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली के कर्मियों के खिलाफ 7,370 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमेंसे 6,804 शिकायतों का निपटान हो गया और 566 शिकायतें लंबित रहीं जिनमें से 18 शिकायतें तीन महीने से ज्यादा समय तक लंबित रहीं। रिपोर्ट के अनुसार, आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (केंद्रीय लोक निर्माण विभाग समेत), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी), दिल्ली शहरी कला आयोग, हिंदुस्तान प्रीफैब लिमिटेड, आवास एवं शहरी विकास निगम लिमिटेड, एनबीसीसी और एनसीआर योजना बोर्ड के कर्मियों के खिलाफ 4,710 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 3,889 शिकायतों का निपटान हुआ जबकि 821 शिकायतें लंबित रहीं और 577 शिकायतें तीन महीने से ज्यादा समय तक लंबित रहीं।

नेपाल सीमा से 1.20 करोड़ रुपए की स्मैक बरामद, एक गिरफ्तार

चंपावत। उत्तराखंड के चंपावत जिले से लगती नेपाल सीमा से पुलिस ने एक व्यक्ति के पास से 1.20 करोड़ रुपए कीमत की 605 ग्राम स्मैक बरामद की है और उसे इस बाबत गिरफ्तार कर लिया है। इस साल उत्तराखंड में पकड़ी गई स्मैक की यह सबसे बड़ी खेप बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) देवेंद्र पींचा ने यहां बताया कि शनिवार देर रात स्पेशल आपरेशन ग्रुप (एसओजी) और पुलिस की टीम ने नेपाल सीमा से सटे भारतीय गांव गढीगोठ में जांच के दौरान एक मोटरसाइकिल सवार को रोका और इसी दौरान उसके कब्जे से 605 ग्राम स्मैक बरामद की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि बरामद स्मैक की कीमत 1.20 करोड़ रुपए है। आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले के परशुरामपुर के रहने वाले 35 वर्षीय जागेश्वर दयाल के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि उसके खिलाफ बनबसा थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया।

सना खान हत्याकांडः पति लोगों को फंसाने में करता था सना का इस्तेमाल- पुलिस

नागपुर। मध्य प्रदेश में नागपुर निवासी भाजपाकी पदाधिकारी सना खान की इस महीने की शुरुआत में हुई हत्या के मामले की जांच कर रही पुलिस ने रविवार को कहा कि उसे पता चला है कि सना को कथित तौर पर उसके पति और अन्य द्वारा संचालित सेक्सटॉर्शन गिरोह में शामिल होने को बाध्य किया गया। यह गिरोह ने सना का इस्तेमाल लोगों को मोहपाश में फंसाने (हनी ट्रैप) के लिए करता था। सेक्सटॉर्शन के तहत अपराधी किसी व्यक्ति की आपत्तिजनक तस्वीरें या यौन गतिविधि से संबंधित वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर धन की वसूली समेत अन्य मांगें पूरी करवाने की कोशिश करते हैं। आरोपियों ने गिरोह के जरिए मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के कई लोगों को निशाना बनाया और पीड़ितों को ब्लैकमेल करके करोड़ों रुपए कमाए। खान की मां ने रविवार को नागपुर पुलिस में शिकायत दर्ज करके आरोप लगाया कि उसकी बेटी को धमकी देकर उक्त गिरोह में शामिल होने के लिए बाध्य किया गया।

पति ने अलग रह रही पत्नी और उसके परिजनों को आर्सेनिक देकर मारने की कोशिश की, सास की मौत

भाषा। हैदराबाद

ब्रिटेन में फार्मासिस्ट का काम करने वाले 45 वर्षीय व्यक्ति ने अलग रह रही पत्नी और उसके परिवार को कथित रूप से आर्सेनिक जहर देकर उनकी हत्या करने की योजना बनाई और उनके घर के नमक और मिर्च पाउडर में आर्सेनिक मिला दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि परिवार के सदस्य बीमार हो गए और फार्मासिस्ट की सास (60) की जून में इलाज के दौरान मौत हो गई। उसने बताया कि घरेलू समस्या के कारण तलाक की नोटिस भेजने वाली पत्नी से फार्मासिस्ट नाराज था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पत्नी द्वारा मियापुर थाने में दी गई तहरीर के आधार पर भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं में हत्या, हत्या का प्रयास, आपराधिक षड्यंत्र का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के मित्रों और उसकी पत्नी (शिकायतकर्ता) के रिश्तेदार सहित छह लोगों को 18 अगस्त को गिरफ्तार किया, जबकि फार्मासिस्ट फरार है। पुलिस ने बताया कि शिकायतकर्ता और फार्मासिस्ट का विवाद 2018 में हुआ। दोनों का यह दूसरा विवाह है। पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, विवाह के बाद पति-पत्नी शहर में ही रह रहे थे, लेकिन कुछ ही दिनों में आरोपी ने अपनी पत्नी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। विज्ञप्ति के अनुसार, बाद में आरोपी ब्रिटेन चला गया और पत्नी से उसकी देखभाल का वादा करके वहां आने को कहा। पुलिस ने बताया कि पत्नी भरोसा करके अपनी बेटी के साथ ब्रिटेन चली गई लेकिन वहां कुछ दिनों में आरोपी से मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगा।

अयोध्या में सोलह से 24 जनवरी के बीच होगी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा : चंपत राय

भाषा। हरिद्वार (उत्तराखंड)

अयोध्या में बन रहे भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का गर्भ गृह तैयार हो गया है और पहली मंजिल का निर्माण पूरा होने के साथ ही अगले साल मकर संक्रांति के बाद 16 से 24 जनवरी के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। रविवार को यहां पहुंचे राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने संतों से मिलकर उन्हें मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी दी और उन्हें मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा कि करोड़ों राम भक्तों का सपना अब पूरा होने वाला है और वर्षों चले विवाद के बाद रामलला अब अयोध्या में अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने वाले हैं। राय ने कहा, मकर संक्रांति के बाद 16 से 24 जनवरी, 2024 के बीच किसी भी तिथि को मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा के लिए साधुसंतों को फिलहाल मौखिक निमंत्रण दिया जा रहा है और विधिवत निमंत्रण नवंबर में दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि देश के सभी परंपराओं के साधु-संतों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। मंदिर निर्माण की प्रगति के बारे में उन्होंने संतों को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि गर्भ गृह में रामलला की भव्य मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा का स्थान पूरी तरह से तैयार हो गया है। उन्होंने कहा कि दोमंजिला मंदिर की पहली मंजिल की छत का काम अस्सी प्रतिशत पूरा हो चुका है। राय ने बताया कि मंदिर में भक्तों के दर्शन के साथ-साथ उसका निर्माण कार्य भी चलता रहेगा और इससे किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने मंदिर के निर्माण कार्य की जिम्मेदारी चंपत राय को दी है और हमारा मानना है कि उन्हें (चंपत राय) देखने मात्र से ही संतों को भगवान राम के दर्शन हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सभी साधु संतों और राम को मानने वाले लोगों को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा तथा मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होना चाहिए। महंत पुरी ने उम्मीद जताई कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर से नरेन्द्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे और भारत विकास की राह पर आगे बढ़ता रहेगा।

आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों का उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें : न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोगों को सार्वजनिक प्राधिकरणों द्वारा सक्रियता से सूचना प्रदान करने सहित सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने कहा कि सार्वजनिक जवाबदेही एक महत्वपूर्ण विशेषता है जो कर्तव्य धारकों और अधिकार धारकों के बीच संबंधों को नियंत्रित करती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि शक्ति एवं जवाबदेही साथ-साथ चलती हैं और कहा कि सभी नागरिकों को अधिनियम की धारा-3 के तहत सूचना पाने का अधिकार है। इसी तरह, आरटीआई अधिनियम की धारा-4 में सार्वजनिक प्राधिकरणों के दायित्व के रूप में कर्तव्य का प्रावधान किया गया है। हम निर्देश देते हैं कि केंद्रीय सूचना आयोग और राज्य सूचना आयोग अधिनियम की धारा-4 के क्रियान्वयन की निरंतर निगरानी करेंगे। सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा-4 सार्वजनिक प्राधिकरणों के दायित्वों से संबंधित है। आरटीआई अधिनियम की धारा 4(1)(बी) उस जानकारी का प्रावधान करती है जिसे सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा स्वत: संज्ञान या सक्रिय आधार पर प्रकट किया जाना चाहिए। वहीं, धारा 4(2) और धारा 4(3) इस जानकारी के प्रसार की प्रक्रिया निर्धारित करती है। शीर्ष अदालत ने सूचना का अधिकार अधिनियम के उस प्रावधान के प्रभावी क्रियान्वयन के अनुरोध वाली किशन चंद जैन की याचिका पर एक फैसले में यह बात कही।

नीट-यूजी आवेदकों में सबसे अधिक अभ्यर्थी महाराष्ट्र परीक्षा बोर्ड से

भाषा। नई दिल्ली

पिछले पांच साल में मेडिकल परीक्षा नीट-स्नातक (यूजी) के लिए विभिन्न राज्य बोर्ड में से सबसे अधिक आवेदन महाराष्ट्र से थे। यह जानकारी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से प्राप्त हुई है। आवेदकों के मामले में कर्नाटक राज्य बोर्ड दूसरे स्थान पर है, जबकि उसके बाद तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश का स्थान है। इस साल नीट में 20.38 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए। यह संख्या 2019 में 14.10 लाख थी। पीटीआई को प्राप्त आंकड़े के अनुसार, 2019-2023 तक देश की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा में बैठने वाले अभ्यर्थियों की सबसे अधिक संख्या केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से थी। इस साल, 5.51 लाख से अधिक आवेदक उस बोर्ड से थे, जो राष्ट्रीय स्तर पर 12वीं कक्षा की परीक्षा आयोजित करता है।हालांकि, राज्य बोर्ड में, नीट-यूजी यानी राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातक) के लिए आवेदन के मामले में महाराष्ट्र शीर्ष पर है।एनटीए के आंकड़े के मुताबिक, इस साल, महाराष्ट्र राज्य बोर्ड से 2.57 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया था। आंकड़े के मुताबिक, पिछले साल 2.31 लाख से ज्यादा अभ्यर्थियों ने नीट-यूजी के लिए आवेदन किया था।कर्नाटक राज्य बोर्ड से, इस साल 1.22 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने नीट-यूजी के लिए आवेदन किया था, जबकि पिछले साल यह संख्या 1.14 लाख थी।आंकड़े के अनुसार, तीसरे स्थान पर तमिलनाडु राज्य बोर्ड है, जिसके 1.13 लाख से अधिक छात्रों ने इस साल मेडिकल परीक्षा के लिए आवेदन किया। आंकड़े बताते हैं, उत्तर प्रदेश राज्य बोर्ड से 1.11 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने नीट-यूजी के लिए आवेदन किया था।केरल राज्य बोर्ड से आवेदकों की संख्या 1.07 लाख से अधिक थी और बिहार राज्य बोर्ड से यह आंकड़ा 71,000 से अधिक थी। आंकड़े से पता चलता है कि आवेदकों की सबसे कम संख्या त्रिपुरा राज्य बोर्ड (1,683), मिजोरम राज्य बोर्ड (1,844) और मेघालय राज्य बोर्ड (2,300) से थी। पांच हजार से कम नीट-यूजी आवेदकों वाले अन्य राज्य बोर्ड हैं - नगालैंड (2,422), गोवा (3,834) और उत्तराखंड (4,423)।एजेंसी के आंकड़े से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों से यह रुझान बरकरार है।नीट-यूजी बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी , बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरीऔर बैचलर ऑफ आयुर्वेद, मेडिसिन एंड सर्जरी में प्रवेश के लिए योग्यता प्रवेश परीक्षा है।बैचलर ऑफ सिद्ध मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएसएमएस), बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी (बीयूएमएस) और बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएचएमएस) और बीएससी (एच) नर्सिंग पाठ्यक्रम के लिए भी नीट-यूजी योग्यता परीक्षा है।

सबसे कम पूर्वोत्तर राज्यों से

टीम इंडिया की दिखी ताकत

●भारत ने जीता दूसरा टी20 और श्रृंखला

●आयरलैंड को 33 रन से हराया

भाषा। डबलिन

स्कोरबोर्ड

भारत पारी : यशस्वी का कैम्फर बो यंग 18, गायकवाड़ का टेक्टर बो मैकार्थी 58, वर्मा का डॉकरेल बो मैकार्थी।,सैमसन बो व्हाइट 40 , सिंह का यंग बो एडेयर 38, दुबे नाबाद 22,सुंदर नाबाद 0, **अतिरिक्त :** आठ रन, कुल योग : 20 ओवर मे पांच विकेट पर 185 रन, **विकेट पतन :** I-29, 2- 34, 3-105, 4-129, 5-184, **गेंदबाजी :** एडेयर 4 - 0-36-I, लिटिल 4-0-48- 0, मैकार्थी 4-0-36-2, यंग 4- 0 - 29-I, व्हाइट 4-0 -33-I

आयरलैंड पारी : बालबर्नी का सैमसन बो अर्शदीप 72,स्टर्लिंग का अर्शदीप बो प्रसिद्ध 0,टकर का गायकवाड़ बो प्रसिद्ध 0,टेक्टर बो बिश्नोई 7, कैम्फर का दुबे बो बिश्नोई 18, डॉकरेल रन आउट 13,एडेयर का वर्मा बो बुमराह 23, मैकार्थी का बिश्नोई बो बुमराह 2, यंग नाबाद।, जोश लिटिल नाबाद 0, **अतिरिक्त :** 16 रन,**कुल योग :** 20 ओवर मे आठ विकेट पर 152 रन, विकेट पतन : I-19, 2-19, 3-28, 4- 63, 5-115, 6-123, 7- 126, 8- 148, **गेंदबाजी :** बुमराह4- I-15- 2, अर्शदीप 4 -0- 29-I, प्रसिद्ध 4- 0- 29-2, बिश्नोई 4- 0-37- 2, सुंदर 2-0-19-0, दुबे 2-0-18- 0

रूतुराज गायकवाड़ की अगुवाई में अपने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद अनुशासित गेंदबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टी20 मैच में रविवार को आयरलैंड को 33 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की विजई बढत बना ली। गायकवाड़, संजू सैमसन और रिंकू सिंह की आक्रामक पारियों के दम पर भारत ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर पांच विकेट पर 185 रन बनाए। जवाब में आयरलैंड की टीम आठ विकेट पर 152 रन ही बना सकी जिसमें एंड्रयू बालबर्नी ने 51 गेंद में 72 रन बनाए। भारत के लिए गायकवाड़ ने 43 गेंद में छह चौकों और एक छक्के की मदद से 58 रन बनाए जबकि संजू सैमसन ने 26 गेंद में 40 रन बनाए जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल था। आईपीएल स्टार रिंकू सिंह ने 21 गेंद में दो चौकों और तीन छक्कों के साथ 38 रन बनाए। भारत ने वर्षाबाधित पहला टी20 मैच डकवर्थ लुईस प्रणाली से दो रन से जीता था। कप्तान जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और रवि बिश्नोई ने मिलकर छह विकेट निकाले। कृष्णा ने अपने पहले ओवर में आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग और लोरकान टकर को पवेलियन भेजा। वहीं लेग स्पिनर बिश्नोई ने हैरी टेक्टर को गुगली पर आउट किया। आयरलैंड का स्कोर पावरप्ले के बाद तीन विकेट पर 31 रन था। बालबर्नी ने अकेले मोर्चा संभालते हुए 51 गेंद में पांच चौकों और चार छक्कों की मदद से 71 रन बनाए। मार्क एडेयर ने 15 गेंद में 23 रन की पारी खेली। इससे पहले भारतीय पारी का आगाज काफी आक्रामक रहा जब सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने जोश लिटिल की गेंद पर दो चौके और एक छक्का लगाया। जायसवाल ने 11 गेंद में 18 रन बनाए। जायसवाल इस आक्रामक शुरूआत को बड़ी पारी में नहीं बदल सके और क्रेग यंग ने उन्हें डीप में कुर्टिस कैम्फर के हाथों लपकवाया। तिलक वर्मा लगातार दूसरे मैच में नाकाम रहे और बैरी मैकार्थी की गेंद पर सीमारेखा के पास जॉर्ज डॉकरेल को कैच दे बैठे।

बड़ी उपलब्धि, फ्रेंचाइजी क्रिकेट का असर: अश्विन

नई दिल्ली। भारत के स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की टी20 अंतरराष्ट्रीय में न्यूजीलैंड पर मिली शानदार जीत की प्रशंसा करते हुए रविवार को कहा कि इसमें फ्रेंचाइजी क्रिकेट का प्रभाव साफ दिखता है। अश्विन ने साथ ही कहा कि इससे जो देश टेस्ट नही खेलते, वहां के क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए उम्मीद भी जगती है। संयुक्त अरब अमीरात ने शनिवार को दुबई में दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराकर उस पर पहली जीत दर्ज की। अश्विन ने सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व मे ट्विटर) पर एक पोस्ट मे लिखा, यूएई ने न्यूजीलैंड को हरा दिया जो बड़ी उपलब्धि है और इससे हमे यह भी दिख रहा है कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट क्या करने मे सफल रहा है। इससे ऐसे देशों के क्रिकेटरों की अगली पीढ़ी के लिए उम्मीद जगती है जो मुख्य तौर पर टेस्ट खेलने वाले देश नही है और यह खेल के लिए अच्छी खबर है। अश्विन ने अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान का उदाहरण देते हुए उम्मीद जताई कि आईपीएल मे और अधिक खिलाड़ी खेलेंगे और अपनी संबंधित टीमो मे बदलाव लाएंगे। जब राशिद खान आईपीएल में आया तो अफगानिस्तान विश्व कप मे चुनौतीपूर्ण क्रिकेट देश नही था लेकिन अब कोई भी इस तथ्य से इनकार नही कर सकता। भविष्य मे आईपीएल मे और अधिक देशो के खिलाड़ी प्रतिनिधित्व करते हुए दिख सकते है और अपने देशो मे क्रिकेट का भाग्य बदल सकते है।

राहुल और अय्यर की फिटनेस पर होंगी नजरें

●एशिया कप और विश्व कप टीम का चयन

भाषा। नई दिल्ली

भारत अगर विश्व कप में अतिरिक्त तेज गेंदबाज को लेकर उतरता है तो शार्दुल ठाकुर को बल्लेबाजी में बेहतर होने के कारण तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा पर तरजीह मिल सकती है हालांकि एशिया कप के लिए सोमवार को 17 सदस्यीय टीम का चयन होने की दशा में दोनों को मौका मिल सकता है। सभी की नजरें इस पर होगी कि जांघ की चोट से उबरे केएल राहुल और कमर की चोट से उबरने वाले श्रेयस अय्यर जैसे स्टार बल्लेबाजों को डॉक्टर नितिन पटेल की अगुवाई वाली एनसीए की खेल विज्ञान ईकाई से चयन के लिए हरी झंडी मिलती है या नहीं। दोनों में से एक के उपलब्ध होने पर भी मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा मध्यक्रम में कुछ दबाव कम महसूस करेंगे। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर सोमवार को यहां टीम की घोषणा करेंगे और ऐसी संभावना है कि विश्व कप के लिए 15 सदस्ईय संभावित टीम का चयन भी कल ही किया जाएगा। वैसे विश्व कप के लिए संभावित टीम चयन की अंतिम तारीख पांच सितंबर है तो बीसीसीआई बाद में भी इसकी घोषणा कर सकता है। ऐसा भी संभव है कि बांग्लादेश, पाकिस्तान और नेपाल की तरह भारत एशिया कप के लिए 17 सदस्ईय टीम चुने ताकि विश्व कप के लिए सारे विकल्प आजमाए जा सकें। शार्दुल ने 38 वनडे में 58 विकेट लेने के अलावा 106 प्लस की औसत से रन बनाए हैं। ऐसे में उन्हें कृष्णा पर तरजीह मिल सकती है। विश्व कप टीम में चयन के लिए पांच स्पिनर दौड़ में हैं जिनमें कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन शामिल हैं। अश्विन के पास भारतीय हालात में खेलने का काफी अनुभव है लेकिन वेस्टइंडीज में वनडे टीम में नहीं चुने जाने से उनके चयन की संभावना पर प्रश्नचिन्ह लग गया है। कुलदीप इस समय भारत के नंबर एक स्पिनर हैं और उनका चयन तय लग रहा है।

डूरंड कप: डाउनटाउन को हराकर नॉर्थईस्ट क्वार्टर फाइनल में, मोहम्मडन बाहर

भाषा। गुवाहाटी

नॉर्थईस्ट यूनाईटेड एफसी ने रविवार को यहां डाउनटाउन हीरोज को 3-। से हराकर डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। परवाज भुइया ने आठवें मिनट में ही डाउनडाउन हीरोज को बढ़त दिला दी थी। टीम ने इस बढ़त को मध्यांतर तक बरकरार रखा।नॉर्थईस्ट ने हालांकि दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की। इबसन मेलो ने 48वें मिनट में टीम को बराबरी दिलाई जबकि चार मिनट बाद रोमेन फिलिपोटियू ने नॉर्थईस्ट यूनाईटेड को 2-। से आगे कर दिया।पार्थिब गोगोई ने 78वें मिनट में नॉर्थईस्ट को 3-। से आगे कर दिया जो निर्णायक स्कोर साबित हुआ।मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने जमशेदपुर एफसी को 6-0 से हराया लेकिन इसके बावजूद नॉकआउट की दौड़ से बाहर हो गई।लालरेमसांग फेनाई ने 10वें मिनट में मोहम्मडन को बढ़त दिलाई और फिर 16वें मिनट में टीम को 2-0 से आगे कर दिया। डेविड लालहलानसांगा ने 28वें, 69वें, 82वें और 88वें मिनट में चार गोल दागकर मोहम्मडन की एकतरफा जीत सुनिश्चित की।

अनाहत को एशियाई जूनियर स्क्वाश में स्वर्ण पदक

डेलियान (चीन)। भारत की अनाहत सिंह ने यहां 16 से 20 अगस्त तक हुई एशियाई जूनियर स्क्वाश व्यक्तिगत चैंपियनशिप के अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। पंद्रह साल ही अनाहत ने रविवार को हुए फाइनल में हांगकांग की एना क्वोंग को 3-I से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।अनाहत ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में मलेशियाई खिलाड़ियों क्रमशः डॉयस ली और विटनी इसाबेल को हराया था। पिछले साल थाईलैंड मे दिल्ली की अनाहत ने इस प्रतियोगिता का अपना पहला स्वर्ण पदक जीता था।

नित्याश्री ने अयहिका को हराया, प्री क्वार्टर में पहुंची

विशाखापत्तनम। बैंक ऑफ बड़ौदा खेल नियंत्रण बोर्ड (बीबीएससीबी) की नित्याश्री ने रविवार को यहां चल रही राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप की महिला व्यक्तिगत स्पर्धा मे पांचवी वरीयता प्राप्त अयहिका मुखर्जी को हराकर बड़ा उलटफेर करते हुए राउंड 32 मे प्रवेश किया। आरबीआई की अयहिका ही एकमात्र उलटफेर का शिकार हुईं जबकि बाकी अन्य महिला वरीय खिलाड़ियों ने आसानी से प्री क्वार्टर मे जगह बनाई। पैट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) की मनिका बत्रा को पश्चिम बंगाल की सेंडेला दास ने चुनौती दी लेकिन वह इससे निपटते हुए अगले दौर मे पहुंच गई। दूसरी वरीय श्रीजा अकुला और पांचवी वरीय अर्चना कामत ने भी जीत हासिल की।

मेस्सी के गोल से इंटर मियामी की लीग्स कप में जीत

नैशविले। लियोनेल मेस्सी ने नियमित समय मे गोल करके टीम को बढ़त दिलाने के बाद पेनल्टी शूटआउट मे पहले शॉट को गोल मे बदला जिससे इंटर मियामी ने लीग्स कप फुटबॉल फाइनल मे नैशविले एससी को पेनल्टी शूटआउट में 10-9 से हराया। मेस्सी ने मैच के 23वे मिनट मे टीम को बढ़त दिला दी। इंटर मियामी से जुड़ने के बाद से यह सात मैचो मे उनका 10वां गोल है।

टौलूज ने पीएसजी को बराबरी पर रोका

पेरिस। किलियन एमबापे की मौजूदगी भी पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) को खराब प्रदर्शन से नही बचा सकी और गत चैंपियन ने फ्रेंच लीग फुटबॉल मे टौलूज के साथ I-I से ड्रॉ खेला। एमबापे टीम की शुरुआती एकादश मे शामिल नही थे। वह 51वे मिनट मे ली कांग की जगह मैदान पर उतरे। फ्रांस के इस अनुभवी स्ट्राइकर ने 62वें मिनट में रासमस निकोलाइसेन के फाउल के बाद पेनल्टी को गोल मे बदल कर पीएसजी को बढ़त दिला दी।

टोटेनहम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया

लंदन। नए मैनेजर एंज पोस्टेकोग्लू की देखरेख मे टोटेनहम हॉटस्पर ने प्रीमियर लीग फुटबॉल मैच मे मैनचेस्टर यूनाइटेड को 2-0 से शिकस्त दी। पेप माटर सार ने मैच के मैच के 49वे मिनट मे टोटेनहम का खाता खोला। टोटेनहम को इसके बाद 83वें मिनट मे किस्मत का साथ मिला जब मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर लिसेंड्रो मार्टिनेज ने आत्मघाती गोल कर प्रतिद्वंद्वी टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम जर्मनी से हारी

डसेलडोर्फ। सुदीप चिरमाको ने दो गोल दागे लेकिन चार देशो के टूर्नामेंट मे यह भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को जर्मनी के खिलाफ जीत दिलाने के लिए काफी नही था। मेजबान जर्मनी ने मिशेल स्टूथॉफ (41 वां मिनट), बेन हस्बैक (53वां मिनट), और फ्लोरियन स्पर्लिंग (55वां) के गोल के दम पर इस मुकाबले को 3-2 से जीत लिया। चिरमाको ने सातवे और 60वें मिनट मे भारत के लिए गोल किए।

विदेशी मदद पर निर्भरता कम करने के लिए समाधान विकसित कर रहा आईआईटी मद्रास

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक 2024 से भारतीय खिलाड़ियों को अधिक पदक जीतने में मदद करने के लिए मद्रास स्थित आईआईटी उपकरण और सॉफ्टवेयर विकसित कर रहा है। ए उपकरण और सॉफ्टवेयर खिलाड़ी और कोच की तैयारी और प्रशिक्षण को अधिकतम स्तर पर ले जाने में मददगार होगा। स्मार्टबॉक्सर से भारतीय मुक्केबाजों को खेल का मूल्यांकन प्रदान करने से लेकर स्वैट मॉनिटर जैसे उपकरणों का निर्माण करने के बाद आईआईटी मद्रास अब खिलाड़ियों और कोचों दोनों के काम को आसान करने के साथ विदेशी मदद पर निर्भरता कम करना चाहता है। दूसरे देश अपनी तकनीक को स्वतंत्र रूप से साझा नहीं करना चाहते हैं, जिसके कारण भारतीय खिलाड़ियों को नुकसान होता है और उन्हें उन्नत खेल तकनीक के साथ प्रशिक्षण के लिए विदेश यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आईआईटी मद्रास में खेल विज्ञान और विश्लेषण विभाग के उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के प्रमुख महेश पंचागनुला ने कहा, हमारे बहुत से एथलीट प्रशिक्षण के लिए विदेश जाते हैं।

स्पेन महिला फुटबॉल विश्व चैंपियन

इंग्लैंड को 1-0 से हराया, महिला विश्व कप जीता

भाषा। सिडनी

ओल्गा कारमोना के पहले हाफ में दागे गोल की बदौलत स्पेन रविवार को यहां इंग्लैंड को।-0 से हराकर पहली बार फीफा महिला विश्व कप खिताब जीतने में सफल रहा। स्पेन ने खिलाड़ियों की बगावत के एक साल से भी कम समय में यह खिताब जीता।स्पेन के पहले बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब ने उसे 2007 में जर्मनी के बाद महिला फुटबॉल विश्व कप जीतने वाली पहली यूरोपीय टीम भी बना दिया।कारमोना ने मैच के 29वें मिनट में बाएं पैर से दनदनाता हुआ शॉट लगाया जिसे इंग्लैंड की गोलकीपर मैरी अर्प्स गोता लगाने के बावजूद गोल में जाने से रोकने में नाकाम रहीं। जश्न मनाते हुए कारमोना ने अपनी जर्सी उठा ली जिसके नीचे उनकी शर्ट पर मेर्ची लिखा था जो उनके पूर्व स्कूल का नाम है। कारमोना ने स्वीडन के खिलाफ सेमीफाइनल में स्पेन की 2-। की जीत के दौरान भी 89वें मिनट में विजई गोल दागा था। कारमोना इसके साथ ही 2015 में कार्ली लॉयड के बाद सेमीफाइनल और फाइनल में गोल करने वाली पहली खिलाड़ी बनीं। स्पेन के पास 68वें मिनट में बढ़त दोगुनी करने का मौका था लेकिन जेनी हर्मोसो की पेनल्टी किक को मैरी ने बाईं ओर गोता लगाते हुए रोक दिया। इंग्लैंड ने पिछले साल यूरो क्वार्टर फाइनल में स्पेन के खिलाफ पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जॉर्जिया स्टेनवे के अतिरिक्त समय में दागे गोल की बदौलत 2-। से जीत दर्ज की थी। स्पेन की यह जीत इसलिए भी काबिलेतारीफ है क्योंकि पिछले साल उसकी खिलाड़ियों ने बगावत कर दी थी। टीम की 15 खिलाड़ियों ने कहा था कि वे अपने मानसिक स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए राष्ट्रीय टीम से दूर हो रही हैं। उन्होंने साथ ही अधिक पेशेवर माहौल की वकालत की थी। इनमें से तीन खिलाड़ी ओना बेटले, ऐटाना बोनमैट और मारियोना केलडेंटे ने बाद में राष्ट्रीय महासंघ के साथ समझौत कर लिया और वे विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा थीं। पिछले साल यूएफा यूरोपीय चैंपियनशिप जीतने के बाद इंग्लैंड की टीम खिताब की प्रबल दावेदारों में शामिल थी। लेकिन उसकी तीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कप्तान लिया विलियमसन, फ्रेन किर्बी और बेथ मीड घुटने की चोट के कारण विश्व कप का हिस्सा नहीं थीं। इंग्लैंड की कोच सारिना वेगमैन पहली कोच बनीं जिनके मार्गदर्शन में टीमों ने लगातार दो विश्व कप फाइनल में जगह बनाई। उनके मार्गदर्शन में 2019 में नीदरलैंड की टीम भी फाइनल में पहुंची थी लेकिन उसे अमेरिका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

सुनक ने महिला फुटबॉल टीम की प्रशंसा की

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इंग्लैंड और स्पेन के बीच आस्ट्रेलिया मे ऐतिहासिक महिला विश्व कप फाइनल से पहले देश की खिलाड़ियों को भेजी गई शुभकामना मे कहा कि टीम ने उनकी बेटियो को यह भरोसा करने के लिए प्रेरित किया है कि फुटबॉल का खेल उनके लिए है। सुनक ने ट्वीट किया, आपने मैदान पर कोई कसर नही छोड़ी। जीत नही मिल सकी, लेकिन आपने गेम चेंजर के तौर पर अपनी विरासत पहले ही हासिल कर ली। हम सभी को आप पर गर्व है।

एचसीए ने कहा लगातार दो दिन मैच कराना मुश्किल , शुक्ला ने कहा कि बदलाव की गुंजाइश नहीं

नई दिल्ली। हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) ने भारत में पांच अक्टूबर से शुरू हो रहे एकदिवसीय विश्व कप के दौरान लगातार दो दिन दो मैचों की मेजबानी को संगठनात्मक और सुरक्षा कारणों से मुश्किल करार दिया लेकिन बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि कार्यक्रम में और बदलाव संभव नही है। काफी विलंब के बाद इस साल जून में विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने इस महीने की शुरूआत में नौ मैचो के कार्यक्रम में बदलाव किया, जिसमें जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला बड़ा मुकाबला भी शामिल था।भारत और पाकिस्तान के मैच के आयोजन को एक दिन पहले 14 अक्टूबर को कर दिया गया। इसके अलावा हैदराबाद में श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान का मैच 12 अक्टूबर की जगह 10 अक्टूबर कर दिया गया। एचसीए इससे पहले नौ अक्टूबर को न्यूजीलैंड बनाम नीदरलैंड मैच की भी मेजबानी कर रहा है। हैदराबाद पुलिस ने लगातार दो मैचों के लिए सुरक्षा प्रदान करने पर आपत्ति व्यक्त की है। एचसीए के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, मै यह नही कह सकता कि इसे निश्चित रूप से बदला जाएगा, लेकिन दो दिनों मे दो मैचों की मेजबानी आदर्श स्थिति नही है। मेरा मतलब है कि अगर वे (बीसीसीआई) पुनर्विचार करेंगे तो यह अच्छा होगा।

क्रिकेट विश्व कप टिकट बिक्री कार्यक्रम से प्रशंसकों में निराशा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के नियमित प्रशंसक आमतौर पर मैचों के टिकट को लेकर शिकायत नही करते है लेकिन घरेलू वनडे विश्व कप से पहले वह निराश और गुस्से में है।प्रशंसको की यह निराशा लाजमी है क्योंकि पांच अक्टूबर को अहमदाबाद में होने वाले विश्व कप के उद्घाटन मैच में लगभग डेढ़ महीने का समय बचा है और टिकटों की बिक्री अभी तक शुरू नही हुई है। विश्व कप के लिए टिकटों की बिक्री 25 अगस्त को क्रमबद्ध तरीके से शुरू होगी।विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा काफी विलंब से जून में की गई थी। इस महीने की शुरुआत में मेजबान बीसीसीआई और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने नौ मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया कर दिया। इस कार्यक्रम में एक और बदलाव की संभावना है क्योंकि हैदराबाद राज्य इकाई नौ और 10 अक्टूबर को लगातार दो दिनों में दो मैचों की मेजबानी को परेशानी वाली स्थिति करार दिया। भारत ने 2011 में 50 ओवर के विश्व कप की सह-मेजबानी की थी तब टिकटों की बिक्री जून 2010 मे शुरू हो गई थी। इससे प्रशंसकों को देश भर में अपनी यात्रा की योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय मिल गया।इंग्लैंड में 2019 में आयोजित पिछले एक दिवसीय विश्व कप के कार्यक्रम की घोषणा 12 महीने से अधिक पहले की गई थी और प्रशंसको को टिकटों के साथ अपनी किस्मत आजमाने के लिए पर्याप्त समय मिला था।दिल्ली के अतिरव कपूर ने जून मे टूर्नामेंट के कार्यक्रम की घोषणा होने के साथ ही इसकी सबसे प्रतीक्षित मैच के लिए अपनी विमान टिकट बुक करा ली।

ओकले और रोहित शर्मा में साझेदारी

मुंबई। जाने माने परफोर्मेन्स आईवियर ब्राण्ड ओकले और भारतीय पुरूष क्रि केट टीम के कप्तान एवं ओकले के ब्राण्ड अम्बेसडर रोहित शर्मा ने अच्छी विज़न ठीक से देखने की क्षमता के बारे में जागरुकता बढ़ाने तथा उन स्थानों पर स्थायी विज़न केयर आंखों की देखभाल को सुलभ बनाने के लिए वन साईट एस्सिलोर लक्ज़ोटिका फाउन्डेशन के साथ साझेदारी की है। जहां ये सुविधाएं आज भी उपलब्ध नहीं हैं। अच्छी विज़न मनुष्य का बुनियादी अधिकार हैए दुनिया भर में 2.7 बिलियन लोग ऐसे हैं जिनकी विज़न यानि आंखों की नज़र ठीक नहीं है। जिन्हें इसे ठीक करने के लिए सही लैंस की ज़रूरत है। आंखें कमज़ोर होने की वजह से हर तीन में से एक व्यक्ति अपनी पूर्ण क्षमता का सही उपयोग नहीं कर पाताए जबकि 80 फीसदी मामलों में मौजूदा समाधानों से उनकी समस्या को हल किया जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि साफदिखने से पढ़ाई, नौकरी में परफोर्मेन्स और यहां तक कि कमाने की क्षमता में भी सुधार होता है। अगर छात्रों की नज़र ठीक हो तो वे स्कूल में दोगुना तेज़ी से सीखते हैं, काम करने वाले व्यक्ति की उत्पादकता 35 फीसदी बढ़ जाती है और उनकी कमाई की क्षमता 20 फीसदी तक अधिक हो जाती है। आंखों की जांच और चश्मे ऐसे शक्तिशाली उपकरण हैं जो लोगों को शिक्षा और रोज़गार के साथ सशक्त बनाकर गरीबी से बाहर निकाल सकते हैं। हम सभी के लिएए खासतौर पर बच्चों के लिए आंखों की देखभाल को सुनिश्चित करना चाहते है, क्योंकि उनका समग्र विकास ही उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करता है। वनसाईट एस्सिलोर लक्ज़ोटिका फाउन्डेशन में हम आंखों की देखभाल में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने के लिए प्रयासरत हैं। हम उच्च गुणवत्ता की आई केयर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कई राज्य सरकारों जैसे महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, जम्मू.कश्मीर के साथ साझेदारी भी कर रहे हैं। अपने बच्चों के कल्याण में निवेश कर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए उज्जवल भविष्य में योगदान देना चाहते हैं। नरसिम्हन नारायणन अध्यक्ष एस्सिलोर लक्सोटिका दक्षिण एशिया ने यह जानकारी दी।

श्योराण ने पांचवां ओलंपिक कोटा जीता

● महिला और पुरूष टीम को स्वर्ण

भाषा। बाकू (अजरबेजान)

अखिल श्योराण ने रविवार को यहां आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप की पुरुष राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए देश का पांचवां कोटा स्थान हासिल किया। अखिल आठ निशानेबाजों के फाइनल में 450.0 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे और अगले साल होने वाले ओलंपिक खेलों का कोटा हासिल करने में सफल रहे। वह क्वालीफिकेशन के बाद 585 अंक के साथ छठे स्थान पर थे। ऑस्ट्रेलिया के एलेक्जेंडर शमिर्ल ने 462.6 अंक के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। चेक गणराज्य के पेत्र निमबर्स्की 459.2 अंक के साथ रजत पदक जीतने में सफल रहे। भारतीय महिला टीम ने 25 मीटर पिस्टल में चीनी ताइपै को हराकर स्वर्ण पदक जीता। टीम में रिदम सांगवान, एशा सिंह और मनु भाकर थी। तीनों ने 1744 अंक बनाए। चीन को कांस्य पदक मिला। सांगवान व्यक्तिगत फाइनल में आठवें स्थान पर रही और पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने में नाकाम रही। श्योराण, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार ने पुरूषों की थ्री पोजिशन पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। श्योराण ने कहा , मेरे लिए यह बहुत मायने रखता है। हम इसके लिए काफी मेहनत कर रहे थे। विश्व चैम्पियनशिप चार साल में एक बार होती है। इसमें पदक जीतकर कोटा हासिल करना काफी संतोषजनक है। अखिल से पहले भवनीश मेंदिरत्ता (पुरुष ट्रैप), गत विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल), स्वप्निल कुसाले (पुरुष 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन) और मेहुल घोष (महिला 10 मीटर एयर राइफल) ओलंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं। आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप 2024 पेरिस ओलंपिक की क्वालीफाई प्रतियोगिता है। इस प्रतियोगिता में 12 ओलंपिक व्यक्तिगत निशानेबाजी स्पर्धा में 48 ओलंपिक कोटा दांव पर लगे हैं जो स्पर्धा में शीर्ष चार (प्रतएक देश से एक) पर रहने वाले निशानेबाजों को दिए जाएंगे।

तमिलारासन 400 मीटर बाधा दौड़ और कुशारे ऊंची कूद के क्वालीफिकेशन दौर से बाहर हुए

भाषा। बुडापेस्ट

विश्व चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का निराशाजनक प्रदर्शन रविवार को दूसरे दिन भी जारी रहा जहां संतोष कुमार तमिलारासन और सर्वेश अनिल कुशारे क्रमश:: 400 मीटर बाधा दौड़ हीट रेस और उंची कूद क्वालिफिकेशन चरण से आगे बढ़ने में नाकाम रहे। तमिलारासन 50.46 सेकेंड के समय के साथ हीट नंबर तीन में सातवें स्थान पर रहे। वह इस प्रदर्शन से सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। पांचों हीट में से प्रत्एक में शीर्ष चार स्थान पर रहने वाले एथलीट के अलावा अन्य चार सबसे तेज समय निकालने वाले खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। कुशारे तीन प्रयासों में 2.25 मीटर की बाधा को पार करने में विफल रहे। वह क्वालिफिकेशन चरण के ग्रुप बी में 11वें और कुल मिलाकर 20वें स्थान पर रहे। क्वालीफिकेशन दौर में ग्रुप ए और ग्रुप बी से 2.30 मीटर की बाधा पार करने वाले या 12 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने खिलाड़ी फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने शनिवार को भी लचर प्रदर्शन किया था। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी अविनाश साबले अपनी हीट में निराशाजनक सातवें स्थान पर रहकर 3000 मीटर स्टीपलचेस स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहे थे। भारत के तीन खिलाड़ियों ने पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में भी निराश किया जबकि युवा शैली सिंह महिलाओं की लंबी कूद के फाइनल में पहुंचने में नाकाम रही। अजय कुमार सरोज ने पुरुषों की 1500 मीटर हीट में तीन मिनट 38.24 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

अल्कराज के सामने फाइनल में जोकोविच की चुनौती

● वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस

● महिलाओं में खिताब के लिए गॉफ का सामना मुचोवा से

भाषा। मेसन (ओहियो)

शीर्ष रैंकिंग के खिलाड़ी कार्लोस अलकराज के सामने वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन में एक बार फिर से नोवाक जोकोविच की चुनौती होगी। अल्काराज ने जोकोविच को हराकर विंबलडन का खिताब जीता था और एक बार फिर दोनों खिलाड़ी खिताब के लिए एक दूसरे के सामने होंगे।अल्कराज को पुरुष एकल सेमीफाइनल में गैरवरीयता प्राप्त हुबर्ट हुर्काज के खिलाफ दूसरे सेट में मैच प्वाइंट का बचाव करने के बाद शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने ने इस मुकाबले को 2-6, 7-6 (4), 6-3 से अपने नाम किया। रैंकिंग में दूसरे नंबर के खिलाड़ी जोकोविच ने 2021 टूर्नामेंट चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 7-6 (5), 7-5 से हराकर अमेरिकी ओपन की अपनी तैयारियों को पुख्ता किया।

हॉकी राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए कोर समूह की घोषणा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने चीन के हांगझोउ में होने एशियाई खेलों की तैयारी के लिए सोमवार से बेंगलुरु में शुरू होने वाले राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए रविवार को 39 सदर्स्इय पुरुष टीम के संभावित कोर समूह की घोषणा की। इस शिविर का आयोजन 21 अगस्त से 18 सितंबर तक बेंगलुरु के साइ में होगा। इस दौरान खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने का भी मौका मिलेगा। एशियाई खेलों का आयोजन 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक होगा। इस महीने की शुरुआत में चेन्नई में रिकॉर्ड चौथी बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

विश्व चैम्पियनशिप में प्रणय, सेन और सात्विक-चिराग की जोड़ी से पदकों की आस

कोपनहेगन। फॉर्म में चल रहे एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन सोमवार से यहां शुरू हो रही बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में भारत के पदक दावेदारों की अगुआई करेंगे। सभी की निगाहें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी पर लगी होंगी जो इस समय दुनिया की दूसरी नंबर की जोड़ी है। देश की सर्वश्रेष्ठ युगल जोड़ी पिछले चरण में जीते गए कांस्य पदक के रंग को बेहतर करना चाहेगी। भारत ने 1977 से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में एक स्वर्ण सहित 13 पदक जीते हैं जिसमें चार रजत और आठ कांस्य शामिल हैं। महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण पदक (कांस्य, 1993 में) जीतने वाले पहले भारतीय थे और 2011 के बाद से पीवी सिंधू की अगुआई में देश के खिलाड़ी कम से कम एक पदक जीतते आ रहे हैं। सिंधू विश्व चैम्पियनशिप में भारत की सबसे सफल खिलाड़ी हैं जो 2019 में चैम्पियन रहीं और उनके नाम पांच पदक हैं। लेकिन बासेल चरण के बाद से वह पोडियम तक नहीं पहुंच पा रही हैं और इस सत्र में अपने पहले जैसे प्रदर्शन की झलक नहीं दिखा सकी।

यूपी टी-20 की ट्राफी का अनावरण

● टीम जर्सी और ऑफिशियल एंथम का भी आगाज

●यह लीग यूपी से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सामने लाएगा :शुक्ला

पायनियर समाचार सेवा, लखनऊ । उत्तर प्रदेश में क्रिकेट के लिए एक नए युग की शुरुआत का गवाह बने एक शानदार समारोह के दौरान यूपीटी-20 लीग को आधिकारिक तौर पर रविवार 20 अगस्त को लॉन्च कर दिया गया। लखनऊ में शानदार समारोह का आयोजन हुआ, जिसमें यूपीटी20 लीग की ट्रॉफ ी का अनावरण किया गया और साथ ही छह शहर,आधारित फ्रेंचाइजियों द्वारा अपनी-अपनी टीमों की जर्सी लॉन्च की गईं। साथ ही लीग के लिए एक शानदार एंथम भी लॉन्च किया गयाए जो यूपीटी20 की ऊर्जा की भावना को सबके सामने रखता है। राज्यसभा सदस्य और बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला तथा उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ यूपीसीए के निदेशक डीएस चौहान सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। इनमें गोरखपुर लायंस, कानपुर सुपरस्टार, काशी रुद्र, लखनऊ फाल्कन्स, मेरठ मावेरिक्स और नोएडा सुपर किंग्स टीमें शामिल हैं। राजीव शुक्ला ने लीग के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि मैं रोमांचित और प्रसन्न हूं कि यूपीटी20 लीग लॉन्च हो गई है। हम लंबे समय से अपनी खुद की लीग शुरू करने की योजना बना रहे थे क्योंकि इसकी भारी मांग है। उत्तर प्रदेश में विशाल आबादी के साथए अधिक से अधिक खिलाड़ियों को समायोजित करना और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना हमारे लिए एक चुनौती रही है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी में लगभग 25 खिलाड़ी होने की शर्त के साथ, हमारा मानना है कि यह लीग यूपी से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सामने लाने और टीम इंडिया को नई प्रतिभाएं देने का एक बेहतरीन मंच बनकर सामने आएगा। डीएस चौहान ने कहा कि यह लीग ऐसे समय में उत्तर प्रदेश में आ रही है, जब हमारा राज्य कई मोर्चों पर फलफूल रहा है और खेल उस विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यह लीग कई महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका देगीए जिनमें साधारण पृष्ठभूमि के लोग भी शामिल हैं।